जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर से प्रकाशित राज्य स्तरीय दैनिक

डाक पंजियन संख्या: JPCITY/004/2023-2025

हुक्मनामा समाचार

जयपुर रविवार, 02 नवम्बर, 2025 :: मूल्य 2 रु. :: पृष्ठ संख्या 8 :: आर.एन.आई.नं. RAJHIN/2003/11926 :: वर्ष 23 :: अंक 30

www.hukmnamasamachar.com

संक्षिप्त खबरें

मोदी सरकार जबरन हिंदी थोप रही, कन्नड़ की उपेक्षा हो रही-सिद्धारमैया

बेंगलुरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने केंद्र की मोदी सरकार पर कन्नड़ की उपेक्षा करने और हिंदी थोपने का आरोप लगाया। उन्होंने राज्य के लोगों से कन्नड़ विरोधियों का विरोध करने भी कहा। सिद्धारमैया कर्नाटक के स्थापना दिवस पर हुए 70वें राज्योत्सव में कहा कि केंद्र सरकार कर्नाटक के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, हिंदी थोपने की लगातार कोशिशें हो रही हैं। हिंदी और संस्कृत के विकास के लिए अनुदान दिया जाता है, जबकि देश की बाकी भाषाओं की उपेक्षा की जा रही है।

आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक में शामिल देशों ने भारत की जमकर की सराहना

नई दिल्ली। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 31 अक्टूबर को मलेशिया के कुआलालंपुर में दूसरी भारत-आसियान रक्षा मंत्रियों की अनौपचारिक बैठक के दौरान आसियान के रक्षा मंत्रियों के साथ मुलाकात की। बैठक के दौरान, मंत्रियों ने भारत-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की और क्षेत्रीय स्तर पर नई दिल्ली के साथ रक्षा सहयोग को गहरा करने की मांग की। रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में बताया कि भारत-आसियान रक्षा मंत्रियों की दूसरी अनौपचारिक बैठक, आसियान के साथ भारत की व्यापक रणनीतिक साझेदारी, विशेष रूप से 2026-2030 के लिए आसियान-भारत कार्य योजना के रक्षा और सुरक्षा घटकों को आगे बढ़ाने का एक रणनीतिक अवसर प्रस्तुत करती है। रक्षा मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र शांति अभियानों में महिलाओं पर आसियान-भारत पहल और आसियान-भारत रक्षा थिंक-टैंक संपर्क नाम के दो दूरदर्शी पहलों की घोषणा की।

हमने कभी नमाज के वक्त हमला नहीं किया, ऑपरेशन सिंदूर धर्म युद्ध-आर्मी चीफ

सतना। भारतीय थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी शनिवार को सतना में हैं। वे 53 साल बाद अपने बचपन के स्कूल सरस्वती हायर सेकेंडरी स्कूल पहुंचे। आर्मी चीफ ने कहा- आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी ने बताया कि 1971-72 में चौथी क्लास में इस स्कूल में पढ़े हैं। इतने सालों बाद अपने स्कूल लौटकर वह भावुक हो गए।आर्मी चीफ बोले- ऑपरेशन सिंदूर ने देश को बांधा उन्होंने कहा- ऑपरेशन सिंदूर ने पूरे देश को एक सूत्र में बांधा। सिद्धांत और तकनीक के संयोजन से मिशन सफल हुआ। पाकिस्तान को साफ संदेश दिया कि हम धर्म युद्ध के अनुयायी हैं और आगे भी यही नीति अपनाएंगे।

मेरे पास फर्जी वोटर्स की लिस्ट-राज ठाकरे

मुंबई। मनसे चीफ राज ठाकरे ने शनिवार को कहा कि कल्याण, डोंबिवली, भिवंडी और पालघर के साढ़े 4 हजार मतदाताओं ने मालाबार हिल में भी मतदान किया था। इसकी पूरी लिस्ट मेरे पास है। राज महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में मतदाता सूची में हेराफेरी के विरोध में मुंबई में हुई महा विकास अघाड़ी और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना की सभा को संबोधित कर रहे थे।

पेनल्टी कॉर्नर

पटेला री पोल

पटेल को हाईजैक करने का, भाजपा ने किया प्रयास
इससे उसको लाभ राजनीतिक, यही है उसका कयास
पटेल ने संघ पर रोक लगाई, रही खिलाफत की सोच
भाजपा सब कुछ भूल रही, नहीं बात यह बनेगी लोच

..मुखिया जी

आंध्र प्रदेश के वेंकटेश्वर मंदिर में भगदड़

10 की मौत

महिलाएं और बच्चे चिल्लाते रहे, लोग रौंदते गए

एकादशी पर ज्यादा भीड़ से रेलिंग टूटी

श्रीकाकुलम। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम स्थित काशीबुग्गा वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में शनिवार को एकादशी के दौरान भगदड़ मचने से 10 लोगों की मौत हो गई। इनमें 8 महिलाएं और 2 बच्चे हैं। 25 से ज्यादा लोगों का इलाज चल रहा है। मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। स्थानीय लोगों के अनुसार मंदिर पहली मंजिल पर है, जिसका आने-जाने का रास्ता एक ही है। आज भारी भीड़ के दौरान रास्ता जाम हो गया। लोगों की धक्का-मुक्की की वजह से रेलिंग टूट गई। इससे भगदड़ मच गई।

पुलिस को जानकारी नहीं दी गई थी श्रीकाकुलम के एसपी केवी महेश्वर रेड्डी ने बताया कि यह मंदिर निजी जमीन पर बना है। मंदिर के संचालक ने प्रशासन या पुलिस को आज के कार्यक्रम की कोई सूचना नहीं दी थी. अगर पहले बताया जाता तो सुरक्षा के इंतजाम किए जा सकते थे। सरकार ने हादसे की जांच के

आदेश दे दिए हैं। एसपी महेश्वर रेड्डी ने बताया कि मंदिर के प्रशासक हरिमुकुंद पांडा पर 'गैर-इरादतन हत्या' (आईपीसी की धारा 304) के तहत मामला दर्ज किया गया है। हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर में 27 जुलाई को सुबह 9ः15 बजे भगदड़ मच गई थी। इसमें 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 से ज्यादा लोग घायल हुए। यह मंदिर पहाड़ के ऊपर बना हुआ है और यहां पहुंचने के लिए करीब 800 सीढ़ियां चढ़नी होती हैं। एक चश्मदीद संतोष कुमार ने बताया था कि मंदिर पहुंचने के लिए करीब 25 सीढ़ियां बची थीं, तभी हादसा हुआ। रविवार को भीड़ बहुत ज्यादा थी। इस बीच कुछ लोग वहां लगे तार को पकड़कर आगे बढ़े। इस दौरान कुछ तार छिल गए और उनमें करंट आ गया। इससे अफरा-तफरी मच गई और सीढ़ियों पर गिरने से लोग मारे गए। गोवा के शिरगांव में 2 मई को श्री लैराई जात्रा (यात्रा) के दौरान मची भगदड़ में 7 लोगों की मौत हो गई थी। हादसे में 50 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। श्रद्धालु बड़ी संख्या में जात्रा में शामिल होने मंदिर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान एक दुकान के सामने बिजली के तार से करंट लगने के बाद कुछ लोग गिर गए। तभी अफरा-तफरी हुई और भगदड़ मच गई। क्राउड मैनेजमेंट के पर्याप्त इंतजाम नहीं होने की वजह से हादसा हुआ।

पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के मौके पर रजत महोत्सव का उद्घाटन किया

लाल झंडे की जगह शान से लहरा रहा तिरंगा -पीएम मोदी

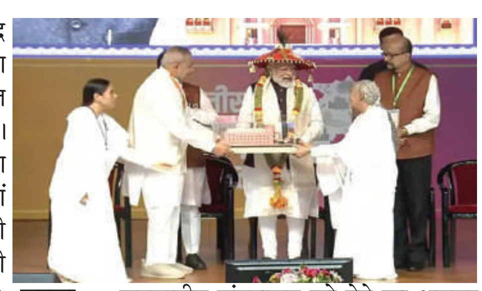

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ स्थापना दिवस के मौके पर रजत महोत्सव का उद्घाटन किया। मोदी ने पीएम आवास योजना के 5 हितग्राहियों को चाबियां सौंपी। पीएम मोदी ने छत्तीसगढ़ी में भाषण की शुरुआत की। मोदी ने कहा कि जम्मो भाई-बहनी, लइका, सियान मन ल हाथ जोड़ के जय जोहर। इस दौरान मोदी ने कहा कि आज छत्तीसगढ़ नक्सलवाद के आतंक से मुक्त हो रहा है। लाल झंडे की जगह शान से तिरंगा लहरा रहा है। कुछ लोग संविधान की किताब हाथ में रखकर दिखावा करते हैं। सामाजिक न्याय के नाम पर घड़ियाली आंसू बहाते हैं। उन्होंने दशकों तक आपके साथ अन्याय किया। मोदी ने कहा कि हमारी सरकार ने गरीब की दवाई, गरीब की कमाई, गरीब की पढ़ाई, गरीब की सिंचाई सुविधा पर बहुत फोकस किया। आज छत्तीसगढ़ को भी लोकतंत्र का नया मंदिर, नई विधानसभा मिल रही है। यहां आने से पहले मुझे एक जनजातीय संग्रहालय को देने का अवसर मिला। वहीं पीएम मोदी ने नए विधानसभा उद्घाटन के दौरान कहा कि 75 साल पहले देश ने संविधान को अपनाया था। इस अवसर पर उन्होंने संविधान निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले रविशंकर शुक्ल, बैरिस्टर छेदीलाल, किशोरीमोहन त्रिपाठी, रामप्रसाद पोटाय और रघुराज जी को श्रद्धांजलि दी और संत गुरु घासीदास को भी याद किया।

इसके अलावा विधानसभा परिसर में प्रवेश के दौरान सुरक्षा व्यवस्था सख्त रही। यहां नेताओं और आम लोगों को गमछा लेकर जाने की अनुमति नहीं दी गई। वहीं रायपुर में पीएम की सुरक्षा ड्यूटी में तैनात आरक्षक की मौत हो गई।

सीएम पिनाराई ने विधानसभा में घोषणा की

केरल में अत्यधिक गरीबी खत्म, देश का पहला राज्य बना

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने शनिवार को विधानसभा में राज्य ने अत्यधिक गरीबी से मुक्त होने की औपचारिक घोषणा की। लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट सरकार का दावा है कि केरल ऐसा करने वाला भारत का पहला राज्य है। पिनाराई सरकार ने राज्य से अत्यधिक गरीबी हटाने के लिए 2021 में अत्यधिक गरीबी उन्मूलन परियोजना शुरू की थी। इसके तहत 64,006 परिवारों की पहचान की गई थी। सरकार का दावा है कि 4 सालों के दौरान इन परिवारों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाल लिया गया है। केरल सीएम पिनाराई ने 25 अक्टूबर को X पर कहा था कि राज्य अत्यधिक गरीबी से मुक्त हो गया है। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर को केरल पिरवी या स्थापना दिवस के अवसर पर विधानसभा के विशेष सत्र में वह इसकी घोषणा करेंगे।

नीरजा मोदी स्कूल में चौथी मंजिल से कूदी छात्रा, मौत

पिता ने एफआईआर दर्ज कराई

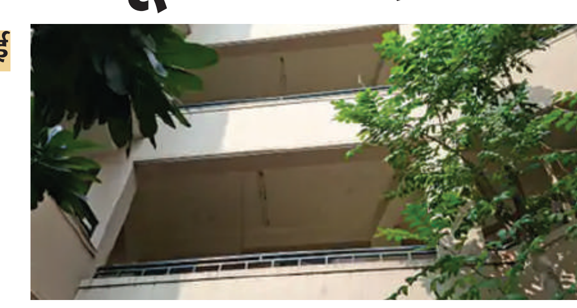

जयपुर। जयपुर में नीरजा मोदी स्कूल में 4 फ्लोर से कूदी छात्रा की मौत हो गई है। वह 4र्थी क्लास में पढ़ती थी। घटना शनिवार दोपहर 1:30 बजे की है। झाड़ियों में गिरने पर छात्रा का सिर दीवार से टकराया। चीख सुनकर स्टाफ पहुंचा। छात्रा को मेट्रो मास अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया।

बच्ची जिस जगह से गिरी, वहां सीढ़ियां पर सीसीटीवी भी लगा हुआ है। छात्रा अमायरा (9) पुत्री विजय कुमार मानसरोवर द्वारका अपार्टमेंट में रहती थी। हादसे की सूचना पर अस्पताल पहुंची मां शिवानी देव और पिता विजय देव का बुरा हाल है। मां गुस्से में रोते हुए अपनी बच्ची को लौटा देने की बात कहती रही। पिता विजय खामोश हो गए थे। घरवालों ने पोस्टमॉर्टम के लिए सहमति नहीं दी थी।

रात को परिजनों की ओर से स्कूल प्रबंधन और टीचर्स के खिलाफ एफआई आर दर्ज कराई गई। अब रविवार सुबह पोस्टमॉर्टम होगा। मां बोलीं- मेरी बच्ची को कहीं से भी लाकर दे दो मां हॉस्पिटल में बार-बार अपनी बेटी का नाम लेकर डॉक्टर से उसे लौटाने की गुहार लगा रही है।

डॉक्टर को कह रही है कि मेरी बेटी को मेरी गोद में दे दो। मुझे और कुछ नहीं चाहिए।

मैं तो घर जाना चाहती हूं, आप लोग मुझे क्यों रोककर बैठे हुए हो। मेरी बच्ची को कुछ भी नहीं हुआ। आप मेरी बच्ची कहीं से भी मुझे लाकर दे दो।

कोटा में स्कूली-बच्चों से भरी वैन पलटी, 2 की मौत

इटावा (कोटा)। कोटा में एक प्राइवेट स्कूल की वैन टायर फटने के कारण बोलेरो से टकराकर पलट गई। हादसे में 2 बच्चों की मौत हो गई। वहीं, 10 से ज्यादा बच्चे गंभीर घायल हैं। हादसा इतना भीषण था कि कुछ बच्चे वैन के अंदर ही फंस गए। वहीं, कुछ वैन से 10 फीट दूर जाकर गिरे। एक्सीडेंट शनिवार सुबह 8 बजे जिले के इटावा में गेता रोड पर हुआ। सभी घायलों को उपजिला हॉस्पिटल ले जाया गया, जहां से 4 गंभीर घायलों को कोटा रेफर किया गया है।

घर के पास करंट से मासूम बच्ची की मौत

धौलपुर। धौलपुर में घर के पास सड़क पर बिजली के पोल से करंट लगने पर आठ साल की मासूम की मौत हो गई। पोल को छूते ही मासूम झटके से बेसुध होकर गिर पड़ी। मदद के अभाव में बच्ची आधे घंटे तक जमीन पर ही पड़ी रही। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस उसे अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बेटी की मौत से अनजान पिता दो घंटे तक उसे गली-गली ढूंढते रहे। हादसा कंचनपुर थाना क्षेत्र में सरकारी अस्पताल के पास शुक्रवार शाम करीब 4 बजे हुआ। बिजली के पोल को छूते ही बेसुध होकर गिरी।

बिहार विधानसभा चुनाव

यह बिहार का भविष्य तय करने का चुनाव-शाह

पटना/नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बिहार के गोपालगंज में वर्चुअली चुनावी जनसभा को संबोधित किया। खराब मौसम के कारण उनका हेलिकॉप्टर पटना से उड़ान नहीं भर पाया। अपने भाषण में शाह ने जंगलराज की याद दिलाई, साथ ही बंद पड़े चीनी मिलों को चालू कराने का वादा किया। बेगूसराय के

महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे-प्रियंका

बछवाड़ा में प्रियंका गांधी ने सभा की। बढ़ते क्राइम को लेकर प्रियंका ने सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, बिहार में क्राइम चरम पर है बिहार में महिलाएं असुरक्षित हैं। मोकामा हत्याकांड में चुनाव आयोग ने एक्शन लिया है। बाढ़ के एसडीएम चंदन कुमार, ग्रामीण एसपी विक्रम सिहाग और बाढ़ के एसडीपीओ-1 राकेश कुमार को हटा दिया है।

11 राष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं योजनाओं में पहला स्थान हासिल कर देशभर में लहराया उत्कृष्टता का परचम

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान ने सुशासन और परिणाम आधारित कार्य संस्कृति के नए मानक किए स्थापित

स्वास्थ्य से लेकर जनकल्याण तक देशभर में राजस्थान बन रहा सिरमौर

- 5 में द्वितीय, 9 में तृतीय स्थान के साथ देश के शीर्ष राज्यों में रहा शामिल
- लॉजिस्टिक इकोसिस्टम एवं जनजाति कल्याण में प्रदेश रहा बेस्ट परफॉर्मर स्टेट

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान ने सुशासन, जनकल्याण और परिणाम आधारित कार्यसंस्कृति के नए मानक स्थापित किए हैं। राज्य सरकार के विशेष प्रयासों से जनकल्याणकारी नीतियों एवं योजनाओं के धरातल पर प्रभावी क्रियान्वयन के परिणामस्वरूप प्रदेश वर्ष 2024-25 के दौरान 11 राष्ट्रीय कार्यक्रमों एवं योजनाओं में पहला स्थान प्राप्त करने के साथ ही विभिन्न योजनाओं में देश के शीर्ष राज्यों में शामिल रहा। सितम्बर 2025 में प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की जारी रैंकिंग में पहले स्थान के साथ ही पोषण पखवाड़ा 2025 के अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्रों पर आयोजित गतिविधियों में राष्ट्रीय स्तर पर प्रदेश शीर्ष पर रहा है। इसी तरह, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (खरीफ 2025) के तहत 2.18 करोड़ पॉलिसियां जारी कर राजस्थान देश में प्रथम है। कृषि क्षेत्र में डिजिटल क्रांति की संवाहक बन रही फार्मर

शर्मा के नेतृत्व में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के आयोजन में राजस्थान पूरे देश में शीर्ष स्थान पर रहा। केन्द्र सरकार के आयुष मंत्रालय के 'योगा संगम पोर्टल' के अनुसार राज्य ने 62 हजार 915 स्थलों पर 85 लाख 31 हजार 185 प्रतिभागियों के साथ पूरे भारत में प्रथम स्थान पर रहा।

रजिस्ट्री योजना में पीएम किसान लाभार्थियों की आईडी बनाने में प्रतिशत के आधार पर राजस्थान ने वर्ष 2024-25 में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम रैंक प्राप्त की। स्वच्छ भारत मिशन (ग्राम्य) के 'स्वच्छता ही सेवा अभियान-2025' के अंतर्गत स्वच्छता लक्षित इकाइयों को रूपांतरित करने में राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान ने प्रथम स्थान पर है। साथ ही, अक्षय एवं सौर ऊर्जा क्षमता स्थापना में राजस्थान पीएम कुसुम योजना कंपोनेंट-ए में राष्ट्रीय स्तर पर प्रथम स्थान पर रहा है।

वर्ष 2024 के लिए पंचायती राज विभाग द्वारा आयोजित फिट इंडिया फ्रीडम रन एवं विकसित भारत संकल्प यात्रा में राजस्थान देशभर में प्रथम स्थान पर रहा। फिट इंडिया फ्रीडम रन में देश में आयोजित 10 हजार 443 कार्यक्रमों में से 6 हजार 202 कार्यक्रम आयोजित कर राजस्थान देश में प्रथम स्थान पर रहा। वहीं, विकसित भारत संकल्प यात्रा में राज्य ने 11 हजार 209 कैंपों के आयोजन एवं प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के अंतर्गत 5.94 लाख गैस कनेक्शन जारी करके देश में प्रथम स्थान हासिल किया।

पीएम विश्वकर्मा योजना में द्वितीय स्थान, कृषि में डिजिटल परिवर्तन हेतु रजत पुरस्कार राजस्थान हर घर तिरंगा कार्यक्रम 2025 में पंजीकृत वालंटियर एवं मीडिया अपलोड श्रेणी, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के घटक पर ड्रॉप मोर क्रॉप के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में 1.31 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में माइक्रो इरिगेशन सिस्टम की स्थापना, पोषण माह 2025 के अंतर्गत आयोजित गतिविधियों एवं पीएम विश्वकर्मा योजना में ऋण स्वीकृति एवं वितरण के लिए राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान द्वितीय स्थान पर है। वहीं, कृषि विभाग में सरकारी प्रक्रियाओं में डिजिटल परिवर्तन हेतु राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस रजत पुरस्कार (द्वितीय स्थान) भी हासिल किया है।

3 दिन में जीएसटी रजिस्ट्रेशन मिलेगा

2.5 लाख से कम मंथली टैक्स वालों को फायदा

नई दिल्ली। छोटे और कम रिस्क वाले बिजनेस के लिए अब जीएसटी रजिस्ट्रेशन सिर्फ 3 कारोबारी दिन में मिलेगा। केंद्र सरकार ने आज (1 नवंबर) से छोटे और मध्यम कारोबारियों के लिए नई जीएसटी रजिस्ट्रेशन स्कीम शुरू की है। नई स्कीम का फायदा उन व्यापारियों को मिलेगा, जिनका मंथली जीएसटी 2.5 लाख रुपए से कम होता है। वहीं, केंद्र सरकार ने आज अक्टूबर में हुए जीएसटी कलेक्शन के आंकड़े जारी किए हैं। अक्टूबर में गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) से 1.96 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए हैं। सालाना आधार पर इसमें 4.6% की बढ़ोतरी हुई है। आंकड़ों के मुताबिक, एक साल पहले यानी अक्टूबर 2024 में सरकार ने 1.87 लाख करोड़ रुपए जीएसटी कलेक्ट किया था। वहीं पिछले महीने अगस्त के मुकाबले सितंबर का कलेक्शन 3 हजार करोड़ रुपए बढ़ा है। सितंबर में सालाना 9.1% की बढ़ोतरी के साथ 1.89 लाख करोड़ रुपए जीएसटी वसूला गया था।

CMYK

राज्यपाल बागडे से सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर से की शिष्टाचार भेंट

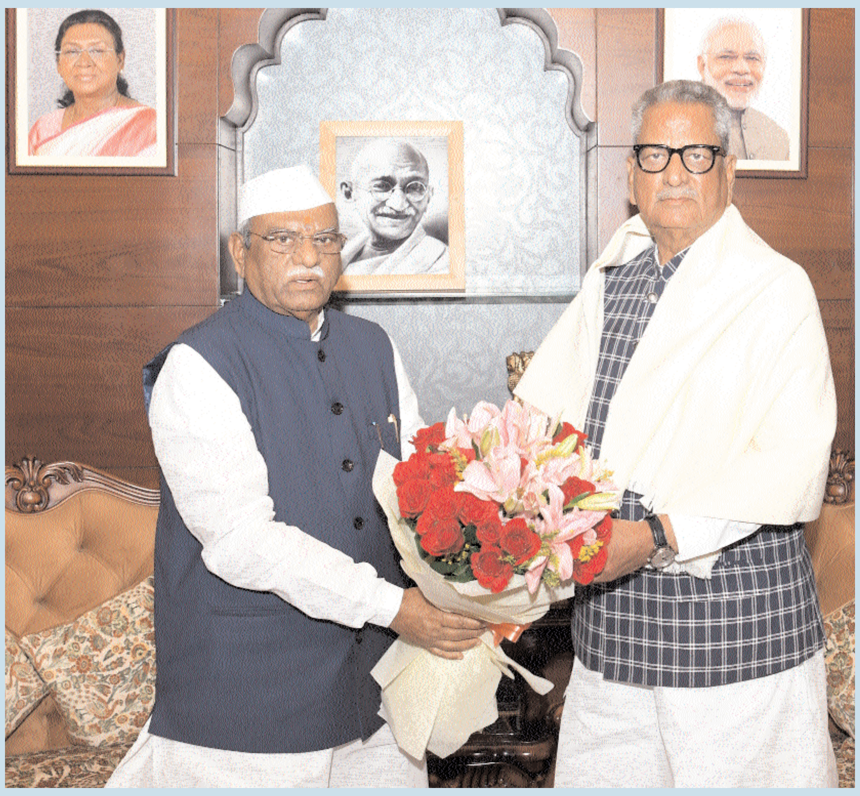

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से शनिवार को सिक्किम के राज्यपाल ओम प्रकाश माथुर ने राजभवन पहुंचकर मुलाकात की। इस दौरान दोनों ने विभिन्न विषयों पर चर्चा की। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

बीकानेर संभाग में आयोजित होगा 'गंगनहर सुशासन के सौ वर्ष' समारोह

सौ साल के दौरान उल्लेखनीय कार्य करने वाले होंगे सम्मानित, संभाग के अगले सौ साल के विकास का बनेगा रोडमैप

- **केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की पहल पर होगा समारोह- पांच दिसंबर 2025 से 26 अक्टूबर 2027 तक होंगे विभिन्न आयोजन**
- **फिरोजपुर से होगी शुरुआत, शिवपुर हैड पर समापन, बीकानेर-चूरू-हनुमानगढ़ में भी होंगे आयोजन**
- **केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने ली पहली बैठक, संभाग भर के आला अधिकारी रहे मौजूद**

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। गंगनहर के शिलान्यास से लेकर इसके निर्माण कार्य के 100 वर्ष पूर्ण होने पर बीकानेर संभाग में *'गंगनहर-सुशासन के 100 वर्ष'* राज्य स्तरीय समारोह मनाया जाएगा। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल की पहल पर आयोजित होने वाले इस समारोह में 5 दिसंबर 2025 से लेकर 26 अक्टूबर 2027 तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मेघवाल ने शनिवार को बीकानेर संभागीय आयुक्त कार्यालय में इससे संबंधित पहली बैठक ली तथा सभी अधिकारियों को इस महोत्सव के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने बताया कि 5 दिसंबर 1925 को बीकानेर के तात्कालिक महाराजा गंगासिंह ने फिरोजपुर पंजाब में गंगनहर का शिलान्यास किया तथा 26 अक्टूबर 1927 को गंगनहर का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ।

इसके उद्घाटन समारोह में महाराजा गंगासिंह के निमंत्रण पर पंडित मदन मोहन मालवीय, लॉर्ड इरविन तथा अन्य तात्कालिक महाराजा, श्रीगंगानगर के शिवपुर हैड आए। इस दौरान भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि गंगनहर ने श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ बीकानेर और चूरू आदि क्षेत्रों को नई पहचान दी। गंगनहर के कारण आज राजस्थान %हरित पट्टी% और %अन्न भंडार% के रूप में विकसित हुआ है। यहां कृषि और औद्योगिक विकास के साथ सर्वांगीण विकास की राह खुली है।

मेघवाल ने बताया कि इस उपलब्धि के 100 वर्ष पूर्ण होने पर संभाग भर में भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसकी शुरुआत 5 दिसंबर 2025 को फिरोजपुर से 'राज्य स्तरीय शताब्दी समारोह' के साथ होगी। इस दौरान एक स्मारिका प्रकाशित की जाएगी। इसमें इस नहर के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले व्यक्तियों तथा नहर आने से इस क्षेत्र में हुए चहुंमुखी विकास का उल्लेख किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह जानकारी वर्तमान पीढ़ी के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी।

एक नजर

विद्यार्थी परिषद ने कुलगुरु के नाम सौंपा ज्ञापन, चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा तिथि आगे बढ़ाने की मांग

धोलपुर (हुक्मनामा समाचार)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद धौलपुर जिले की राजकीय कन्या महाविद्यालय इकाई द्वारा महाराजा ब्रज विश्वविद्यालय के कुलगुरु के नाम महाविद्यालय प्राचार्य अनिल गिरी को ज्ञापन सौंपा गया। इकाई अध्यक्ष तान्या समाधिया ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा तृतीय सेमेस्टर परीक्षा के तुरंत बाद चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा की नोटिफिकेशन जारी करना विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। तान्या ने कहा कि यह निर्णय विश्वविद्यालय प्रशासन की एक तुगलकी फरमान प्रतीत होता है, जिससे विद्यार्थियों को पर्याप्त तैयारी का समय नहीं मिल पा रहा है। परिषद ने विश्वविद्यालय प्रशासन से चतुर्थ सेमेस्टर परीक्षा की तिथि आगे बढ़ाने की मांग की है ताकि विद्यार्थी अपनी तैयारी पूर्ण कर सकें और परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। इस अवसर पर जिला कार्यालय मंत्री करुणा, निशा, शिवरानी, राधा, प्रभा गौड, भावना, हेमलता, दिव्यांशी, रिंकी, रूबी, प्रीति, पावनी, तनिशा, मुस्कान, मुस्कान सोलंकी, रिया सहित महाविद्यालय की अन्य छात्राएँ भी उपस्थित रहीं। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने स्पष्ट किया है कि यदि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा मांगों पर शीघ्र संज्ञान नहीं लिया गया तो परिषद आंदोलन का मार्ग अपनाने पर विवश होगी।

दुर्घटनाओं में त्वरित सहायता एवं जीवन रक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन

जमवारामगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय जमवारामगढ़ में राजस्थान राज्य महिला नीति 2021 एवं रानी लक्ष्मीबाई आत्मरक्षा प्रशिक्षण केंद्र के संयुक्त तत्वाधान में शनिवार दिनांक 1 नवंबर को सड़क हादसों में और अन्य दुर्घटनाओं में सहायता एवं जीवन रक्षा प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई।प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश चंद्र मीणा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। एनजीओ सहायता संस्था के सीईओ मनीष संचेती, कनक वर्मा मुख्य वक्ता रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्राचार्य ने अपने उद्बोधन में कहा कि निरंतर हो रही सड़क दुर्घटनाओं में पीड़ित मनुष्य की सहायता करना हमारा नैतिक कर्तव्य है न केवल मनुष्य अपितु प्राणी मात्र की सहायता के लिए हमें तत्पर रहना चाहिए । इस अवसर पर वरिष्ठ संकाय सदस्य प्रोफेसर राजेश आर्य ने कहा कि विद्यार्थियों को सहायता संस्था के द्वारा दिए जाने वाले प्रशिक्षण को गंभीरता से लेना चाहिए। प्रशिक्षण को गंभीरता से लेते हुए पीड़ित एवं घायल व्यक्तियों की सहायता करने के लिए प्रेरित किया गया। इसके पश्चात कार्यक्रम में सहायता समूह के सीईओ मनीष संचेती व रिसोर्स पर्सन कनक वर्मा द्वारा सड़क दुर्घटना के आंकड़ों में कमी लाने के लिए सीएम एस फाउंडेशन के सहयोग सीएसआर गतिविधियों के तहत जीवन रक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम की कड़ी में सहायता संस्था द्वारा यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। दी लाइफ सेवर संगठन के सीईओ मनीष संचेती द्वारा सड़क सुरक्षा एवं यातायात नियमों की जानकारी दी तत्पश्चात सहायता टीम ने विद्यार्थियों को दुर्घटना की स्थिति में पीड़ित की जीवन रक्षा से संबंधित उपाय जैसे सीपीआर एवं कंप्रेशन ओनली लाइफ सपोर्ट विद्यार्थी को मौके पर ही कैसे घायल की स्थिति आकलन कर उसकी सहायता हेतु अस्पताल पहुंचाई उन्होंने आपातकालीन नंबर एवं सड़क सुरक्षा से संबंधित नियमों की जानकारी दी। कार्यक्रम की संयोगिता प्रोफेसर शेहमा खान ने कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित किया कार्यक्रम में मंच संचालन प्रोफेसर नीलम व सहायक आचार्य पूजा रोनिजा ने किया।

मानसिक स्वास्थ्य सेमीनार का किया आयोजन

टोंक (हुक्मनामा समाचार)। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (एनएमएचपी) टोंक ईकाई द्वारा शनिवार को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय डिग्गी में मानसिक स्वास्थ्य सेमीनार का आयोजन किया गया, जिसमें सआदत अस्पताल टोंक के मनोरोग एवं नशामुक्ति विशेषज्ञ डॉ. योगेश कुमार द्वारा युवा वर्ग में पनप रही मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं जैसे सिर दर्द, नशे की लत, मोबाइल एडिक्शन, अवसाद, याददास्त व एकाग्रता की कमी, आत्महत्या की प्रवति आदि पर विस्तार से चर्चा की । सेमीनार में छात्रों को परीक्षा के समय तनाव नहीं लेने, कैरियर सम्बन्धित सलाह एवं भविष्य मे किसी भी प्रकार के नशे ना करने की सलाह दी। सेमीनार के बाद राजकीय सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र डिग्गी पर निःशुल्क मनोरोग एवं नशामुक्ति कैम्प का आयोजन कर मरीजों को निःशुल्क परामर्श एवं दवाईयां दी गई। मानसिक समस्याओं से बचने के लिये नियमित 7-8 घंटे की नींद ले, पौस्टिक आहार ले, 3-4 लीटर तरल पदार्थ ले, परिवार एवं मित्रों के साथ समय व्यतीत करे, सकारात्मक सोच रखें, अच्छा संगीत सुने, अंधविश्वास से दूर रहे, नियमित व्यायाम करे, रोज 10 मीनट ध्यान लगाए एवं रचनात्मक गतिविधियां भी तनाव से उबारने में मददगार हैं। भारत सरकार द्वारा मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर की हेल्पलाइन टोल फ्री नम्बर 14416 पर मनोरोग नशामुक्ति सम्बन्धित परामर्श ले सकते हैं। सआदत अस्पताल टोंक के कमरा नं. 3 में मनोरोग एवं नशामुक्ति सम्बन्धित परामर्श एवं ईलाज दिया जाता हैं। कैम्प के दौरान सीएचसी प्रभारी डॉ. नरेंद्र कुमार, डॉ. अभिषेक सरावता, डॉ. अश्वनी कुमार, डॉ. विजय गौतम, डॉ. मोहम्मद हाशिम, डॉ. मरियम अली, डॉ. ऋषि शर्मा, उप प्राचार्य भंवर लाल गुर्जर, दिनेश कुमार मालावत एवं रेखा वर्मा आदि मौजूद थे।

अकबर खान ने एएसआई राजस्थान पुलिस के पद पर पद्दोन्नति होने पर दी बधाई

टोंक (हुक्मनामा समाचार)। रेल लाओ संघर्ष समिति के अध्यक्ष, अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व कांग्रेस जिला महासचिव अकबर खान कोतवाली पहुंचकर सभी सम्मानियों को एएसआई राजस्थान पुलिस के पद पर पद्दोन्नति होने पर माला पहनाकर मुंह मीठा कराकर बधाई दी। अकबर खान ने सभी नव-नियुक्त एएसआई से उम्मीद जताई है कि आप सभी टोंक की अवाम के न्याय के लिए अपराधियों में भय के लिए निष्पक्षता से कार्य करेंगे । इस अवसर पर एडवोकेट फिरोज खान भी मौजूद थे।

रणथंभौर टाइगर रिजर्व में ऑनलाइन टिकट बुकिंग के लिए जारी हुए नए दिशा-निर्देश

ऑनलाइन टिकट बुकिंग को सुगम बनाने के लिए जारी किए निर्देश

सवाई माधोपुर (हुक्मनामा समाचार)। रणथंभौर नेशनल पार्क में अब ऑनलाइन टिकट बुकिंग को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। वन विभाग के पर्यटन डीएफओ प्रमोद धाकड़ ने उपयोगकर्ताओं को जानकारी देते हुए कहा है कि वे एक ही मोबाइल नंबर का इस्तेमाल एक से अधिक कंप्यूटर पर न करें, क्योंकि इससे गलत या मिश्रित ह्ज्ञक्क आने की संभावना बढ़ जाती है और खाता प्रतिबंधित हो सकता है। नियमों के अनुसार, किसी भी ऑटो-फिल, बॉट या ऋज्ञक्र आधारित सेवा का उपयोग सख्त रूप से प्रतिबंधित है। ऐसा करने पर उपयोगकर्ता का खाता निलंबित या स्थायी रूप से बंद किया जा सकता है। भारतीय नागरिकों के लिए बुकिंग के दौरान वैध पहचान पत्र (ढ्ढष्ठ) देना अनिवार्य किया गया है। यह भी सुनिश्चित करना जरूरी है कि ढ्ढष्ठ का विवरण बुकिंग जानकारी से मेल खाए। तकनीकी त्रुटियों से बचने के लिए उपयोगकर्ताओं को सलाह दी गई है कि बुकिंग शुरू करने से पहले अपने ब्राउज़र का कैश साफ करें। साथ ही, 'स्द्गठ्ठस्र ह्ज्ञक्क' या 'ङ्कद्गह्म्द्बद्घ4 ह्ज्ञक्क' बटन पर बार-बार क्लिक करने से बचें, क्योंकि सिस्टम इसे दुरुपयोग मान सकता है।वहीं बुकिंग शुरू करने से पहले व्हाट्सएप ऐप को अपने मोबाइल के आधिकारिक ऐप स्टोर से अपडेट करने की भी सलाह दी गई है। वन विभाग के अधिकारी ने सूचना के माध्यम से बताया कि यदि भुगतान के बाद भी बुकिंग असफल हो जाती है तो घबराने की जरूरत नहीं है। ऐसी स्थिति में उपयोगकर्ता को राशि की वापसी (रिफंड) की जाएगी। अक्सर भुगतान विफल होने के पीछे बैंक से देर से प्रतिक्रिया, लेट पेमेंट ऑथराइजेशन या निर्धारित सीटों की अनुपलब्धता जैसी तकनीकी वजहें होती हैं। वन विभाग प्रशासन ने उपयोगकर्ताओं से अपील की है कि वे बुकिंग के दौरान धैर्य बनाए रखें और केवल अधिकृत माध्यमों का ही उपयोग करें।

जोगी आसन थौलाई में नाथ समाज का 9 वां सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न

8 जोड़े बंधे परिणय सूत्र में

जमवारामगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। जमवारामगढ़ उपखंड क्षेत्र की पंचायत समिति आंधी की ग्राम पंचायत थोलाई के जोगी आसन में शनिवार दिनांक 1 नवंबर को देवउठनी एकादशी पर नाथ समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में बतोर मुख्य अतिथि विधायक महेंद्र पाल मीणा ने नव विवाहित दंपतियों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखी वैवाहिक जीवन की कामना की। नाथ समाज विवाह समिति पदाधिकारियों ने विधायक एवं पधारे हुए अन्य अतिथियों का माला एवं साफा पहनाकर अभिनन्दन किया विवाह समिति संयोजक शंकर लाल योगी जी ने बताया की सम्मेलन में करीब 5 हजार मेहमानों ने शिरकत की।

सम्मेलन में सभी नव विवाहित जोड़ों को भामाशाहों के सहयोग से समिति की ओर से गृहस्थी का सामान उपहार स्वरूप भेट किया गया। सामूहिक विवाह सम्मेलन में राजस्थान नाथ समाज के प्रदेशाध्यक्ष ईश्वर योगी, विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक जगदीश नारायण मीणा, शंकर लाल मीणा, शेर सिंह योगी, अरविंद योगी, मुकेश कुमार योगी, सहयोगी युवा प्रकोष्ठ अध्यक्ष कैलाश नारायण भाटी जालौर, जीवन नाथ जोधपुर एवं मांगीराम योगी थानागाजी आदि सम्मिलित हुए।

सम्मेलन में नाथ समाज सामूहिक विवाह समिति के कार्यकरणी सदस्य-संस्थापक गोपी राम योगी, प्रभु दयाल योगी, कैलाश योगी, बलदेव योगी, कैलाश योगी इंदरगढ़, राम कल्याण पावटा, छीतर मल पालेड़ा, मंगल योगी नोनपुरा, राहुल योगी बूज, मनीष कुमार योगी बूज, कृष्ण कुमार योगी डांगरवाडा, मुकेश कुमार योगी घोरेट, बजरंग लाल योगी रायपुर एवं रोहिताश्व योगी लालवास का सहयोग सराहनीय रहा।

विद्युत पोल में करंट से मासूम बच्ची की मौत, शव देख बेसुध हुए पिता

धौलपुर (हुक्मनामा समाचार)। घर के नजदीक सड़क पर विद्युत पोल से करंट लगने पर आठ साल की मासूम की मौत हो गई। पोल को छूते ही मासूम झटके से बेसुध होकर गिर पड़ी। मदद के अभाव में बच्ची आधे घंटे तक जमीन पर ही पड़ी रही। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस उसे अस्पताल ले गई, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बेटी की मौत से अनजान पिता दो घंटे तक उसे गली-गली ढूंढते रहे। हादसा कंचनपुर थाना क्षेत्र में सरकारी अस्पताल के पास शुक्रवार शाम करीब 4 बजे हुआ। गली में टहलते समय पोल से करंट की चपेट में आने से बच्ची की मौत हो गई। बच्ची के हाथ और गले करंट से झुलसने के निशान मिले। एएसआई फतेह सिंह ने बताया कि अर्पिता (8) पुत्री सुकेश अस्पताल की ओर से घर लौट रही थी। इसी दौरान सड़क किनारे लगे एक बिजली के पोल से वह अनजाने में टकरा गई। पोल में करंट दौड़ रहा था। जैसे ही अर्पिता ने पोल को छुआ, वह झटके से गिर पड़ी। बच्ची के हाथ और गले पर करंट से झुलसने के निशान मिले। घटना के करीब आधे घंटे बाद, सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची तो बच्ची बेसुध जमीन पर पड़ी थी।

पुलिस ने विद्युत निगम को सूचित कर बिजली की सप्लाई बंद कराई। मासूम को तुरंत बाड़ी (धौलपुर) अस्पताल ले जाया गया, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, पिता को बेटी के अस्पताल की ओर जाने की जानकारी नहीं थी। काफी देर तक दिखाई नहीं देने पर वे उसे करीब दो घंटे तक ढूंढते रहे। शाम करीब 6ः30 बजे पुलिस ने फोन पर मौत की सूचना दी।

सहायक उप-निरीक्षक पद पर पदोन्नत होने पर राजू रघुवंशी का किया सम्मान

टोंक (हुक्मनामा समाचार)। अजमेर रेंज अजमेर अंतर्गत हुई मुख्य आरक्षक से सहायक उप निरीक्षक पदोन्नत परीक्षा में सफल होने पर सहायक उप-निरीक्षक बने पुलिस थाना बरौनी में पदस्थापित राजू लाल रघुवंशी को उनके मोहल्लेवासियों द्वारा शनिवार को उनका सम्मान करते हुए उन्हें बधाई दी है। इस मौके पर एडवोकेट आशीष पाल, अंतरराष्ट्रीय गायक कलाकार धनराज साहू, प्रेम रघुवंशी, दुर्गेश पाल, राजेश पाल, राधे श्याम पाल एवं सुमित पाल आदि ने राजू रघुवंशी को साफा एवं माला पहनाकर एवं मुंह मीठा कराकर उन्हें प्रमोशन की बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

ईदगाह सर्किल प्रकरण में प्रशासन सतर्क

गंगापुर सिटी में स्थानीय प्रबुद्धजन शांति, सौहार्द एवं बेहतर कानून व्यवस्था के लिए सहमत

सवाई माधोपुर (हुक्मनामा समाचार)। जिला प्रशासन गंगापुर सिटी में ईदगाह सर्किल के नामकरण से जुड़े प्रकरण का स्थानीय समाज की भावनाओं और नियम के अनुरूप समाधान के लिए पूरी तरह सतर्क है। जिला कलक्टर काना राम ने इस मामले में प्रकाशित समाचारों पर त्वरित संज्ञान लेकर प्रकरण के सौहार्दपूर्ण समाधान के निर्देश दिए। कलक्टर के निर्देश पर अतिरिक्त जिला कलक्टर गंगापुर सिटी सुदर्शन सिंह तोमर ने प्रकरण से जुड़े पक्षकारों और स्थानीय प्रबुद्धजनों के साथ शहर में शान्ति और सद्भाव का माहौल बनाए रखने और प्रकरण के सर्वमान्य हल के लिए संवाद की पहल की। अतिरिक्त जिला कलक्टर की अध्यक्षता में महत्वपूर्ण बैठक में मामले के वास्तविक तथ्यों की जानकारी प्राप्त कर पक्षकारों के बीच समन्वय स्थापित किया गया, ताकि स्थानीय स्तर पर कानून-व्यवस्था एवं सामाजिक सौहार्द बना रहे। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक सीताराम, उपखण्ड अधिकारी बृजेन्द्र मीना, अधिशाषी अभियंता सार्वजनिक निर्माण विभाग बदन सिंह, नगर परिषद गंगापुर सिटी के सहायक अभियंता तरुण जैन सहित विभिन्न समाजों - सैनी समाज, अग्रवाल समाज एवं ईदगाह समिति के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। बैठक में अतिरिक्त जिला कलक्टर ने कहा कि प्रशासन किसी भी स्थिति में सामाजिक समरसता और शांति भंग नहीं होने देगा तथा सभी विवादों का समाधान संवाद एवं विधिक प्रक्रिया के माध्यम से किया जाएगा। विस्तृत चर्चा के बाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि प्रस्तावित मूर्ति या शिलापट्टिका सक्षम स्वीकृति के बाद ही स्थापित की जाएगी। यदि किसी समाज या संगठन द्वारा बिना अनुमोदन मूर्ति या पट्टिका लगाने का प्रयास किया जाए, तो संबंधित पुलिस थाना अधिकारी प्राथमिकी दर्ज कर जरूरी विधिक कार्रवाई करें। साथ ही, चौराहे के नामकरण के लिए राजस्थान नगर पालिका अधिनियम एवं राजस्थान लोक संपत्ति विरूपण निवारण अधिनियम, 2006 के प्रावधानों की अनुपालना की जाए। बैठक में गंगापुर सिटी के नगर परिषद आयुक्त को यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि शहर के सौंदर्यकरण आदि कार्यों की प्रक्रिया नियमानुसार, स्थानीय जनभावनाओं और तार्किक के आधार पर पूरी हो।

राजभवन में 15 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों का स्थापना दिवस मनाया गया

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' हमारी पहचानः राज्यपाल

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। राजभवन में शनिवार को 1 नवंबर को गठित होने वाले 8 राज्यों आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, पंजाब और तमिलनाडु तथा 5 केंद्र शासित प्रदेशों अंडमान और निकोबार द्वीप, चंडीगढ़, दिल्ली, लक्षद्वीप और पुडुचेरी का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर 31 अक्टूबर को गठित होने वाले केंद्र शासित प्रदेशों जम्मू और कश्मीर और लद्दाख का स्थापना दिवस भी मनाया गया। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने इस अवसर इन राज्यों के राजस्थान में निवास करने वाले लोगों को बधाई और शुभकामना दी। उन्होंने राज्यों के इतिहास और संस्कृति की चर्चा करते हुए कहा कि राज्य स्थापना दिवस देश की सांस्कृतिक विविधता और परंपराओं का आलोक है। उन्होंने कहा कि विविधता में एकता से जुड़े हमारे राज्य एक भारत श्रेष्ठ भारत का साकार रूप है। राज्यपाल ने इस दौरान विभिन्न राज्यों के निवासियों से संवाद भी किया और कहा कि हरेक राज्य अपनी सांस्कृतिक और भौगोलिक विशेषता में भारत की निधि है।

विभिन्न राज्यों के निवासियों ने राज्यपाल का आभार जताते हुए अभिनंदन किया।

राज्यपाल ने भाषाई आधार पर राज्यों के गठन को महत्वपूर्ण बताते हुए राज्यों के निवासियों को राजस्थान के विकास में अपना योगदान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी और प्रमुख विशेषाधिकारी राजकुमार सागर भी उपस्थित रहे।

क्रीड़ा भारती की कबड्डी स्पर्धा प्रारंभ

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। क्रीड़ा भारती की जयपुर महानगर इकाई द्वारा आज यूनियन कबड्डी मैदान पर दो दिवसीय कबड्डी स्पर्धा का प्रारंभ हुआ। कबड्डी स्पर्धा के उद्घाटन कार्यक्रम में प्रदेश कोषाध्यक्ष राकेश शर्मा ने प्रस्तावना रखी एवं सभी ने कबड्डी खेल को 2036 के ओलंपिक खेलों में सम्मिलित करवाने का संकल्प लिया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत संपर्क प्रमुख विवेकजी ने कबड्डी को भारतीय संस्कृति के पुनर्जन्म के सिद्धांत को प्रबल करने वाला खेल बताया। साथ ही उन्होंने कबड्डी के साहस व आध्यात्मिक पक्ष पर भी उपस्थित खिलाड़ियों एवं कार्यकर्ताओं का प्रबोधन किया। आज पुरुषों की अलग-अलग वर्ग (10 से 14 वर्ष, 14 से 19 वर्ष, 19 से 35 वर्ष एवं 35 वर्ष से ऊपर) की कुल 27 टीमें खेलने हेतु उपस्थित थी जिनके मध्य दिनभर कबड्डी की स्पर्धाएं आयोजित हुई। कार्यक्रम में क्रीडा भारती के प्रदेश संयोजक मेघ सिंह चौहान, प्रांत मंत्री कैलाश शर्मा, कबड्डी कोच एवं जयपुर महानगर अध्यक्ष राजनारायण शर्मा, अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी गिरिराज, अशफाक, श्रीरामचंद्र कसाणा, श्रीमति निर्मलेश माथुर, सहित क्रीड़ा भारती के प्रान्त खेल केंद्र प्रमुख भीमसिंह प्रांत मातृशक्ति प्रमुख डॉ?प्रतिभा सिंह रत्नू प्रांत योग प्रमुख सत्यपाल सिंह जयपुर महानगर उपाध्यक्ष श्रीमती रजनी शर्मा जयपुर महानगर सह मंत्री अर्जुन सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता एवं खेल क्षेत्र के अनेक व्यक्ति उपस्थित थे।

जयपुर में खड़े ट्रक में घुसी बुलेट, 2 दोस्तों की मौत

तीसरे की हालत गंभीर; हरियाणा से मिलने आए युवक को छोड़ने जा रहे थे

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। जयपुर के एक्सप्रेस हाईवे पर शुक्रवार सुबह खड़े ट्रक में बुलेट बाइक पीछे से जा घुसी। हादसे में बाइक सवार 2 दोस्तों की मौत हो गई। घायल तीसरे साथी का गंभीर हालत में इलाज चल रहा है। मृतक दोनों दोस्त बुलेट बाइक पर हरियाणा से मिलने आए दोस्त को बस में बैठाने के के लिए छोड़ने जा रहे थे। एक्सीडेंट थाना (वेस्ट) पुलिस ने मृतकों का पोस्टमॉर्टम करवाकर दोनों शव परिजनों को सौंप दिए। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है। अमर सिंह ने बताया- हादसे में सूरत गंगानगर निवासी मोक्ष विश्नोई (21) और करणसर बीकानेर निवासी विजयपाल चौधरी (23) की मौत हो गई। घायल साथी शेखर विश्नोई (21) निवासी सिरसा हरियाणा का इलाज चल रहा है। सिरसी रोड बिंदायका में रहकर मोक्ष विश्नोई निम्स यूनिवर्सिटी से मेडिकल की पढ़ाई कर रहा था। उसका दोस्त विजयपाल व शेखर भी कॉम्पिटिशन एग्जाम की तैयारी कर रहे थे। एक-दो दिन पहले हरियाणा का रहने वाला शेखर जयपुर में रहने वाले अपने दोनों दोस्त मोक्ष और विजयपाल से मिलने आया था। शेखर को घर भेजने के लिए शुक्रवार सुबह बस में बैठाना था। सुबह करीब 6 बजे तीनों दोस्त बुलेट बाइक पर बिना हेलमेट के निकले थे। **खड़े ट्रक में पीछे से बुलेट बाइक जा घुसी** करधनी इलाके में कालवाड़ पुलिया एक्सप्रेस हाईवे पर खड़े ट्रक में पीछे से बुलेट बाइक जा घुसी। ट्रक से टकराते ही बाइक सहित तीनों नीचे गिरकर गंभीर घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची करधनी थाना पुलिस ने गंभीर घायल में मोक्ष और विजयपाल को कांवटिया हॉस्पिटल भिजवाया। वहीं, शेखर को एम्बुलेंस की मदद से स्र्स्ह्र हॉस्पिटल में एडमिट करवाया गया। कांवटिया हॉस्पिटल में डॉक्टर्स ने मोक्ष और विजयपाल को इलाज के दौरान मृत घोषित कर दिया। **शवों को मॉर्च्युरी में रखवाया** मेडिकल सूचना पर एक्सीडेंट थाना (वेस्ट) पुलिस हॉस्पिटल पहुंची। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए दोनों शव को मॉर्च्युरी में रखवाया। पुलिस ने हाईवे पर रोड किनारे खड़े मिले ट्रक व क्षतिग्रस्त बाइक को जब्त किया। मृतक मोक्ष के चचेरे भाई संजय की शिकायत पर स्नढ्ढक्र दर्ज की गई। पुलिस जांच में सामने आया है कि ट्रक खराब होने के कारण एक्सप्रेस हाईवे पर खड़ा था। क्रेन की मदद से ट्रक को जब्त कर ड्राइवर की तलाश की जा रही है।

अन्तरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन द्वारा दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शनिवार को अन्तरराष्ट्रीय वैश्य फेडरेशन द्वारा आयोजित दीपावली स्नेह मिलन समारोह में दीपावली सजावट में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले प्रतिष्ठानो को सम्मानित किया। राज्यपाल बागडे ने इस दौरान कहा कि वैश्य समाज नहीं संस्कृति है। राष्ट्र की अर्थव्यवस्था में वैश्य समाज का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने व्यावसायिक संस्थानों को सार्वजनिक सरोकार रखते हुए परोपकार के कार्यों में भी निरंतर सहयोग करने का आह्वान किया। राज्यपाल बागडे ने स्वदेशी उत्पादों को उपयोग में लेने, %आत्म निर्भर% भारत के लिए काम करने पर जोर दिया। उन्होंने दीपावली को उजाले का पर्व बताते हुए कहा कि घर, परिवार और समाज में उमंग और उत्साह के लिए सब मिलकर कार्य करें।

कार्यकारिणी समिति की (चतुर्थ) बैठक सम्पन्न

सेन्ट्रल पार्क का नाम "भैरोसिंह शेखावत मेमोरियल पार्क" के नामकरण के संबंध में ध्वनिमत से प्रस्ताव हुआ पारित

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। नगर निगम ग्रेटर की कार्यकारिणी समिति (चतुर्थ) की विशेष बैठक महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यालय स्थित पं0 दीनदयाल उपाध्याय सभागार में आयोजित की गयी। जिसमें समिति के सदस्य, आयुक्त डॉ. गौरव सैनी, अतिरिक्त आयुक्त नरेन्द्र कुमार बंसल सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी मौजूद रहे। बैठक में कुल 73 प्रस्ताव एवं अन्य अतिरिक्त प्रस्ताव रखे गये जिसमें से अधिकांशत प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित किये गये। बैठक में महापौर ने कहा कि समयबद्ध रूप से 7 नवम्बर से पहले वार्डो के विकास कार्यो को पूर्ण किया जावे ताकि जनता को राहत प्रदान की जा सके। महापौर ने कहा कि संस्थाओं से संबंधित प्रस्तावों को सशर्त पारित किया गया कि सौन्दर्यकरण, रख-रखाव आदि का कार्य संबंधित संस्था द्वारा किया जायेगा। बैठक में विकास कार्यो की समीक्षा सहित भवनों, सर्किल, उद्यानों, मार्गो, चौराहों, निर्माणधीन स्पोर्टस कॉम्पलेक्स के नामकरण, नगर निगम के अधिकारियों कर्मचारियों की पदोन्नति, स्थायीकरण, सहित विकास कार्यो की समीक्षा, ऊर्जा बचत परियोजना के तहत कार्यो के बारे में कार्यकारिणी समिति के सदस्यों से विचार-विमर्श कर प्रस्ताव पारित किये गये। अतिरिक्त प्रस्तावों के अन्तर्गत लक्ष्मी मंदिर तिराहे पर लगी हुई मूर्तियों में लाल बहादुर शास्त्री जी भी मूर्ति लगाने हेतु प्रस्ताव रखा गया जिसे ध्वनिमत से पारित किया गया। इसके साथ ही रविन्द्र मंच के पास निर्माणाधीन कॉम्पलेक्स का नाम डॉ. बलिराम हेडगेवार स्पोर्टस एकेडमी के नाम से नामकरण की स्वीकृति हेतु प्रस्ताव को ध्वनिमत से पारित किया गया। सेन्ट्रल पार्क का नाम "भैरोसिंह शेखावत मेमोरियल पार्क" के नाम से नामकरण के सम्बन्ध में ध्वनिमत से पारित किया गया। पाथेय भवन तक जाने वाले मार्ग का नाम पत्रकार माणक जी मार्ग के नाम से करने का प्रस्ताव पारित किया गया। डबल स्टोरी भवन योजना सेक्टर 8 विद्याधर नगर उद्यान का नाम महावीर चक्र से सम्मानित महाराजा ब्रिगेडियर सवाई भवानी सिंह जी पार्क के नाम से नामकरण की स्वीकृति दी गई।

इसके अतिरिक्त अन्य नामकरण, पदोन्नति, स्थाईकरण एजेण्डों पर चर्चा की गई जिसे समिति सदस्यों द्वारा बहुमत से पारित किया गया।

शहरी सेवा शिविर- 2025; पुनः फॉलोअप शिविर

जोन कार्यालयों पर आयोजित होगे फॉलोअप शिविर

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। राज्य सरकार के निर्देशों की अनुपालना में नगर निगम ग्रेटर द्वारा फॉलोअप शिविर कार्यक्रम जारी किया गया है। 03 नवम्बर से 07 नवम्बर 2025 तक फॉलोअप शिविर जोन कार्यालयों पर आयोजित किये जायेगे जिसके प्रभारी अधिकारी संबंधित जोन उपायुक्त होगे। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि राज्य सरकार के निर्देशों की अनुपालना में जोनवाईज 03 नवम्बर से 07 नवम्बर 2025 तक फॉलोअप शिविर संबंधित जोन कार्यालयों पर आयोजित किये जायेगे। इन सभी कैम्पों में आमजन से जुड़ी हुई विभिन्न समस्याओं का एक ही स्थान पर समाधान किया जायेगा। पूर्व में भी 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर 2025 तक शहरी सेवा शिविर आयोजित किये गये थे। यदि कोई व्यक्ति समस्यानिस्तारण हेतु शिविरों में नहीं आ पाया हो तो इन शिविरों के माध्यम से अपनी समस्याओं का निस्तारण करवा सकता है। शहरी सेवा शिविर-2025 के तहत पुनः फॉलोअप शिविर यहाँ लगाये जायेंगे = 03 नवम्बर 2025 को मानसरोवर जोन में कार्यालय मानसरोवर जोन सैक्टर 09 गोखले मार्ग, शिप्रा पथ रोड़ मानसरोवर में आयोजित किये जायेंगे। 04 नवम्बर 2025 को सांगानेर जोन में सामुदायिक केन्द्र सांगानेर में आयोजित किये जायेंगे।

05 नवम्बर 2025 को मुरलीपुरा जोन में कार्यालय मुरलीपुरा जोन मुरलीपुरा सब्जी मण्डी के पास आयोजित किये जायेंगे। 06 नवम्बर 2025 को विद्याधर नगर जोन में कार्यालय विद्याधर नगर जोन अम्बाबाडी सामुदायिक केन्द्र आयोजित किये जायेंगे। 06 नवम्बर 2025 को जगतपुरा जोन के कार्यालय जगतपुरा जोन नन्दपुरी अन्डरपास आयोजित किये जायेंगे। 07 नवम्बर 2025 को मालवीय नगर जोन के कार्यालय मालवीय नगर जोन (गैराज परिसर) आयोजित किये जायेंगे। 07 नवम्बर 2025 को झोटवाड़ा जोन के कार्यालय झोटवाड़ा जोन तारा नगर-डी खिरणी फाटक में आयोजित किये जायेंगे।

अनुभव और अध्ययन से ही आता है पत्रकारिता कौशल

हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय में विशेष व्याख्यान आयोजित

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। हरिदेव जोशी पत्रकारिता और जनसंचार विश्वविद्यालय, जयपुर में शनिवार को एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। पत्रकारिता और जनसंपर्क- एक अंतर्सम्बंध विषय पर आयोजित इस व्याख्यान में मुख्यमंत्री जनसंपर्क प्रकोष्ठ के उप-निदेशक विवेक जादौन मुख्य वक्ता रहे। इस दौरान संचार में पारंगत होने के लिए मूलभूत व्यावहारिक जरूरतों के बारे में जादौन ने विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता कौशल अनुभव और अध्ययन से आता है। कार्यक्रम का संचालन करते हुए विश्वविद्यालय के अकादमिक एवं प्रशासनिक समन्वयक डॉ. रतन सिंह शेखावत ने विवेक जादौन की शैक्षणिक एवं पेशेवर उपलब्धियों के बारे में जानकारी दी। कुलगुरु प्रो. नंद किशोर पांडेय ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि विवेक जादौन जैसे अनुभवी और कुशल मीडिया प्रोफेशनल्स से विद्यार्थियों को प्रेरणा मिलती है। अपने संबोधन में जादौन ने कहा कि केवल बड़े नामों या एंकर्स को देखकर आकर्षित होने के बजाय अपने लिए बड़ा दायरा तय करना चाहिए। बदलते तकनीक के दौर में अपने आपको जरूरत के मुताबिक ढालने की आवश्यकता भविष्य के संचारकों को होगी। एआई के बढ़ते उपयोग पर उन्होंने कहा कि एआई को असिस्टेंट बनाएं अपना गाइड नहीं। कुलसचिव डॉ. सत्येंद्र बसवाल ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

न्यूज विंडो

आरएफडब्ल्यूटीआइ में वन संरक्षण एवं प्रबंधन पर पांच दिवसीय वार्षिक पुनश्चर्या प्रशिक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान वानिकी एवं वन्यजीव प्रशिक्षण संस्थान (आरएफडब्ल्यूटीआई) द्वारा क्षेत्रीय वन अधिकारी प्रथम एवं द्वितीय के लिए पांच दिवसीय वार्षिक पुनश्चर्या प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 27 से 31 अक्टूबर तक जयपुर स्थित आरएफडब्ल्यूटीआई के परिसर में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य विषय रहा। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक उदय शंकर ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि वन संसाधनों का संरक्षण केवल विभाग की नहीं, बल्कि समाज की भी सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों से अपेक्षा की कि वे आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक प्रबंधन के माध्यम से संरक्षण कार्यों को और प्रभावी बनाएं। पांच दिवसीय प्रशिक्षण में विभाग के कार्यरत एवं सेवानिवृत्त दक्ष अधिकारियों ने वन्यजीव संरक्षण, जैव विविधता, वनों की निगरानी, अवैध कटाई की रोकथाम एवं सामुदायिक सहभागिता जैसे विषयों पर विस्तारपूर्वक जानकारी दी। समापन सत्र में प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए तथा प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को फील्ड कार्यों में उपयोग कर वन प्रबंधन को सुदृढ़ बनाने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रशिक्षण संस्थान के अधिकारी एवं कार्मिक भी उपस्थित रहे।

कॉर्पोरेट स्टाइल में काम करने वाला बदमाश गिरफ्तार

इंटरव्यू लेकर गैंग में सदस्यों को करता था शामिल, जागरण में घर आया तो ज्ञ्जस्-हज्जस्न टीम ने दबोचा

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान ज्ञ्जस्-हज्जस्न की टीम ने आज संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए 25 हजार रुपए का शातिर इनामी बदमाश गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ बाड़मेर और राजस्थान के कई जिलों में एफआईआर दर्ज हैं। आरोपी घारिया गैंग और उसके बाद केशर कालवी ग्रुप बनाकर अपराधों के ठेके लेता था। गैंग में इंटरव्यू लेकर सदस्य चुने जाते थे। आरोपी जागरण के कार्यक्रम में अपने घर आया हुआ था। इस दौरान दबिश देकर आरोपी को धर-दबोचा गया। एटीएस की टीम ने आरोपी को बाड़मेर पुलिस के सुपुर्द कर दिया है। आईजी विकास कुमार ने बताया- आरोपी अजय सिंह उर्फ अर्जुन सिंह पुत्र सवाई सिंह निवासी दूधवाखुर्द, पुलिरा थाना चौहटन, बाड़मेर का हैं। आरोपी के खिलाफ कई थानों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। मूल रूप से फाइनेंस कंपनियों के लिए रिकवरी,मारपीट, लूटपाट,शराब तस्करी करता हैं। पिछले 6 साल से आरोपी ने अपने इलाके में दहशत मचा रखी थी। पुलिस जब आरोपी के पीछे लगी तो अलग-अलग जगहों पर शरण ली,जिससे वह पुलिस से बचता रहा। आरोपी पर बाड़मेर एसपी ने 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया हुआ था। कॉर्पोरेट स्टाइल में आपराधिक गैंग बदमाश अजय सिंह ने रंगदारी और कब्जे करने को बिल्कुल कॉर्पोरेट स्टाइल में धंधा चला रखा था। पहले घारिया गैंग और उसके बाद केशर कालवी ग्रुप बनाकर अपराधों के ठेके लेता था। गैंग में इंटरव्यू लेकर सदस्य चुने जाते थे। वर्तमान में गैंग में कुल 64 सदस्य हैं, जिनमें कई कुख्यात इनामी बदमाश है। गैंग मारपीट का बदला लेना, भूखंडों पर कब्जा कराने और फाइनेंस कंपनी के वाहन जब्त करने जैसे कामों की प्री-बुकिंग कर एडवांस पेमेंट लेकर काम करता था। एडवांस पेमेंट के बाद गैंग के अलग-अलग शाखाओं को कमीशन पर काम देकर कराया जाता था। साल 2023 में एक मुकदमे का वारंट लेकर पाली पुलिस के एक कॉन्स्टेबल का घर आना भी अपराधी अजय को इतना नागवार गुजरा कि उसने सिपाही की हत्या का प्रयास कर डाला और पीट-पीटकर उसे अधमरा कर दिया था।

राजस्थान में साइबर क्रिमिनल्स भेज रहे शादी का कार्ड

लिंक पर क्लिक करते ही मोबाइल हैक, जानिए- कैसे इस फ्रॉड से बच सकते

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। साइबर क्रिमिनल्स की ओर से शादियों के सीजन में फ्रॉड का नया तरीका निकाला गया है। साइबर क्रिमिनल्स की ओर से शादी का ई-इनविटेशन सोशल मीडिया पर भेजा रहा है। फेक इनविटेशन लिंक को क्लिक करते ही मोबाइल हैक के साथ प्राइवेट-बैंकिंग डाटा चुरा रहे हैं। राजस्थान पुलिस की साइबर क्राइम ब्रांच ने आमजन को फ्रॉड से बचाने के लिए एडवाइजरी जारी की है। डीआईजी (साइबर क्राइम) विकास शर्मा ने बताया- शादी-विवाह के सीजन में साइबर ठगों ने फ्रॉड के लिए नया पैंतरा अपनाया है। साइबर फ्रॉड के लिए सोशल मीडिया, वॉट्सएप और ई-मेल के जरिए ई-निमंत्रण (इनविटेशन) व गिफ्ट लिंक भेजे जा रहे हैं। ई-इनविटेशन के नाम पर एक फेक .ड्डश्चद्म फाइल भेजते हैं। इसका नाम अक्सर आमंत्रण.ड्डश्चद्म होता है, जिसे सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है। यूजर जैसे ही शादी के आमंत्रण या लोकेशन लिंक समझकर इस पर क्लिक करते हैं। यह एप्लिकेशन मोबाइल में इंस्टॉल हो जाता है। यह कोई नॉर्मल एप नहीं बल्कि एक बैकडोर मैलवेयर है, जो डिवाइस को हैक कर लेता है। एक बार इंस्टॉल होने के बाद यह मैलवेयर चुपके से स्र्द्बह्य (टैक्स मैसेज), कॉन्टैक्ट लिस्ट, कैमरा और फाइल एक्सेस जैसी संवेदनशील अनुमतियां प्राप्त कर लेता है। इसके बाद यह गुप्त रूप से यूजर की व्यक्तिगत जानकारी, बैंकिंग डिटेल्स, ओटीपी और पासवर्ड को एकत्रित करना शुरू कर देता है। साइबर क्रिमिनल्स इसी चोरी किए गए डेटा का यूज करके बड़े पैमाने पर फ्रॉड को अंजाम दे रहे हैं। इससे आमजन की गाढ़ी कमाई खतरे में पड़ रही है।

राजस्थान में कॉमर्शियल सिलेंडर के दाम घटे

कंपनियों ने सिलेंडर पर की 5 रुपए की कटौती; घरेलू सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। देशभर में महंगाई के बीच आम लोगों के लिए राहत भले नहीं आई हो, लेकिन होटलों, रेस्टोरेंट्स और कॉमर्शियल गैस का इस्तेमाल करने वालों के लिए एक छोटी सी राहत जरूर मिली है। पेट्रोलियम कंपनियों ने शनिवार से कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में कटौती की है। हालांकि घरेलू गैस सिलेंडर के दामों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। कंपनियों ने कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 5 रुपए की कमी की है। यह नई दरें शनिवार से लागू हो चुकी हैं। बता दें कि कंपनियां हर महीने की पहली तारीख को एलपीजी सिलेंडर की कीमतों की समीक्षा करती हैं। 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर पर 5 रुपए सस्ता राजस्थान एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटर्स एसोसिएशन के प्रदेशाध्यक्ष दीपक गहलोत ने बताया कि कंपनियों की ओर से जारी रेट लिस्ट के मुताबिक राजस्थान में शनिवार से 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर पर 5 रुपए कम करने के बाद 1623.50 रुपए की जगह 1618.50 रुपए में मिलेगा। जबकि पिछले महीने कंपनियों ने कॉमर्शियल सिलेंडर की कीमतों पर 15 रुपए बढ़ाए थे। इससे पहले कंपनियों से सितंबर में कॉमर्शियल गैस पर 51 रुपए कम किए थे। जबकि अगस्त में 34 रुपए प्रति सिलेंडर, जुलाई में 58 रुपए की कमी की थी। इस पूरे साल की बात करें तो कंपनियों ने मई में 24.50 रुपए, अप्रैल में 40.50 रुपए, जनवरी में 14.50 रुपए और फरवरी में 6 रुपए की कटौती की थी।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रदीप लोढ़ा द्वारा एफ बी-3, करतारपुरा इंडस्ट्रियल एरिया रोड नंबर-4, जयपुर से मुद्रित एवं जी 1, एफ ब्लॉक गणपति एनक्लेव अजमेर रोड जयपुर से प्रकाशित। फोन (0141) 2220403, 4373125,8824399949 संपादक - प्रदीप लोढ़ा, प्रबंध संपादक - वैभव लोढ़ा, जोधपुर कार्यालय -902, तीसरी ई रोड, सरदारपुरा, जोधपुर। फोन 2433621, अजमेर कार्यालय- पीली कोठी, जयपुर गोल्डन, जयपुर रोड, अजमेर।

हुक्मनामा समाचार

जयपुर, रविवार 02 नवम्बर, 2025

सम्पादकीय...

ए आई में कमजोर प्रदर्शन

बीते 3 वर्षों में अमेरिका ताइवान जापान और चीन जैसे देशों में ए कंपनियों ने मार्केट कैप की वृद्धि में आधे से ज्यादा योगदान दिया है जिससे वैश्विक पूंजी तेजी से इन ए आई कंपनियों की तरफ आकर्षित हुई है लेकिन भारत के घरेलू बाजार की स्थिति अलग है यहां को बड़ी कंपनियों पर अभी भी पारंपरिक क्षेत्र का कब्जा है जिसकी वजह से विकास दर की गति धीमी बनी हुई है। विशेषज्ञों के मुताबिक भारत ए वैल्यू चैन में एकीकृत होने में सफल रहा है जिसके कारण वैश्विक निवेशक में निवेश के लिए भारत से पूंजी बाहर निकाल रहे हैं इ सी के चलते भारत में शेयर मार्केट कई बार धड़ाम से नीचे आ जाता है।

कोटक सिक्योरिटीज की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका चीन जापान दक्षिण कोरिया और ताइवान जैसे प्रमुख देशों में ए आई से जुड़ी सूचीबद्ध कंपनियों ने पिछले तीन वर्षों में इन देशों के कुल मार्केट कैप से 14% मिल 58% तक का योगदान किया है अकेले ब्लूमबर्ग ए इंडेक्स पिछले 12 महीना में 48% और पिछले 6 महीने 67% ऊपर रहा है इसके विपरीत भारत में बाजार की अपेक्षाएं यहां केवल प्रति व्यक्ति आय विधि से प्रेरित उद्योग विकास की उम्मीद पर टिकी है। इसके विपरीत भारत में बाजार की अपेक्षाएं यहां केवल प्रति व्यक्ति आय वृद्धि से प्रेरित उद्योग विकास की उम्मीद पर टिकी है बाजार के विश्लेषण से पता चला है कि इन शीर्ष भारतीय कंपनियों में से अधिकांश ने पिछले तीन वर्षों में राजस्व में मामूली और लाभ में मध्यम दर्ज की वृद्धि दर्ज की है जबकि वे सभी भी उच्च मूल्यांकन का लाभ ले रही है। बाजार की रिपोर्ट के अनुसार भारत को विदेशी पूंजी के प्रवाह में वृद्धि से शायद बहुत अधिक लाभ न मिले इसकी वजह वैश्विक ए वैल्यू चैन में भारत के एकीकरण की कमी और भारत के अधिकांश क्षेत्रों और स्टॉक की उच्च मूल्यांकन हो सकते हैं भारत ए आई थीम से प्रेरित वैश्विक पूंजी प्रवाह के लिए एक संभावित फंडिंग बाजार बन गया है इसीलिए निवेशक ए आई में पैसा लगाने के लिए भारत से पैसा निकाल रहे हैं।

वैभव लोढ़ा...

इतिहास में आज

1834–एटलस नाम का जहाज भारतीय मजदूरों को लेकर मॉरिशस पहुंचा था जिसे वहां अप्रवासी दिवस के रूप में मनाया जाता है।

1936–दुनिया के पहले हाईडेफिनेशन टेलीविजन कार्यक्रम का प्रसारण बीबीसी ने किया।

2007–अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर ख़राब सोलर पंखों को ठीक करने के बाद डिस्कवरी के यात्री धरती पर सुरक्षित लौटे।

2008–केन्द्र सरकार ने सेवानिवृत्त के बाद पेंशन फंड से धन निकालने की सुविधा समाप्त की।

-धर्म चंद मेहता

क्रॉस फायर

❑ **मोदी ने कहा जो अंग्रेज ना कर पाए कांग्रेस ने कर दिखाए।**

◆ जो बोल दे सही है।

❑ **खड़गे बोले आरएसएस पर बेन लगे सरदार पटेल ने यही किया था।**

◆ उनके मंशा को बीजेपी थोड़ी पूरा करेगी।

❑ **राहुल गांधी बोले इंदिरा जी ने हमें सिखाया भारत के स्वाभिमान से बढ़कर कुछ नहीं।**

◆ देश को बेचने वालों का क्या है।

❑ **बिहार में एनडीए का घोषणा पत्र जारी एक करोड़ नौकरी का किया वादा।**

◆ नौकरी जाएगी नहीं यही गारंटी ले लें बहुत है।

❑ **क्रिकेटर अज़हरुद्दीन तेलंगाना सरकार में मंत्री बने।**

◆ देखते हैं कैसी बैटिंग करते हैं।

❑ **डोटासरा बोले राजस्थान को बीजेपी आरएसएस ने केंद्र शासित प्रदेश बना दिया।**

◆ सारे फैसले दिल्ली से।

❑ **मुख्यमंत्री भजनलाल बोले प्रदेश के विकास में प्रवासी राजस्थानियों के योगदान को मिलेगा बढ़ावा।**

◆ पहले अफसर शाही को कंट्रोल करो।

❑ **जयपुर में हाई कोर्ट को बम से उड़ने की धमकी।**

◆ धमकी से ही तारीख बदल गई।

..............अंजू लोढ़ा

आज का राशिफल

रविवार 02 नवम्बर, 2025

मेष राशि: नियति आज आप पर मेहरबान है। भाग्य आपका प्रबल है। भाग्य का साथ पाकर कर्म करें तो लाभ का अनुपात दोगुना हो सकता है। गृहस्थ जीवन में सुख-शांति रहेगी।

वृषभ राशि: आज महत्वपूर्ण निर्णय लेने से पहले विचार अवश्य करें या फिर किसी भरोसेमंद व्यक्ति की सलाह लें। तेज गति से वाहन न चलाएं साथ ही तेज गति के वाहन से बचकर चलें।

मिथुन राशि: अपने जीवन-साथी की राय को महत्व दें। व्यापार-व्यवसाय और कार्यक्षेत्र में लाभ होगा। उच्चस्तरीय एवं सहयोगी व्यक्तियों से भेंट लाभाकरी रहेगी। चित्त शुद्ध रहेगा तथा अच्छे विचारों से मन प्रसन्न रहेगा।

कर्क राशि: आज आपके शत्रु आपसे दूर भागेंगे। जद्दोजहद एवं परिश्रम से आप सफलता के शिखर तक पहुंच सकेंगे। बेरोजगारों को रोजगार की प्राप्ति में सफलता मिलेगी। सामाजिक रूप से सम्मान और प्रसिद्धि भी प्राप्त कर सकेंगे।

सिंह राशि: आज आपकी बुद्धि एवं कल्पनाशक्ति का विकास होगा। संतान पक्ष से कोई अच्छा समाचार मिलने से आपको प्रसन्नता होगी। मन प्रफुल्लित रहेगा और कार्य में मन लगेगा।

कन्या राशि: आज का दिन मध्यम फलदायी होगा। आज मुलाकात किसी विपरीत मानसिक विचारों वाले व्यक्ति से हो सकती है, सचेत रहें। वाणी पर संयम आपको वाद-विवाद से बचा सकता है।

तुला राशि: आज युवाओं को कारोबार और नौकरी की तलाश में सफलता मिलेगी। कार्यस्थल पर अधिकारी सहायता करेंगे। आज सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी। पराक्रम में वृद्धि के योग हैं।

वृश्चिक राशि: ग्रह-नक्षत्र संकेत दे रहे हैं कि आज आपके सितारे उत्कर्ष पर हैं। धन व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सभी कार्य मन के अनुकूल होने पर प्रसन्नता रहेगी।

धनु राशि: आज आपके सभी कार्य पूर्ण होंगे। बिजनस संबंधित यात्रा लाभप्रद रहेगी। सुख, आनंद, और रोग मुक्ति के योग बन रहे हैं। प्रतिष्ठित व्यक्तियों से सम्मान एवं लाभ प्राप्त होगा।

मकर राशि: आज का दिन मिश्रित फलदायी होगा। नई योजनाओं पर अल्पविराम लगाएं। कार्यों में विघ्न-बाधाओं के संकेत प्राप्त हो रहे हैं। अत्यधिक व अनावश्यक खर्च से बचें।

कुम्भ राशि: आज का दिन शुभ फलदायी होगा। व्यक्तिगत व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। जिस किसी से आप मिलेंगे उसके स्वभाव में विनम्रता, मधुरता तथा मेल-जोल की झलक दिखाई देगी।

मीन राशि: आज कार्य की प्रबलता रहेगी। जीवन के प्रति आज आपकी सकारात्मक सोच नई उपलब्धि दिलवा सकती है। किसी से पहली बार मुलाकात लाभदायक रहेगी।

राजेन्द्र गुप्ता
ज्योतिषी और हस्तरेखाविद, मो. 9611312076

नोट- अगर आप अपना भविष्य जानना चाहते हैं तो दिए गए मोबाइल नंबर पर कॉल करके या इसी व्हाट्स एप नम्बर पर मैसेज भेजकर पहले शर्तें जान लेवें, इसी के बाद अपनी बर्थ डिटेल और हैंडप्रिंट्स भेजें।

घोषणा-पत्र : लोकतंत्र का सशक्त हथियार या चुनावी छलावा?

ललित गर्ग

बिहार विधानसभा चुनाव में दोनों ही गठबंधनों ने बढ़-चढ़कर लोकलुभावनी और जनता को आकर्षित या गुमराह करने वाली घोषणाओं से जुड़े चुनावी घोषणा पत्र जारी किए हैं। इन घोषणा पत्रों में जिस तरह की घोषणाएं की गई हैं, वे निश्चित रूप से अतिशयोक्तिपूर्ण हैं। यह प्रश्न अब गंभीर हो गया है कि क्या घोषणा पत्र लोकतंत्र के महाकुंभ यानी चुनाव का सबसे सशक्त हथियार बन चुके हैं या चुनावी छलावा? निश्चित ही यह जनता को रिझाने और प्रभावित करने का प्रमुख माध्यम बन गया है, परंतु सत्ता में आने के बाद कितने राजनीतिक दलों ने अपने घोषणा पत्रों का अक्षरशः पालन किया है, यह बड़ा सवाल है। वास्तव में घोषणा पत्र किसी दल का दृष्टिपत्र होता है, जो उसके विचारों, उद्देश्यों और संकल्पों का सार्वजनिक दस्तावेज है। यह बताता है कि दल सत्ता में आने के बाद राज्य या देश की दिशा कैसी तय करना चाहता है, किन मूलभूत समस्याओं का समाधान करना चाहता है और विकास की कौन सी राह पर चलना चाहता है। घोषणा पत्रों में किए गए वादों को लेकर परस्पर विरोधी दलों में आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तो छिड़ता है, लेकिन उन्हें लेकर वैसी सार्थक बहस नहीं हो पाती, जैसी विकसित देशों में होती है और जिसके आधार पर वहां स्वस्थ जनमत तैयार करने में मदद मिलती है। हैरानी नहीं कि अपने यहां चुनावी घोषणा पत्र अपनी महत्ता खोते जा रहे हैं। लोकतंत्र में घोषणा पत्र की भूमिका अत्यंत महत्त्वपूर्ण है, क्योंकि यह मतदाताओं के लिए जानकारी और निर्णय का आधार बनता है। मतदाता यह जान सकते हैं कि कौन-सा दल किस विषय पर क्या सोचता है, उसकी प्राथमिकताएं क्या हैं और वह किन वर्गों के कल्याण के लिए क्या योजनाएं रखता है। यह राजनीतिक दलों की जनता के प्रति सार्वजनिक प्रतिज्ञा होती है, एक तरह की जवाबदेही का प्रतीक। लेकिन दुर्भाग्य से भारतीय लोकतंत्र में यह जवाबदेही सिर्फ कागजों पर ही रह गई है। अधिकांश दल चुनाव जीतने के बाद घोषणा पत्रों को भूल जाते हैं। मतदाता भी अपने वोट के बदले वादों की पूर्ति का हिसाब नहीं मांगते। परिणामस्वरूप घोषणा पत्र एक औपचारिकता और दिखावे का माध्यम बनकर रह गए हैं। इतिहास पर नजर डालें तो अधिकांश घोषणाओं का पालन आधा-अधूरा ही हुआ है। राजस्थान में पिछली सरकार ने अपने घोषणा पत्र के लगभग 64 प्रतिशत वादे पूरे किए, जबकि कर्नाटक में सिर्फ तीन प्रतिशत वादे ही पूरे हुए। यह आंकड़े बताते हैं कि घोषणा पत्र को गंभीरता से न तो दल लेते हैं, न जनता। यह स्थिति लोकतंत्र की आत्मा के विपरीत है, क्योंकि लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि जनता अपने प्रतिनिधियों से सवाल करे और जवाब मांगे। घोषणा पत्रों की एक बड़ी समस्या यह है कि उनमें की गई घोषणाएं वित्तीय दृष्टि से असंभव होती हैं। जनता को खुश करने के लिए ऐसे वादे किए जाते हैं जिनके लिए न तो संसाधन हैं, न कोई ठोस योजना। कोई कानूनी प्रावधान भी नहीं है कि दल अपने वादे पूरे न करने पर जवाबदेह बने। यही कारण है कि चुनाव के बाद घोषणाएं भुला दी जाती हैं। बिहार चुनाव के संदर्भ में देखें तो एनडीए और महागठबंधन दोनों ने अत्यधिक आकर्षक और लोकलुभावन वादों से भरे घोषणा पत्र जारी किए हैं। एनडीए ने अपने 'संकल्प पत्र' में एक करोड़ नौकरियों का वादा किया है, महिलाओं को दो लाख रुपये तक की सहायता, हर जिले में कौशल केंद्र, किसानों के लिए नौ हजार रुपये वार्षिक सम्मान निधि और सात नए एक्सप्रेस-मार्गों के निर्माण की बात कही है। वहीं महागठबंधन ने अपने 'तेजस्वी प्रण' में प्रत्येक परिवार को सरकारी नौकरी देने, महिलाओं को ढाई हजार रुपये मासिक सहायता, पच्चीस लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा, दो सौ यूनिट मुफ्त बिजली, किसानों को समर्थन मूल्य की गारंटी और मंडियों की बहाली जैसे बड़े वादे किए हैं। दोनों घोषणाओं में एक बात समान है- वे अत्यधिक महत्त्वाकांक्षी और जन-लोभक हैं। नौकरियों, मुफ्त बिजली, नकद सहायता और भारी निवेश की घोषणाएं सुनने में तो आकर्षक लगती हैं, पर इनकी व्यावहारिकता संदिग्ध है। बिहार जैसे राज्य में, जहां संसाधन सीमित हैं और रोजगार की स्थिति जटिल है, इन वादों को लागू करना आसान नहीं है। घोषणाओं में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इतने बड़े खर्चों का वहन कैसे होगा, कौन-से विभाग या योजनाएं इनका संचालन करेंगे और कब तक परिणाम दिखेंगे। इन घोषणा पत्रों में जनकल्याण की भावना अवश्य है, परंतु वह यथार्थ से अधिक कल्पना पर आधारित लगती है। बिहार की वास्तविक समस्याएं- शिक्षा, स्वास्थ्य, प्रवासी मजदूर, कृषि संकट, रोजगार और उद्योगों का अभाव, इनका समाधान केवल लोकलुभावन वादों से नहीं होगा। आवश्यक है कि दल घोषणाएं करने से पहले उनकी वित्तीय और प्रशासनिक व्यवहार्यता का गंभीर अध्ययन करें। राजनीति में घोषणा पत्रों का उपयोग अब एक चुनावी हथियार के रूप में हो रहा है, न कि जनसेवा की प्रतिबद्धता के रूप में। मतदाता को भी जागरूक होना होगा कि वे केवल वादों से प्रभावित न हों, बल्कि यह जानने की कोशिश करें कि पिछले चुनावों में किए गए वादों में से कौन-से पूरे हुए। मीडिया और सामाजिक संस्थाओं को भी यह दायित्व निभाना चाहिए कि वे चुनावों के बाद घोषणाओं की निगरानी करें, ताकि दल जवाबदेह बने। घोषणा पत्र तभी सार्थक होंगे जब उनमें किए गए वादे मापनीय, समयबद्ध और संसाधन-सिद्ध हों। दलों को चाहिए कि वे घोषणाओं को नारेबाजी के बजाय ठोस योजनाओं में बदलें। यह भी आवश्यक है कि चुनाव आयोग इस दिशा में कोई नीति बनाए ताकि असंभव और अव्यावहारिक वादों से जनता को भ्रमित न किया जा सके। ऐसे में विमर्श का विषय यह है कि क्या हमें यह सुनिश्चित नहीं करना चाहिए कि चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के द्वारा चुनावी घोषणा-पत्र में किए गए वादे को वास्तविक रूप में पूरी तरह से लागू किया जाए? दरअसल चुनावी घोषणा-पत्र अनिवार्य रूप से उन नीतियों की एक सूची है जो एक राजनीतिक दल के द्वारा चुनाव के समय जनता के समक्ष अपने इरादों, उद्देश्यों या विचारों को चुनावी घोषणा-पत्र के रूप में प्रकाशित करती है। मतदान के बाद यदि वह पार्टी सत्ता में आती है तो उन नीतियों पर काम करेगी, ऐसा इसमें कहा जाता है। प्रत्यक्ष रूप से यह चुनाव घोषणा-पत्र एक विजन डाक्यूमेंट है। इसलिए यह घोषणा-पत्र वैधानिक और कानूनी रूप से लागू करने वाला एक योग्य दस्तावेज बनना चाहिए।

प्रोफेसर रामदरश मिश्र का हिन्दी साहित्य में योगदान

- महेन्द्र तिवारी

प्रो. रामदरश मिश्र का निधन हिंदी साहित्य जगत के लिए एक अत्यंत बड़ी क्षति है, जिससे एक लंबे साहित्यिक अध्याय का भावपूर्ण अंत हो गया है. मिश्र जी ने कविता, कहानी, उपन्यास, संस्मरण, एवं आलोचना के क्षेत्र में अमूल्य योगदान दिया था, और ग्रामीण जीवन, सरलता, तथा मानवीय संवेदना की गहराइयों को अपनी रचनाओं में अभिव्यक्ति दी। रामदरश मिश्र का जन्म 15 अगस्त 1924 को उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के डुमरी गाँव में हुआ था। एक साधारण ग्रामीण परिवार में जन्मे मिश्र जी ने कठिन परिस्थितियों में शिक्षा प्राप्त की और आगे चलकर हिन्दी जगत के शीर्ष शिक्षाविदों में स्थान पाया। उन्होंने काशी हिन्दू विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की, और फिर गुजरात विश्वविद्यालय, सायाजीराव गायकवाड़ विश्वविद्यालय तथा दिल्ली विश्वविद्यालय में अध्यापन किया।

1964 से 1990 तक दिल्ली विश्वविद्यालय में हिन्दी विभाग के प्रोफेसर के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने असंख्य विद्यार्थियों को न केवल भाषा और साहित्य का ज्ञान दिया, बल्कि जीवन-दृष्टि भी दी। उनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि ने उन्हें गहराई दी, पर उनकी रचनात्मक चेतना सदैव लोकजीवन से जुड़ी रही। मिश्र जी का लेखन बहुआयामी है। उन्होंने कविता, कहानी, उपन्यास, आलोचना, संस्मरण, आत्मकथा और निबंध—हर विधा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनकी कविताओं में जीवन का संगीत बहता है। वे किसी 'वाद' या 'आंदोलन' के कवि नहीं थे, बल्कि वे जीवन के कवि थे। उनकी कविताएँ ग्रामीण परिवेश, मानवीय संबंधों, प्रकृति और आंतरिक संवेदना के सौंदर्य को बड़ी सरल भाषा में व्यक्त करती हैं। वे आम आदमी के दुख-दर्द, आशा और संघर्ष को बिना किसी कृत्रिमता के इस तरह रचते थे कि पाठक को लगता है मानो यह उसका ही अनुभव है।

उनकी प्रसिद्ध पंक्तियाँ — 'बनाया है मैंने ये घर धीरे-धीरे, खुले मेरे ख़्वाबों के पर धीरे-धीरे'— न केवल उनके काव्य का सार प्रस्तुत करती हैं बल्कि उनके जीवन-दर्शन को भी उजागर करती हैं। वे धीरे-धीरे, सादगी और सच्चाई के साथ जीवन को गढ़ने में विश्वास रखते थे। उनकी कविता संग्रह 'पक गई है धूप', 'कंधे पर सूरज', 'बारिश में भीगते बच्चे' जैसे शीर्षक ही यह संकेत देते हैं कि वे जीवन के हर क्षण में रोशनी और आशा खोजते हैं। उनके यहाँ दुख भी सौंदर्य का हिस्सा है, और संघर्ष भी जीवन का उत्सव। वे उस कवि परंपरा के उत्तराधिकारी हैं जहाँ कविता किसी आंदोलन की घोषणा नहीं बल्कि मनुष्य की आंतरिक यात्रा का साधन बनती है। रामदरश मिश्र का कथा-साहित्य भी उतना ही समृद्ध है। उनकी कहानियों और उपन्यासों में समाज का बदलता चेहरा, वर्गीय विभाजन, पारिवारिक जटिलताएँ और नैतिकता के प्रश्न एक साथ उपस्थित रहते हैं। वे समाज की विसंगतियों को नारे की तरह नहीं बल्कि संवेदना की गहराई से चित्रित करते हैं। उनके उपन्यास 'पानी के प्राचीर' और 'जल टूटता हुआ' में ग्रामीण जीवन के संघर्ष और आधुनिकता की टकराहट को जिस सजीवता से प्रस्तुत किया गया है, वह उन्हें मुंशी प्रेमचंद की परंपरा का आधुनिक संवाहक बनाता है। उनके पात्र अक्सर सीमित साधनों में भी जीवन की गरिमा बनाए रखते हैं—वे टूटते नहीं, झुकते नहीं, बल्कि संघर्ष के बीच अपने अस्तित्व को बचाए रखते हैं। यही मानवीय जिजीविषा रामदरश मिश्र के कथा-संसार का केंद्र है। सिर्फ सृजन ही नहीं, आलोचना के क्षेत्र में भी मिश्र जी ने हिन्दी साहित्य को नई दिशा दी। उन्होंने 'हिन्दी उपन्यास- एक अंतर्यात्रा', 'हिन्दी कहानी- अंतरंग पहचान' और 'हिन्दी कविता- आधुनिक आयाम' जैसी कृतियों के माध्यम से हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियों, उसके रूपांतरण और वैचारिक विकास का विश्लेषण किया। उनकी आलोचना में कठोरता नहीं, बल्कि सहानुभूति और समझ है। वे साहित्य को जीवन से जोड़कर देखते हैं। उनकी यह उक्ति—'साहित्य केवल शब्दों का खेल नहीं, यह जीवन का दर्पण है, जिसमें समाज के हर रंग-रूप की झलक मिलती है'—उनकी दृष्टि का सबसे सटीक सारांश है।

उन्होंने कभी साहित्य को केवल बौद्धिक उपक्रम नहीं माना, बल्कि उसे मानवीय अनुभूति का विस्तार समझा। मिश्र जी का लेखन भारतीय संस्कृति की जड़ों से पोषित है। वे परंपरा के विरोधी नहीं थे, पर अंधानुकरण के भी समर्थक नहीं। उन्होंने बार-बार यह कहा कि परंपरा को जड़ नहीं, बल्कि जीवनदायिनी शक्ति के रूप में देखना चाहिए। उनके यहाँ 'लोक' केवल विषय नहीं, जीवन का अभिन्न अंग है। वे ग्रामीण समाज की भाषा, बोली, गीत और रीति-नीति को सम्मान देते हैं, और उन्हें साहित्यिक गरिमा प्रदान करते हैं। उनकी रचनाएँ इस बात की गवाही देती हैं कि साहित्य तभी जीवित रहता है जब वह लोक से जुड़ा रहे। अपने दीर्घ रचनात्मक जीवन में उन्हें अनेक प्रतिष्ठित पुरस्कारों से सम्मानित किया गया—साहित्य अकादमी पुरस्कार, व्यास सम्मान, और पद्मश्री जैसे राष्ट्रीय अलंकरण उनके नाम हैं। लेकिन इन पुरस्कारों से भी बड़ी उनकी सादगी, उनकी विनम्रता और उनकी मनुष्यता है। वे हमेशा कहते थे कि 'सृजन केवल लिखना नहीं, जीना भी एक कला है।' यही कारण है कि उनके जीवन और लेखन में कोई भेद नहीं था—वे जैसे लिखते थे, वैसे ही जीते थे। रामदरश मिश्र की लेखनी ने हिन्दी साहित्य में वह सेतु निर्मित किया जो गाँव और शहर, परंपरा और आधुनिकता, पीढ़ियों और विचारों के बीच संवाद स्थापित करता है। उन्होंने दिखाया कि साहित्य न तो केवल विद्वानों का क्षेत्र है, न केवल विचारकों का; यह तो हर उस व्यक्ति का है जो महसूस करना जानता है। उनका साहित्य आज भी हमें यह सिखाता है कि सादगी में भी गहराई हो सकती है, और जीवन के छोटे-छोटे अनुभव भी बड़े अर्थ रख सकते हैं।

आज जब समाज तेज़ी से बदल रहा है, जब भाषा कृत्रिमता और बाज़ार के प्रभाव में अपने स्वाभाविकपन को खोती जा रही है, तब रामदरश मिश्र का साहित्य हमें उस असली धरती की याद दिलाता है जहाँ मनुष्य अपने अनुभवों की मिट्टी से कविता रचता है। उन्होंने हिन्दी साहित्य को केवल रचनाओं की संख्या नहीं दी, बल्कि एक ऐसी दृष्टि दी जो संवेदना को केंद्र में रखती है। उनका पूरा जीवन इस बात का प्रमाण है कि सच्चा लेखक वह है जो अपने समाज के प्रति ईमानदार रहे, अपने पाठक के प्रति उत्तरदायी रहे, और अपने भीतर की सच्चाई को शब्द दे सके। रामदरश मिश्र का योगदान हिन्दी साहित्य के लिए केवल रचनात्मक नहीं, बल्कि नैतिक और मानवीय भी है।

उन्होंने हिन्दी भाषा को एक नई आत्मा दी—जो सरल है पर गहरी, लोकमूलक है पर आधुनिक, व्यक्तिगत है पर सार्वभौमिक। उनके जाने से हिन्दी साहित्य ने अपना एक सच्चा प्रहरी खो दिया है, पर उनकी रचनाएँ आज भी जीवित हैं, क्योंकि उनमें जीवन की वह रोशनी है जो कभी बुझती नहीं। वे सचमुच हिन्दी साहित्य के 'जीवन-प्रकाश' हैं—एक ऐसा दीप जो हर पीढ़ी को यह याद दिलाता रहेगा कि साहित्य का अर्थ केवल शब्द नहीं, बल्कि मनुष्य की आत्मा का स्पंदन है।

संघ पर रोक लगाने की मांग एक फैशन बन गया है

बाल मुकुन्द ओझा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर एक बार फिर प्रतिबंध लगाने की बात कही है। इससे पूर्व उनके बेटे और कर्नाटक के आईटी मंत्री प्रियंक खरगे भी ऐसी ही बात कह चुके है। कांग्रेस के शीर्ष नेताओं द्वारा राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पर प्रतिबन्ध लगाने की मांग पर एकाएक ही देश की सियासत गरमा उठी है और परस्पर आरोप प्रत्यारोपों की राजनीति शुरू हो गई है। सियासी समीक्षकों का मानना है बिहार चुनावों के मधे नज़र कांग्रेस की ऐसी बेतुकी टिप्पणी पार्टी के लिए आत्मघाती हो सकती है, क्योंकि जब जब भी कांग्रेस सरकारों ने संघ पर प्रतिबन्ध लगाया है वह दुगुनी ताकत से उभरकर सामने आया। खरगे बाप और बेटे दोनों संघ के खिलाफ लगातार जहर उगलते रहे है, यह किसी से छिपा नहीं है।

हालांकि उन्होंने कहा कि मेरा व्यक्तिगत विचार है और मैं खुले तौर पर कहता हूं कि आरएसएस पर प्रतिबंध लगना चाहिए। सरदार पटेल का जिक्र करते हुए उन्होंने कही ये बात। कांग्रेस अध्यक्ष तो यहाँ तक कहते है वे मरने से पहले प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी को सत्ताच्युत करके रहेंगे। आरएसएस पर प्रतिबंध की मांग से जुड़े खरगे के बयान को आपत्तिजनक बताते हुए भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि उन्हें संघ के इतिहास के बारे में जानना चाहिए। गांधी जी की हत्या के बाद कपूर कमीशन ने आरएसएस को क्लीन चिट दी थी। भाजपा नेताओं ने पलटवार करते हुए कहा है, लोकतंत्र में असहमति पर पूरे देश को जेलखाना बना देने वाली यह कांग्रेसी मानसिकता द्वारा संघ पर प्रतिबंध लगाने की बात करना कोई पहला अवसर नहीं है। पहले भी इन लोगों ने अपनी सत्ता और तुष्टिकरण की राजनीति को बचाए रखने के लिए संघ पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की है। कांग्रेस की सरकारों ने तीन बार 1948 1975 व 1992 में इस पर प्रतिबंध लगाया, लेकिन तीनों बार संघ पहले से भी अधिक मजबूत होकर उभरा। सर्वोच्च न्यायालय ने अपने अनेक निर्णयों में माना है कि संघ एक सामाजिक, सांस्कृतिक संगठन है। आजादी के बाद से ही कांग्रेस के निशाने पर रहा है राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ। लाख चेष्टा के बावजूद कांग्रेस संघ को समाप्त करना तो दूर हाशिये पर लाने में सफल नहीं हुआ। संघ को खत्म करने के चक्कर में खुद कांग्रेस अपना वजूद समाप्त करने की ओर अग्रसर है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर पहली विपदा महात्मा गांधी की हत्या के दौरान आई जब हत्यारे नाथूराम गोडसे को संघ का स्वयंसेवक बताकर संघ पर प्रतिबन्ध लगा दिया गया था। बाद में एक जांच समिति ने संघ पर लगे आरोपों को सही नहीं बताया तब संघ से प्रतिबन्ध हटा लिया गया और एक बार फिर संघ ने स्वतंत्र होकर अपना कार्य शुरू किया। संघ पर इस दौरान यह आरोप लगाया गया कि वह हिन्दू अधिकारों की वकालत करता है। मगर संघ का कहना है कि हिन्दुत्व एक जीवन पद्धति है। भारत एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है तो इसका कारण यह है कि यहाँ हिन्दू बहुमत में हैं।

बताया जाता है कि 1962 में भारत-चीन युद्ध के दौरान संघ के अप्रतिम सेवाभावी कार्यों से प्रभावित होकर तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू ने 1963 में गणतंत्र दिवस परेड में शामिल होने का संघ को निमंत्रण दिया। दो दिन की अल्प सूचना के बाबजूद तीन हजार गणवेशधारी स्वयं सेवक उस परेड में शामिल हुए। यहाँ यह प्रश्न उत्पन्न होता है कि संघ गांधी हत्यारा था तो पं. नेहरू ने उसे देशभक्त संगठन मानकर परेड में शामिल क्यों किया। संघ पर दूसरी विपदा 1975 में तब आई जब आपातकाल के दौरान उस पर प्रतिबन्ध लगाकर हजारों स्वयंसेवकों को कारागार में डाल दिया गया। आपातकाल के बाद संघ से प्रतिबन्ध हटाया गया और संघ ने पुनः अपना कार्य प्रारम्भ किया। बापू की हत्या के आरोप सहित कई बार प्रतिबन्ध की मार झेल चुका यह संगठन आज भी लोगों के दिलों में बसा है और यही कारण है की इसका एक स्वयं सेवक प्रधान मंत्री की कुर्सी पर काबिज है और अनेक स्वयं सेवक राज्यों के मुख्यमंत्री है।

दलहन आत्मनिर्भरता मिशन : किसानों को सशक्त बनाने की दिशा में देश का बड़ा प्रयास

डॉ. देवेश चतुर्वेदी, सचिव और संजय कुमार अग्रवाल, संयुक्त सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, भारत सरकार

दलहन, भारत की खाद्य और कृषि परंपराओं का एक अभिन्न अंग हैं, जो नागरिकों की पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ करोड़ों किसानों को आजीविका भी प्रदान करती हैं। दलहन, स्वास्थ्यप्रद होने के साथ-साथ प्रोटीन का भी एक प्रमुख स्रोत हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी ने दिनांक 11 अक्टूबर, 2025 को वर्ष 2030-31 तक दलहन आत्मनिर्भरता में वृद्धि करने हेतु 11,440 करोड़ रुपये के आवंटन के साथ 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर, प्रधानमंत्री जी ने कहा, 'दलहन में आत्मनिर्भरता मिशन का उद्देश्य न सिर्फ दाल उत्पादन में वृद्धि करना है, अपितु पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराकर भावी पीढ़ियों को सशक्त बनाना भी है।' मिशन का उद्देश्य, उच्च उपज वाले बीजों और किसानों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करने के साथ-साथ दलहन की निरंतर आपूर्ति सुनिश्चित करते हुए पोषण सुरक्षा प्राप्त करने पर केन्द्रित है।

दलहन उत्पादन की चुनौतियाँ-भारत में फसल वर्ष 2014-2016 के दौरान दलहन उत्पादन कम हुआ, इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, भारत सरकार ने उत्पादन बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए हैं। इन निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप, दलहन उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यद्यपि घरेलू दलहन उत्पादन में लगातार वृद्धि हो रही है फिर भी दलहन की खपत आपूर्ति से अधिक बनी हुई है, जिसके फलस्वरूप समय-समय पर दालों के आयात की आवश्यकता पड़ती है। लंबे समय से आ रही आयात की चुनौतियों को दूर करने हेतु दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता आवश्यक है। अधिकांशतः वर्षा सिंचित दलहन फसलें अनियमित वर्षा और सूखा, दोनों ही स्थितियों से प्रभावित होती हैं। मौसम संबंधी अनिश्चितताओं के अलावा, कीटों और रोगों का खतरा तथा उन्नत बीजों की सीमित उपलब्धता के कारण कम उत्पादकता भी दलहन के उत्पादन को प्रभावित करती है। 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' में पाँच वर्षों की लक्षित अवधि के भीतर भारत की कृषि अर्थव्यवस्था को बदलने की अपार क्षमता है। इस मिशन का उद्देश्य उत्पादकता और उत्पादन में वृद्धि करके इन चुनौतियों का सामना करना है इसमें दलहन की खेती किसानों के लिए अधिक लाभदायक और विश्वशनीय बनेगी साथ ही साथ राष्ट्र के लिए एक स्थाई और प्रोटीन युक्त खाद्य स्रोत सुनिश्चित होगा।

दलहन में आत्मनिर्भरता हेतु रणनीति- 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन', बीज से लेकर बाजार तक, एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाते हुए इस अंतर को कम करने का प्रयास करता है, जिससे अंततः उत्पादन, उत्पादकता और किसानों की आय में वृद्धि होगी। यह मिशन, प्रभावी कार्यान्वयन और व्यापक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए किसान उत्पादक संगठनों और सहकारी समितियों की अधिक भागीदारी के साथ एक क्लस्टर-आधारित कार्यनीति का पालन करेगा। लक्षित उपायों के साथ क्षेत्र और उपज क्षमता के आधार पर फसल विशिष्ट क्लस्टर विकसित किये जाएंगे। इस मिशन के अंतर्गत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद और अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान पर सलाहकार समूह जैसे संस्थानों की मदद से अधिक उपज वाले, जलवायु-सहिष्णु और उच्च तापमान प्रतिरोधी बीज विकसित किए जाएंगे। यह मिशन, एक प्रभावी बीज श्रृंखला के माध्यम से अधिक उपज देने वाली किस्म के बीजों के उत्पादन और वितरण को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करेगा। इससे गुणवत्तापूर्ण ब्रीडर, फाउंडेशन और प्रमाणित बीजों की किसानों तक पहुंच सुनिश्चित होगी। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के संस्थानों, कृषि विज्ञान केंद्रों और राज्य कृषि विभागों द्वारा प्रदर्शन के माध्यम से किसानों को बेहतर कृषि पद्धतियों से अवगत कराया जाएगा। लक्षित चावल परती भूमि में संभावित विस्तार, फसल विविधीकरण और अंतर-फसली के जरिए दलहन की खेती के अंतर्गत क्षेत्र विस्तार में सहायता मिलेगी।

जिले में करियर टूर के अंतर्गत शिक्षक प्रशिक्षण का आयोजन

भरतपुर (हुक्मनामा समाचार)। जिला कलेक्टर कमर चौधरी के निर्देशन में एवं जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक कार्यालय के मार्गदर्शन में डाइट परिसर भरतपुर में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों में टेक्नोलॉजी क्षेत्र में करियर के प्रति जिज्ञासा आकांक्षा और जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर चयनित विद्यालयों के आईसीटी प्रभारियों और कंप्यूटर अनुदेशकों को प्रशिक्षण एवं आमुखीकरण प्रदान किया गया। यह कार्यक्रम फ ाउंडेशन फ ॉर एक्शन एंड इनोवेशन और अमेज़न फ्यूचर इंजीनियर के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिले के लगभग 100 शिक्षकों ने भाग लिया और करियर टूर के माध्यम से टेक्नोलॉजी क्षेत्र में उपलब्ध विविध करियर अवसरों के बारे में जानकारी प्राप्त की। अब ये प्रशिक्षित शिक्षक इस पहल को आगे बढ़ाते हुए जिले के लगभग 12,000 विद्यार्थियों तक पहुँचाएंगे तथा उन्हें डिजिटल माध्यम से करियर टूर का अनुभव कराएँगे।

प्रशिक्षण का प्रमुख आकर्षण यह रहा कि इसमें यह दर्शाया गया कि तकनीक हमारे दैनिक जीवन में कितनी विविध भूमिकाएँ निभाती है और शिक्षक विद्यार्थियों को नई संभावनाएँ पहचानने और अपनाने के लिए कैसे प्रेरित कर सकते हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी अनीत कुमार शर्मा ने कहा कि वर्तमान समय में विशेष रूप से सरकारी विद्यालयों के विद्यार्थियों में करियर आकांक्षाएँ जागृत करने की आवश्यकता अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने इस दिशा में शिक्षकों का आमुखीकरण करने के लिए एफ्एआईए टीम को धन्यवाद दिया। वहीं जिला शिक्षा अधिकारी माध्यमिक सुरेन्द्र गोपालिया ने कहा कि शिक्षक न केवल अपने विद्यालय के बल्कि गांव एवं आसपास के विद्यार्थियों तक भी इस करियर टूर के अनुभव को पहुँचाएँ ताकि अधिक से अधिक विद्यार्थियों को इसका लाभ मिल सके।

खैरथल-तिजारा जिले के लिए बड़ी सौगात

अब खुलेगा जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र

खैरथल (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान के नए जिलों के लिए बड़ी खुशखबरी आई है। राज्य सरकार ने सात नवगठित जिलों में जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र खोलने के आदेश जारी किए हैं।

इनमें खैरथल तिजारा, डीग, डीडवाना-कुचामन, कोटपुतली-बहरोड, सलूंबर, ब्यावर और बालोतरा शामिल हैं। खैरथल-तिजारा जिले के लिए यह निर्णय विशेष रूप से अहम है, क्योंकि अब तक यहां का औद्योगिक कार्य अलवर जिले से संचालित हो रहा था। नए आदेश के साथ खैरथल-तिजारा को अपना स्वतंत्र जिला उद्योग एवं वाणिज्य केन्द्र मिल जाएगा, जिससे स्थानीय उद्यमियों और उद्योगों को बड़ी राहत मिलेगी। सरकार ने ब्यावर और बालोतरा जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट के उपकेन्द्रों को क्रमोन्नत किया है, जबकि बाकी पांच जिलों में नवीन केन्द्र स्थापित होंगे। प्रत्येक जिले के लिए कुल 14 पद स्वीकृत किए गए हैं जिनमें उपायुक्त, सहायक लेखाधिकारी द्वितीय, उद्योग प्रसार अधिकारी, निजी सहायक, सूचना सहायक, वरिष्ठ व कनिष्ठ सहायक तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी शामिल हैं। उद्योग विभाग ने संबंधित जिलों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि नवीन भवन निर्माण या उपलब्ध भवन के उपयोग को लेकर शीघ्र प्रस्ताव भेजें। अब खैरथल तिजारा जिला उद्योग विकास की नई दिशा में कदम बढ़ाएगा।

काग्रेस नेता सिंह व जूली ने ट्रेड फेयर में युवकों के बीच झगड़े के बाद मृतक वकार के परिजनो एवं ग्रामीणों से घटनाक्रम की ली जानकारी

अलवर (हुक्मनामा समाचार)। पूर्व केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह एवं नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने गोविंदगढ़ रेलवे फाटक के पास लगे ट्रेड फेयर में युवकों के बीच झगड़े के बाद मृतक वकार के परिजनो एवं ग्रामीणों से पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। उन्होंने मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च अधिकारियों से फोन पर बातचीत कर आरोपियों की तुरंत गिरफ्तारी की मांग करते हुए कठोर से कठोर सजा दिलाने की बात कही। उन्होंने कहा कि राजस्थान प्रदेश में जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी है तब से ही पूरे राज्य में अराजकता का माहौल बना हुआ है। उन्होंने कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि अपराधियों में अब पुलिस का इकबाल खत्म हो गया है। सार्वजनिक मेले में इस तरह की घटना को अंजाम देना पुलिस प्रशासन पर बड़े सवाल खड़े करता है। उन्होंने मृतक के परिजनों को संवेदना देते हुए भरोसा दिलाया कि आरोपियों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। इस दौरान जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा,राजगढ़ लक्ष्मणगढ़ विधायक मांगेलाल मीणा,विधायक ललित यादव,इमरान खान,आर्यन जुबेर खान, संजीव बारेठ,उमरदीन खान,विश्राम गुर्जर, हिम्मत चौधरी सहित मृतक के परिजन एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

विजेता प्रतिभागियों को मिलेगा आकर्षक पुरस्कार

भरतपुर (हुक्मनामा समाचार)। एमएसजे राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर के आदेश एवं दिशा निर्देश अनुसार 4 नवंबर मंगलवार को महाविद्यालय स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। साहित्यिक एवं सांस्कृतिक समिति के संयोजक प्रोफेसर डॉ अशोक कुमार गुप्ता ने बताया कि आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा ने एमएसजे राजकीय महाविद्यालय को जिला एवं संभाग स्तर पर नोडल महाविद्यालय बनाया है। उन्होंने बताया कि यह निबंध प्रतियोगिता समस्त राजकीय महाविद्यालयों में आयोजित हो रही है। महाविद्यालय स्तर पर प्रथम द्वितीय एवं तृतीय विजेता को जिले स्तर वाली प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। इसी तरह जिले में प्रथम द्वितीय एवं तृतीय विजेता को संभाग स्तर में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। संभाग स्तर से प्रथम द्वितीय एवं तृतीय विजेता को रा%य स्तर पर भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। रा%य स्तर पर विजेताओं को आयुक्तालय कॉलेज शिक्षा जयपुर की ओर से दोनों प्रतियोगितायों में अलग.अलग प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को 21000 रूपये द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले को 11000 रूपये तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले को 5100 रूपये नगद राशि तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जायेंगे। इनके अलावा 18 सांत्वना पुरस्कार प्रत्येक विजेता को 1000 रुपए नगद एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जायेंगे। उन्होंने बताया कि 'विकसित भारत 2047' एवं 'आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी' दोनों विषयों पर निबंध प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएगी। उक्त दोनों निबंधों में से विद्यार्थी एक ही विषय पर निबंध लिख सकेगा। जिसकी शब्द सीमा 600 शब्द और समय सीमा डेढ़ घंटा निर्धारित की गई है। महाविद्यालय स्तर पर होने वाली महाविद्यालय प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को महाविद्यालय द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान किए जाएँगे। प्राचार्य प्रोफेसर डॉ अंजू तँवर ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विकसित भारत 2047 के विजन एवं आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी की भावना को बढ़ावा देने में उ%च शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका को ध्यान में रखा है। उन्होंने बताया कि यह प्रतियोगिता युवाओं को वैश्विक नागरिक बनाने और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के साथ.साथ युवाओं को स्वदेशी उत्पादों और सेवाओं के प्रति जागरूक और समर्थन करने के लिए भी प्रोत्साहित करेगी।

सादुलपुर ईआरओ ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को एसआईआर– 2026 की दी जानकारी

चूरू (हुक्मनामा समाचार)। भारत निर्वाचन आयोग तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा के निर्देशन में जिले के सभी विधानसभा क्षेत्रों में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम — 2026 के बारे में विस्तृत जानकारी दी जा रही है। शुक्रवार को जिले के सादुलपुर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी (एसडीएम) मनोज खेमादा ने राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम — 2026 को लेकर चर्चा की। ईआरओ ने प्रतिनिधियों को एसआईआर के संबंध में प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एसआईआर में राजनैतिक दलों से सहयोग अपेक्षित है। राजनैतिक दलों के बूथ लेवल अभिकर्त्ता समुचित सहयोग करें ताकि संबंधित कार्य समय अनुसार सम्पादित किए जा सके। बैठक के दौरान एईआरओ धीरज झाझड़िया, रामफल, धर्मवीर पूनिया, गोपाल शर्मा, कृष्ण जांगिड़, राजपाल प्रजापत, नत्थूराम प्रजापत, सीताराम, संजय ख्यालिया सहित अन्य ने भाग लिया।

कुमावत समाज का सामूहिक विवाह सम्मेलन:13 जोड़े परिणय सूत्र में बंधे, मंत्री जोराराम कुमावत ने दिया आशीर्वाद

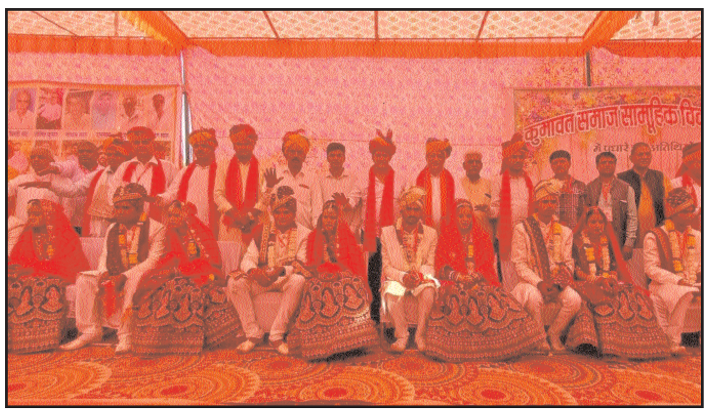

चौमूं (हुक्मनामा समाचार)। चौमूं शहर में देवउठनी एकादशी के अवसर पर कुमावत समाज विकास संस्था चौमूं द्वारा सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन किया गया। शनिवार को रेनवाल रोड रेलवे अंडरपास स्थित तेजाजी मंदिर परिसर के पास हुए इस सम्मेलन में कुमावत समाज के 13 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। आयोजन समिति के अध्यक्ष शंकर मामोडिया और संस्था अध्यक्ष मोहनलाल बारावाल ने बताया कि यह सम्मेलन समाज में सादगीपूर्ण विवाह परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत ने कार्यक्रम में शिरकत कर नवदंपतियों को आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर समाज बंधुओं ने कैबिनेट मंत्री का स्वागत किया। मंत्री कुमावत ने समाज में एकता और सहयोग की इस पहल की सराहना की। समारोह में चौमूं के पूर्व विधायक रामलाल शर्मा सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु और अतिथि उपस्थित रहे। सम्मेलन का समापन शाम करीब 5 बजे बारात विदाई के साथ हुआ। इसी क्रम में, चौमूं में दी बार एसोसिएशन ने कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत का सम्मान किया। बार एसोसिएशन कार्यालय पहुंचने पर अधिवक्ताओं ने मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान एसोसिएशन के अध्यक्ष श्रवण चोपड़ा और महासचिव कुंज बिहारी कुमावत सहित अन्य अधिवक्ताओं ने मंत्री को बार एसोसिएशन की समस्याओं और आवश्यक विकास कार्यों से अवगत कराया। कार्यक्रम में एडवोकेट राजेश गोरा, एडवोकेट सुरेश गोदारा, सुरेंद्र पारीक, शंकर मान, पूरण बर्रा, जितेंद्र चाहर, वरिष्ठ अधिवक्ता सुनील उप्पल और संजय नटवाडिया सहित कई अधिवक्ता मौजूद रहे। मंत्री ने अधिवक्ताओं को उनकी समस्याओं के सकारात्मक समाधान का आश्वासन दिया।

दृष्टि दीदी हर गाँव हर घर अभियान में 14 हजार महिलाओं की निःशुल्क नेत्र जांच

भरतपुर (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान ग्रामीण आजीविका परियोजना राजीविका और लेंकर्ट फ ाउंडेशन के सहयोग से 2 सितंबर से संचालित दृष्टि दीदी हर गाँव.हर घर अभियान के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्र स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम उठाए जा रहे हैं। इस अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा हेतु जिला परिषद मुख्य कार्यकारी अधिकारी सीईओ मृदुल सिंह ने उपखंड की ग्राम पंचायत बांसीखुर्द और धानौता का औचक निरीक्षण किया। सीईओ मृदुल सिंह ने बताया कि जिला कलक्टर कमर चौधरी के निर्देशन में यह अभियान ग्रामीण क्षेत्रों में नेत्र स्वास्थ्य को सशक्त करने की दिशा में एक अनूठी पहल है। इसके अंतर्गत स्वयं सहायता समूह एसएचजी से जुडी महिलाओं को विशेष प्रशिक्षण देकर दृष्टि दीदी के रूप में तैयार किया गया है। ये दृष्टि दीदियाँ घर.घर जाकर लोगों की नेत्र जांच कर रही हैं और दृष्टि संबंधी समस्याओं की पहचान कर उपचार के लिए पात्र व्यक्तियों का चयन कर रही हैं। निरीक्षण के दौरान सीईओ ने ग्रामीण महिलाओं और दृष्टि दीदियों से संवाद कर अभियान का फीडबैक लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि सर्वे की गति बढाई जाए और नेत्र संबंधी समस्याओं से ग्रस्त ग्रामीणों को शीघ्र चिकित्सा सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाएँ। साथ हीए अधिक पंचायतों की इ%छुक महिलाओं को इस कार्य से जोडने पर बल दिया। ग्राम पंचायत बांसीखुर्द की सुपीता और धानौता की मछला देवी ने इस पहल की सराहना करते हुए जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस अभियान से गाँवों में नेत्र जांच की सुविधा घर.घर तक पहुँच रही है। राजीविका की जिला परियोजना प्रबंधक भारती भारद्वाज ने बताया कि अब तक लगभग 14 हजार ग्रामीणों की नि:शुल्क नेत्र जांच की जा चुकी है।

बयाना में धाकड़ समाज का तीसरा सामूहिक विवाह सम्मेलन संपन्न

बयाना (हुक्मनामा समाचार)। बयाना देवउठनी एकादशी के अवसर पर शनिवार को धाकड़ समाज बयाना की ओर से तीसरा सामूहिक विवाह सम्मेलन धूमधाम से आयोजित किया गया। इस आयोजन में 26 जोड़े एक-दूजे के जीवनसाथी बने। कार्यक्रम की शुरुआत व्यापार मंडल भवन से दूल्हों की भव्य बिंदोली के साथ हुई, जो बैंड-बाजों के साथ नगर के मुख्य मार्गों से गुजरते हुए विवाह स्थल तक पहुंची। मुख्य अतिथि ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, राष्ट्रीय युवा धाकड़ संघ के अध्यक्ष डॉ. अर्जुन धाकड़, धाकड़ महासभा महिला प्रकोष्ठ प्रदेशाध्यक्ष राज नागर और भाजपा जिलाध्यक्ष शिवानी दायमा ने नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह जैसे आयोजन समाज में एकता और सादगी को बढ़ावा देते हैं तथा अनावश्यक खर्चों पर रोक लगाते हैं। विवाह समारोह सब्जी मंडी के पीछे स्थित मैदान में आयोजित हुआ, जहां वरमाला और फेरे संपन्न हुए। सम्मेलन समिति अध्यक्ष सत्यवान सिंह धाकड़ और युवा संघ प्रदेशाध्यक्ष रमन धाकड़ ने बताया कि नवविवाहित जोड़ों को गृहस्थी के सामान — फ्रिज, आलमारी, सिलाई मशीन, पंखा, बर्तन, कपड़े, मिक्सी आदि के साथ दुल्हनों को आभूषण भी भेंट किए गए।

अंतर महाविद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता में सिल्वर मैडल प्राप्त करने वाले राजकीय महाविद्यालय, वजीरपुर के छात्र बारिश ख़ान का महाविद्यालय परिवार ने किया भव्य स्वागत किया

गंगापुर सिटी (हुक्मनामा समाचार)। राजकीय महाविद्यालय, वजीरपुर के छात्र बारिश ख़ान पुत्र सलीम ख़ान ने कोटा विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा आयोजित अंतर-महाविद्यालयीय कुश्ती प्रतियोगिता (पुरुष वर्ग) में शानदार प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिलवर मैडल प्राप्त किया। छात्र की इस उत्कृष्ट उपलब्धि पर महाविद्यालय में छात्र बारिश ख़ान के सम्मान में भव्य स्वागत कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नोडल अधिकारी प्रो. रामकेश मीना (आदिवासी) ने की। उन्होंने कहा कि गबारिश ख़ान ने अपनी प्रतिभा, अनुशासन और मेहनत से न केवल महाविद्यालय का नाम रोशन किया है, बल्कि अपने माता-पिता, वजीरपुर तहसील एवं गंगापुर सिटी उपखण्ड का भी गौरव बढ़ाया है। छात्र बारिश ख़ान वजीरपुर तहसील के छोटे से गाँव पावटा गद्दी के निवासी हैं और साधारण किसान सलीम ख़ान के पुत्र हैं।

डॉ गर्ग ने आरएनएफसीडी के निर्माण एवं लाइनिंग कार्य का किया निरीक्षण

भरतपुर (हुक्मनामा समाचार)। विधायक डॉ सुभाष गर्ग ने भरतपुर दौरे के दूसरे दिन रणजीत नगर की हरिजन बस्ती से गुजर रही आरएनएफ सीडी का निरीक्षण किया और आरएनएफसीडी के किये जा रहे विकास एवं निर्माण कार्य के बारे में नगर निगम के अधिकारियों से जानकारी लेकर निकट ही रह रहे हरिजन बस्ती के लोगों के मकानों का कम से कम नुकसान हो ऐसे प्रयास करने के निर्देश दिये। डॉ गर्ग ने शनिवार को नगर निगम के अधिकारियों के साथ आरएनएफसीडी में किये जा रहे निर्माण कार्य का अवलोकन करने के साथ ही हरिजन बस्ती का निरीक्षण किया।

प्रसूता एवं बगो की मौते पर परिजनों ने कर्मचारियों पर लगाया लापरवाही का आरोप

भरतपुर (हुक्मनामा समाचार)। जनाना अस्पताल में एक दर्दनाक घटना सामने आई है जहां डिलेवरी के दौरान ब%चा और प्रसूता का समय पर ईलाज नहीं मिलने से बगाा और प्रसूता की मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि अस्पताल कर्मचारियों की लापरवाही के कारण यह घटना हुई। मृतक महिला की सास का आरोप है कि डिलेवरी के बाद जब महिला की तबीयत बिगड़ी तो वह स्टाफ के पास गिड़गिड़ाती रही लेकिन किसी ने नहीं सुना उसके बाद महिला ने दम तोड़ दिया हालांकि इस घटना को लेकर के मृतक के परिजनों के साथ अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजनों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मृतका पिंकी पत्नी अजय कुमार डीग जिले के कामां थाना क्षेत्र के गांव अकाता निवासी है सास लक्ष्मी देवी ने बताया कि उसके बेटे की बहु को डिलेवरी के लिए शुक्रवार शाम पांच बजे जनाना अस्पताल में भर्ती कराया था देर रात ढाई बजे के आस पास डिलेवरी हुई डिलेवरी के दौरान ब%चा की मौत हो गई जबकि उनकी बहु ठीक थी लेकिन बहु की वार्ड में भर्ती के दौरान अचानक तबियत बिगड़ी रात को वह अस्पताल में कर्मचारियों के पास गई लेकिन सभी ने उनकी बात को अनसुना कर दिया और सुबह लगभग 5 बजे के आसपास महिला ने दम तोड़ दिया। उनका कहना है उनकी बहू को समय पर उपचार मिल जाता तो जान बच सकती थी् लेकिन कर्मचारियों की लापरवाही के कारण उनकी बहू की मौत हुई है घटना के बाद मरीज के परिजन और अन्य अस्पताल में भर्ती मरीज के परिजनों के द्वारा अस्पताल प्रशासन के खिलाफ विरोध जताया। जनाना अस्पताल प्रभारी डॉक्टर शेर सिंह ने बताया कि उनके संज्ञान में मामला आया है। मामले की जांच की जा रही है और जो भी दोषी कर्मचारीहोंगे उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

उत्सव सीज़ेड गोल्ड का मुनाफा 197 प्रतिशत उछला

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। उत्सव सीज़ेड गोल्ड ज्वेल्स लिमिटेड (एनएसई कोड-यूटीएसएसएवी), 18 के, 20 के और 22 के सीज़ेड गोल्ड, सादा सोना, तथा गोल्ड और डायमंड ज्वेलरी के प्रमुख निर्माता, ने एच 1वित्तीय वर्ष 26 के अनऑडिटेड वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं। उत्सव सीज़ेड गोल्ड ज्वेल्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक पंकजकुमार जगावत ने कहा,गहमें खुशी है कि एच 1वित्तीय वर्ष 26 में कंपनी ने शानदार प्रदर्शन किया है। हमारी आय में साल-दर-साल 67 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है, जो घरेलू और निर्यात दोनों बाज़ारों में मज़बूत मांग और 25 प्रतिशत वॉल्यूम ग्रोथ से प्रेरित है। डिज़ाइन नवाचार, उत्पाद विविधीकरण और परिचालन दक्षता पर निरंतर ध्यान ने हमारी लाभप्रदता में उल्लेखनीय सुधार किया है।त्योहारी सीज़न और वर्ष के दूसरे हिस्से में प्रवेश करते हुए, हम इसी गति को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं — अपने डिज़ाइन नवाचार को और मज़बूत करने, ग्राहक आधार को बढ़ाने और नवाचार व अनुशासित निष्पादन के माध्यम से सतत विकास हासिल करने के लिए।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की 150वीं जयंती पर सरदार @ 150 यूनिटी मार्च का आयोजन

देश की एकता के साथ पारिवारिक एकता बनाए रखना भी अत्यंत जरूरीः अर्जुन मेघवाल

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि देश की एकता के साथ पारिवारिक एकता बनाए रखना भी अत्यंत जरूरी है। मेघवाल सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित सरदार @ 150 यूनिटी मार्च (पदयात्रा) को संबोधित कर रहे थे। यूनिटी मार्च का आयोजन मेरा युवा भारत केन्द्र, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय व जिला प्रशासन के सहयोग से सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज से नागणेची मंदिर तक किया गया। रैली को केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल और बीकानेर पश्चिम विधायक जेठानंद व्यास ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इससे पूर्व सरदार पटेल मेडिकल कॉलेज परिसर में पटेल की मूर्ति पर मेघवाल और व्यास समेत अन्य जनप्रतिनिधियों ने माल्यार्पण किया। **नव विवाहित जोड़े को दिलाई पारिवारिक एकता की शपथ** यूनिटी मार्च के प्रारंभ में केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल ने मेडिकल कॉलेज परिसर स्थित सरदार पटेल की मूर्ति के सामने नव विवाहित जोड़े भवानी शंकर कुमावत और राजल को पारिवारिक एकता बनाए रखने की शपथ दिलाई। कोलायत के खारी गांव निवासी भवानी शंकर कुमावत दिल्ली विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर और भीनासर निवासी उनकी पत्नी राजल यूपीएससी की तैयारी कर रही है। दोनों ने पारिवारिक एकता की शपथ ली। मेघवाल ने इस दौरान उपस्थित सभी लोगों को भी 25 नवंबर तक 150 नव दंपत्ति जोड़ों तक एकता का संदेश प्रसारित करने की शपथ दिलाई। **केन्द्रीय मंत्री ने ढाबे पर चाय बनाकर दिया ग्रामीण क्षेत्र में एकता का संदेश** यूनिटी मार्च के दौरान केंद्रीय मंत्री ने देराजसर के दुर्गाराम भादू के चाय के ढाबे पर रूक कर चाय बनाई और पी भी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में एकता का संदेश जाना चाहिए। साथ ही कहा कि उन्होंने घर में चाय बनाई है और पिलाई भी है। **1909 में एक केस की पैरवी कर पटेल ने 46 लोगों की बचाई जान** नागणेची मंदिर के बाहर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मेघवाल ने बताया कि सरदार पटेल प्रसिद्ध वकील थे। 1909 में 46 भारतीयों को मौत की सजा सुनाए जाने के एक केस में पैरवी कर रहे थे तो उन्हें एक पर्ची पकड़ाकर पत्नी की मृत्यु हो जाने की जानकारी दी गई लेकिन पटेल ने बिना विचलित हुए पैरवी जारी रखी।उन्होंने अंग्रेज जजों से कहा कि मैं अपनी पत्नी को वापस नहीं ला सकता लेकिन इन 46 लोगों को न्यू लाइफ दे सकता हूँ । जजों ने पटेल से प्रभावित होकर 46 लोगों की मौत की सजा माफ कर दी। बीकानेर पश्चिम विधायक जेठा नंद व्यास ने कहा कि देश के प्रथम गृहमंत्री लौह पुरुष सरदार पटेल की 150 वीं जयंती पर पूरे देश में एकता यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। अगर सरदार पटेल नहीं होते तो देश के कई हिस्से भारत से दूर हो जाते। साथ ही कहा कि पाक अधिकृत कश्मीर भी एक दिन भारत में शामिल होगा। **जाति, धर्म से ऊपर उठकर एकता के साथ आगे बढ़ेंगे** सुमन छाजेड़ ने कहा कि हम सब जाति, धर्म से ऊपर उठकर एकता और राष्ट्रभक्ति की भावना के साथ आगे बढ़ेंगे और यशस्वी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक देश को विकसित भारत बनाए जाने के सपने को साकार करेंगे। **31 अक्टूबर से 5 दिसंबर तक देशभर में कार्यक्रमों का आयोजन** इससे पूर्व मेरा युवा भारत केन्द्र की सुरबी पाल ने स्वागत भाषण देते हुए बताया कि सरदार पटेल की 150 वीं जयंती पर 31 अक्टूबर से 5 दिसंबर तक देशभर के सभी राज्यों और जिलों में विभिन्न आयोजन किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में धन्यवाद ज्ञापन पूर्व उप महापौर राजेंद्र पंवार ने दिया। मंच संचालन कौशल शर्मा ने किया। मार्च के दौरान हैड कांस्टेबल दिनेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस बैंड ने स्वर लहरियां बिखेरी। **कार्यक्रम में ये रहे उपस्थित** कार्यक्रम में बीकानेर पश्चिम विधायक जेठा नंद व्यास, सुमन छाजेड़, चंपालाल गेदर, श्याम सिंह हाडला, अखिलेश प्रताप सिंह, विजय आचार्य, कमल गहलोत, चंद्रमोहन जोशी, संतोषानंद महाराज आदि मौजूद थे।

बर्फ तोड़ने वाले छुरे से हत्या की,पुलिस ने जुलूस निकाला

दो आरोपी लंगड़ाते हुए चले, समाज के लोग बोले- आरोपियों के घर पर बुलडोजर चले

अलवर (हुक्मनामा समाचार)। अलवर के गोविंदगढ़ में रेलवे फाटक के पास मेले में मोमोज की दुकान पर झगड़े के दौरान 22 साल के युवक की छुरा घोंपकर हत्या करने के तीन आरोपियों का शनिवार को पुलिस ने जुलूस निकाला। दो आरोपी जुलूस में लंगड़ाते हुए निकले। अभी कई आरोपियों की तलाश जारी है। हत्या के बाद अलवर जिला अस्पताल में मेव समाज के लोगों ने विरोध किया था। आरोपियों के घर बुलडोजर चलाने की मांग की थी। घटना 29 अक्टूबर की रात करीब आठ बजे की थी। जब गोविंदगढ़ में रेलवे फाटक के पास लगे मेले में कुछ युवाओं के बीच झगड़ा हुआ था। उस समय एक युवक पर बर्फ तोड़ने वाले छुरे से हमला कर दिया। सीने में छुरा घुसने से गोविंदगढ़ क्षेत्र के खेड़ी बहादुर गांव निवासी वकार (20) पुत्र फकरुद्दीन [illegible] सेकेंड ईयर के छात्र की मौत हो गई थी। वह अपने दोस्त तालीम, अरशद और बरकत के साथ गोविंदगढ़ में लगे ट्रेड फेयर में घूमने गया था। वहां मोमोज की दुकान पर तालीम का छैल बिहारी से झगड़ा हो गया। **बीच-बचाव करने आया था युवक** छैलबिहारी के साथ राजेश, रविंद्र, बलदेव, केदार, खेमु व रवि सहित तीन चार अन्य युवक भी थे। वकार ने बीच-बचाव करने लगा। इसी दौरान छैलबिहारी ने छुरा मार दिया था। इससे वकार लहूलुहान होकर गिर गया। उसे गोविंदगढ़ अस्पताल ले जाया गया। जहां से उसे अलवर रेफर कर दिया। जहां उसकी मौत हो गई। **समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया** उसके अगले दिन जिला अस्पताल में मेव समाज के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया था। अलवर मेव बोर्डिंग के पूर्व सदर शेर मोहम्मद ने चेताया था कि सबकी तुरंत गिरफ्तारी हो। आरोपियों के घरों पर बुलडोजर चलाया जाए। जैसे पहले हुई एक हत्या के मामले में अवैध निर्माण हटाया गया था।

अलवर में मंदिर में 7 दानपात्र तोड़कर ले गए रुपए

पहले भी कई मंदिरों को निशाना बना चुके चोर, श्रद्धालुओं में आक्रोश

अलवर (हुक्मनामा समाचार)। अलवर शहर के अरावली विहार के 108 सार्वजनिक शिव मंदिर में चोर 7 दान पात्र तोड़कर नकदी ले गए। मंदिर में घुसे चोर ष्टष्टञ्ज्ञ में भी नजर आए हैं। इस क्षेत्र में एक महीने में चार से 5 बार मंदिरों में चोरी की वारदात हो चुकी है। अरावली विहार थाना क्षेत्र में 108 सार्वजनिक शिव मंदिर है। यहां शुक्रवार रात अज्ञात चोर घुसे। जिन्होंने मंदिर परिसर में रखे करीब 7 दान पात्र तोड़े और नकदी ले गए। मंदिर के महंत गोपाल गिरी ने बताया- घटना देर रात की है। सुबह मंदिर के द्वार खोले गए तो दान पात्र टूटे मिले। पूरी वारदात ष्टष्टञ्ज्ञ कैमरे में कैद हो गई है, जिसके आधार पर पुलिस जांच में जुट गई है। **पहले भी कई मंदिरों में हो चुकी चोरी** जानकारी के अनुसार, इससे पहले भी शहर के चमत्कारी महादेव मंदिर सहित कई मंदिरों में चोरी की घटनाएं हो चुकी हैं। लगातार वारदातों से श्रद्धालुओं में आक्रोश है। अरावली विहार थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस फुटेज खंगाल रही है। ताकि मंदिर में चोरी करने वाले आरोपियों तक पहुंचा जा सकें।

धूमधाम से मनाया खाटूश्याम जी का जन्मोत्सव

भजनों पर झूमे भक्त, गोपेश्वर महादेव मंदिर में गूंजी जयकारों की गूंज

बयाना (हुक्मनामा समाचार)। श्याम भक्तमंडल की ओर से शनिवार शाम नगला स्टोर स्थित गोपेश्वर महादेव मंदिर परिसर में खाटू श्याम बाबा का जन्मोत्सव बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। मंदिर परिसर को रंग-बिरंगी रोशनियों और फूलों से आकर्षक रूप से सजाया गया, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम की शुरुआत श्याम प्रभु की विधिवत पूजा-अर्चना से हुई। इस दौरान श्रद्धालुओं ने खाटू श्याम जी के जयकारों के साथ भक्ति में लीन होकर नृत्य किया और भजनों पर झूम उठे। भक्ति गीतों की स्वर लहरियों से पूरा मंदिर परिसर गुंजायमान हो गया। भक्त मंडल की ओर से प्रसाद वितरण किया गया। आयोजन में श्याम भक्त कमेटी अध्यक्ष दीपक सामरी, महामंत्री ललित मोहन अग्रवाल, पार्षद नरेश बारैठा, मनीष बंसल, सौरभ सामरी, संजय अग्रवाल, ध्रुव अग्रवाल, राजू अरोड़ा, हिमांशु मित्तल, ओमप्रकाश गोयल, कपिल गोयल, मनोज

अग्रवाल सहित अनेक भक्त मौजूद रहे। इसी तरह कल्याण कॉलोनी में भी श्याम भक्तमंडल की ओर से जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया।

यहां भक्तों ने दिन में अन्नकूट प्रसादी वितरण किया और शाम को श्याम बाबा का जन्मदिन केक काटकर मनाया। मुख्य अतिथि सीओ कृष्णराज ने आचार्य नंदकिशोर उपाध्याय के सानिध्य में श्याम प्रभु की पूजा-अर्चना कर आरती की। इसके बाद प्रसाद वितरण हुआ। कार्यक्रम में उमेश सिंघल, राहुल शर्मा, रवि सैनी, जतिन नारंग, गौतम बैसला, अतुल, अंकित पाराशर, चिंटू आदि मौजूद रहे।

मेहंदीपुर बालाजी में सीवरेज लाइन डालकर सड़क बनाना भूले जिम्मेदार; आमजन परेशान

दौसा (हुक्मनामा समाचार)। मेहंदीपुर बालाजी के मीना सीमला ग्राम पंचायत क्षेत्र की न्यू आदर्श कॉलोनी में सीवरेज लाइन का कार्य पूरा होने के बाद भी टूटी सड़क का निर्माण नहीं किए जाने से लोगों में भारी रोष है। स्थानीय लोगों का कहना है कि दो माह से सड़क टूटी पड़ी है, लेकिन पंचायत प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा।आपको बता दे कि न्यू आदर्श कॉलोनी में करीब दो महीने पहले सीवरेज लाइन डालने के लिए सड़क को खोद दिया गया था। सीवर लाइन तो बिछा दी गई, लेकिन उसके बाद सड़क का पुनर्निर्माण करना जिम्मेदार भूल गए।सड़क जगह-जगह से गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। धूल और कीचड़ से लोगों का निकलना मुश्किल हो गया है।बच्चे, बुजुर्ग और महिलाएँ सबसे अधिक परेशान हैं।कॉलोनीवासियों ने कई बार ग्राम पंचायत सरपंच को अवगत कराया, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

दौसा में कंटीले तारों में मिली युवक की लाश

फॉरेस्ट चौकी के पास मिली बॉडी, मौत के कारणों की जांच में जुटी पुलिस

दौसा (हुक्मनामा समाचार)। दौसा जिले के मेहंदीपुर बालाजी कस्बे में फॉरेस्ट चौकी के पास बीती रात कंटीले तारों में युवक की डेड बॉडी मिली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना कर साक्ष्य जुटाए। जिसके बाद डेड बॉडी को कब्जे में लेकर सिकराय अस्पताल की मॉर्च्युरी में रखवाया और मृतक की पहचान के प्रयास शुरू किए। **अलवर का रहने वाला युवक** पुलिस ने बताया कि फॉरेस्ट विभाग की चौकी के पास कटीले तारों में एक युवक के बेहोशी की हालत में फंसे होने की सूचना के बाद मौके पर पहुंचे तो युवक मृत अवस्था में मिला। इसके संबंध में साक्ष्य जुटाते हुए जांच शुरू की। मृतक की पहचान राजू मीणा (35) निवासी थानाराजाजी राजगढ़ जिला अलवर के रूप में हुई है। जांच में जुटी पुलिस सूचना पर युवक के परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। जहां पोस्टमॉर्टम की कार्रवाई के बाद डेड बॉडी की जाएगी।

सवाई माधोपुर में स्मैक तस्कर गिरफ्तार

सवाई माधोपुर (हुक्मनामा समाचार)। सवाई माधोपुर की कोतवाली थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम ने जीनापुर अंडरपास रोड पर नाकाबंदी के दौरान आरिफ (27) पुत्र अजीज निवासी गुरुद्वारा रोड, कागजी मोहल्ला को पकड़ा। **आरोपी से 10.28 ग्राम स्मैक बरामद** थानाधिकारी हरलाल सिंह मीणा ने बताया कि तलाशी के दौरान आरिफ से 10.28 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई।

कृषि विभाग के प्रयासों से सवाई माधोपुर में बढ़ रहा है फूलों का रकबा

खुश्बू और सुंदरता ही नही अच्छा मुनाफा भी देता है गेंदा

गंगापुर सिटी (हुक्मनामा समाचार)। गेंदा भारत में आम उगाया जाने वाला फूल है। यह बहुत महत्तवपूर्ण फूल है क्योंकि यह व्यापक रूप से धार्मिक और सामाजिक कार्यों में प्रयोग किया जाता है। कीटों को पकड़ने के लिए भी इस ट्रैप क्रॉप के रूप में प्रयोग किया जाता है। कम समय के साथ कम लागत की फसल होने के कारण यह भारत की लोकप्रिय फसल बन जाती है। गेंदे के फूल आकार और रंग में आकर्षित होते हैं। इसकी खेती आसान होने के कारण इसे व्यापक रूप से अपनाया जाता है। आकार और रंग के आधार पर इसकी दो प्रजाति होती हैं- अफ्रीकी गेंदा और फ्रैंच गेंदा। फ्रैंच गेंदे की किस्म का पौधा अफ्रीकी गेंदे के आकार से छोटा होता है। महांराष्ट्र, कर्नाटक, गुजरात, आंध्रा प्रदेश, तामिलनाडू और मध्य प्रदेश भारत के मुख्य गेंदा

उत्पादक राज्य है लेकिन अब राजस्थान में भी इसका रकबा बढ़ रहा है सवाई माधोपुर के किसान भी इसकी खेती करने लगे है दशहरा और दीवाली मुख्य दो त्योहार हैं, जब इस फसल की मांग आत्याधिक होती है फूल उत्कृता केंद्र सवाई माधोपुर किसानों को फूलों की खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण भी देता है।

ग्राम विकास अधिकारी भर्ती परीक्षा 29 सेंटर पर आज, कुल 10,992 परीक्षार्थी पंजीकृत

दौसा (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से आयोजित ग्राम विकास अधिकारी (सिद्धि) भर्ती परीक्षा 2025 का आयोजन 2 नवंबर को दौसा जिला मुख्यालय पर किया जाएगा। यह परीक्षा एक पारी में सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक संपन्न होगी। जिला समन्वयक एवं लालसोट एडीएम मनमोहन मीणा ने बताया कि परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए जिले में कुल 29 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 11 सरकारी व 18 निजी शिक्षण संस्थान शामिल हैं। परीक्षा व्यवस्था पर विशेष निगरानी के लिए 47 पर्यवेक्षक नियुक्त किए गए हैं। सरकारी संस्थानों में एक प्रधानाचार्य और निजी संस्थानों में दो प्रधानाचार्य पर्यवेक्षक के रूप में तैनात रहेंगे। परीक्षा की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए 5 स्वतंत्र दल गठित किए गए हैं, जिनमें प्रत्येक दल में एक ञ्ज्र अधिकारी, एक ड्डक्र अधिकारी और एक शिक्षा विभाग का अधिकारी शामिल है। निजी परीक्षा केंद्रों के लिए 18 सहायक केंद्र अधीक्षक तथा हर दो केंद्रों पर एक-एक उप-समन्वयक दल तैनात किया गया है। परीक्षा की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दौसा को पुलिस नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। सभी परीक्षा केंद्रों की वीडियोग्राफी कराई जाएगी, वहीं पेपर बॉक्स को कोष कार्यालय में सुरक्षित रूप से रखा जाएगा। परीक्षा से जुड़ी सामग्री के वितरण और संग्रहण की जिम्मेदारी भी कोषाधिकारी को दी गई है। जिला समन्वयक ने बताया कि परीक्षा में कुल 10,992 परीक्षार्थी पंजीकृत हैं। उन्होंने परीक्षार्थियों से अपील की है कि वे समय से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचें। परीक्षा केंद्र का मुख्य द्वार परीक्षा शुरू होने से एक घंटे पहले यानी सुबह 10 बजे बंद कर दिया जाएगा। अभ्यर्थियों को सुबह 9 बजे से प्रवेश दिया जाएगा, इसलिए सभी अभ्यर्थी सुबह 8 बजे तक केंद्र पर पहुंच जाएं।

अलका सक्सेना की पुस्तक ‘अब जब बात निकली हैं’ का विमोचन

पुस्तक केवल एक जीवनी नहीं है, बल्कि एक दृष्टि और एक दर्शन है

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग की पूर्व अतिरिक्त निदेशक और लेखिका अलका सक्सेना की पुस्तक %अब जब बात निकली है% का विमोचन शनिवार को झालाना डूंगरी स्थित राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति, जयपुर के सभागार में संपन्न हुआ। विमोचन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव राकेश वर्मा, विशिष्ट अतिथि, मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी गोविन्द पारीक और पूर्व जनसम्पर्क आयुक्त सुनील शर्मा तथा वरिष्ठ पत्रकार महेश शर्मा थे। अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार गुलाब बत्रा ने की। यह अवसर साहित्य और सृजनधर्मिता के उत्सव की तरह सजीव हो उठा, जहाँ जनसम्पर्क, पत्रकारिता और साहित्य जगत की कई प्रतिष्ठित हस्तियाँ शामिल हुईं। पुस्तक पर अपने विचार रखते हुए अतिथि वक्ताओं ने कहा कि यह कृति न केवल संवेदनशील अभिव्यक्तियों का संकलन है, बल्कि इसमें जीवन के गहरे अनुभवों की झलक मिलती है। साथ ही मनुष्य को बेहतर मनुष्य बनाने को प्रेरित करती हैं। वक्ताओं ने लेखिका के रचनात्मक और प्रेरणादायक कार्य की सराहना करते हुए कहा, यह कृति केवल एक जीवनी नहीं है, बल्कि एक दृष्टि और एक दर्शन है। उन्होंने कहा जीवन हमें यह सिखाता है कि जनसम्पर्क केवल पुस्तकों तक सीमित ज्ञान नहीं है, बल्कि यह जीवन

जीने की कला है। जनसंपर्क ऐसी प्रक्रिया है, जो सम्पूर्ण सत्य एवं ज्ञान पर आधारित सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए की जाती हैं। अतिथियों ने पुस्तक लेखक अलका सक्सेना को बधाई देते हुए कहा, यह पुस्तक न केवल ज्ञानवर्धक है,बल्कि हमें सोचने के लिए प्रेरित करती है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि राकेश वर्मा ने जनसम्पर्क निदेशक के अपने कार्यकाल के दिनों को याद करते हुए कहा जन संपर्क विभाग एक ऐसा विभाग है जो सरकार की छवि निखारने के साथ उसे एक नई ऊर्जा और शक्ति प्रदान करता है। इस विभाग में काम करना निश्चय ही एक ऑपर्चुनिटी है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि यह पुस्तक पाठकों के लिए रुचिकर होगी। उन्होंने लेखिका की लेखनी को प्रेरणास्पद बताया। जनसम्पर्क विभाग के पूर्व आयुक्त सुनील शर्मा ने पुस्तक को शुद्ध लेखन की संज्ञा दी। उन्होंने कहा अलका सक्सेना का अंग्रेजी और हिंदी पर समानाधिकार था। मुख्यमंत्री के विशेषाधिकारी गोविन्द पारीक ने जनसम्पर्क के कार्यों को चुनौतीपूर्ण बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार गुलाब बत्रा ने जनसम्पर्क विभाग से पत्रकारों के संबंधों की चर्चा करते हुए कहा लेखिका ने बेबाकी के साथ अपने जनसम्पर्क के अनुभवों को साझा करते हुए अपने मन की बात लिखी है। उन्होंने कहा जनसम्पर्क सरकार के दिल की धड़कन है। राजस्थान प्रौढ़ शिक्षण समिति के अध्यक्ष और वरिष्ठ पत्रकार राजेंद्र बोड़ा ने धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा यह पुस्तक जनसम्पर्क विधा का एक प्रामाणिक दस्तावेज़ है। जनसम्पर्क विभाग के उप निदेशक रजनीश शर्मा ने भी अपने विचार व्यक्त किये। साहित्यकार वीणा करमचंदानी ने पुस्तक की सारगर्भित समीक्षा प्रस्तुत की। प्रारम्भ में लेखिका अलका सक्सेना ने राकेश वर्मा और सुनील शर्मा की कार्यप्रणाली की चर्चा करते हुए विस्तार से पुस्तक विषयक जानकारी दी। इस शुरू में आगंतुक सभी अतिथियों का पौधा भेंट कर स्वागत किया गया।

शादी से लौट रहे दंपती पर जानलेवा हमला

गाड़ी में तोड़फोड़ कर मारपीट की, 20 हजार रुपए लूट ले गए बदमाश

चौमूं (हुक्मनामा समाचार)। चौमूं के कालाडेरा थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति पर 15 से 20 लोगों ने घात लगाकर जानलेवा हमला कर दिया और लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। घटना 30 अक्टूबर की रात की है, जब गुटका बाबा की ढाणी, नांगल पुरोहितान, आमेर निवासी रामरतन मीणा अपने परिवार के साथ एक शादी समारोह से लौट रहे थे। पुलिस के अनुसार, मायली की ढाणी, गुवारडी जयसिंहपुरा मार्ग पर अचानक 15ङ्क20 हमलावरों ने रामरतन मीणा पर लोहे की रॉड, सरियों, डंडों और धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में पीड़ित गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपियों ने उसकी जेब से 20 हजार रुपये लूट लिए और उसकी गाड़ी में तोड़फोड़ कर नुकसान पहुंचाया। पीड़ित के शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो हमलावर गालियां देते हुए कारों और बाइकों से फरार हो गए।

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि वाहन संख्या आर. जे. 14 सी.एल. 6097 जो स्वर्गीय श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री लक्ष्मण राम ,नि. किरडोली सीकर,जिला सीकर के नाम पंजिकृत है कि मृत्यु दिनांक 02-10-2024 को होने के कारण अपनी पत्नी सुनिता ने वाहन को अपने नाम कराने हेतू इस कार्यालय में आवेदन किया है, इस सम्बन्ध में किसी व्यक्ति / संस्थान को कोई आपत्ति हो तो 7 दिवस में इस कार्यालय में सूचित करें।

जिला परिवहन अधिकारी
सीकर (राज.)

कार्यालय विकास अधिकारी पंचायत समिति बामनवास, जिला सवाई माधोपुर

Notice Inviting Bid

Bids for Solid and Waste Management Center RRC in Panchayat Samiti Bamanwas and Various Gram Panchyat is invited from interested bidders upto 07-11-2025 Other particulars of the bids may be visited on the procurement portal sppp.rajasthan.gov.in and http://www.eproc.rajasthan.gov.in of the state website.

S. No.	Gram Panchayat	NIT No.	UBN No.
1	Amawara	07/2025-26	ZSM2526WSRC0074
2	Phulwada	07/2025-26	PIL2526WSOB00012
3	Sukar	03/2025-26	PIL2526WSOB00015
4	Tundila	05/2025-26	PIL2526WSOB00016
5	Bhawara	03/2025-26	ZSM2526WSRC00746
6	Khedli	03/2025-26	PIL2526WSOB00017
7	Chandhanholi	05/2025-26	ZSM2526WSOB00745
8	Sacholi	04/2025-26	PIL2526WSOB00014
9	Gurjar Bardhoda	03/2025-26	ZSM2526WSOB00749
10	Ghudla	03/2025-26	ZSM2526WSOB00748
11	Dhugarpatti	04/2025-26	ZSM2526WSOB00747

(नरेन्द्र कुमार मीणा, RDS)
विकास अधिकारी पंचायत
पंचायत समिति बामनवास

टकराने के बाद पेड़ को चीरते हुए आगे निकली बस

उत्तर प्रदेश रोडवेज बस राजमार्ग-21 पर टकराई पेड़ से 30 यात्री हुए घायल, आठ को किया जयपुर रैफर

भुसावर (हुक्मनामा समाचार)। भुसावर उपखंड क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 21पर खेड़ली मोड़ थाना क्षेत्र में उत्तर प्रदेश परिवहन की बस बेकाबू होकर पेड़ से टकराने के बाद उसको चीरते हुए आगे निकल गई जिसमें 30 यात्री घायल हो गए आठ गंभीर घायल को जयपुर रैफर किया गया है नजदीकी दौसा जिले के महवा अस्पताल में अन्य घायलों का इलाज किया जा रहा है। बस में 70 यात्री मौजूद थे। **जयपुर की ओर जा रही थी बस----** प्राप्त जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के आगरा डिपो की परिवहन बस आगरा से जयपुर की तरफ जा रही थी जिसमें 70 सवारियां स्वर थी खेड़ली मोड़ थाना क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग पर बस अचानक बेकाबू हो गई सड़क किनारे बबूल के पेड़ से टकरा गई बस इतनी स्पीड में बताई गई कि वह बबूल के पेड़ को चीरते हुए आगे निकल गई, रहागीरो के अनुसार पेड़ के टकराने के साथ यात्रियों की चीख पुकार मचा गई। राहगीरों ने घटना की सूचना खेडली मोड थाना पुलिस को दी। 7 एम्बूलेंसौं से घायलों को पहुंचा अस्पताल दुर्घटना की सूचना मिलते ही भुसावर थाना पुलिस व अधिकारी मौके पर पहुंचे राष्ट्रीय राजमार्ग की एंबुलेंस सहित भुसावर पथैना, वह क्षेत्र की सात एम्बुलेंसों से घायलों को निकटवर्ती दौसा जिले के महवा चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है जहां पांच अन्य घायलों को जयपुर भिजवाया गया है घटना में चालक एवं परिचालक भी घायल हुए हैं! **ये हुए घायल -----** युधिष्ठिर पुत्र माधोराम जयपुर, मुनेश कुमार पुत्र विजय सिंह ऊंचा नगला भरतपुर, सानू पुत्र साकेत शमशाबाद, एहसान पुत्र अली अहमद फतेहपुर सिकरी गांव नगला जनसू, नीरज शर्मा पुत्र रामजीलाल शर्मा राजाखेड़ा धौलपुर, संजय सिंह पुत्र छोटेलाल राजाखेड़ा धौलपुर, प्रिंस पुत्र महेंद्र सिंह मानपुर, जगदीश पुत्र अतर सिंह शमशाबाद आगरा, नरदेव सिंह पुत्र राजवीर सिंह मालपुरा आगरा, कृष्ण कुमार पुत्र भजनलाल बलदेव मथुरा ,रोहित पुत्र जयति प्रसाद फिरोजाबाद , नेकराम पुत्र चुन्नीलाल नवलपुर हाथरस, नमो नारायण मीणा पुत्र रामकिशन मीणा बस्सी जयपुर ,राजेश पुत्र मेमराम नवलपुर हाथरस, विमल पुत्र केशव दारागंज प्रयागराज ,सतबीर पुत्र उदय सिंह जाट भगवानपुर पुलिस थाना खेडली मोड भुसावर, अनिकेत पुत्र दिलीप कुमार सराय, हरदोई, गोरेलाल पुत्र नाथूराम सिरसा बसइया इटावा ,देवेंद्र सिंह पुत्र करतार सिंह जोनई पुलिस थाना सैया आगरा, नरेश पुत्र गोपाल तालचिड़ी नगला थाना सलेमपुर जिला दौसा ,अशोक कुमार पुत्र रामकिशोर तालचिड़ी अर्जुन का नगला जिला दौसा। घायल हुए हैं **इन्हें किया जयपुर रैफर---** युधिष्ठिर पुत्र माधोराम निवासी जयपुर, किशन कुमार पुत्र भजन लाल निवासी मथुरा प्रिंस पुत्र महेंद्र निवासी कानपुर विजयपाल पुत्र ब्रह्मा निवासी कानपुर श्यामवीर पुत्र गोकुल निवासी आगरा सुधीर सिंह पुत्र राम सिंह निवासी गयाबिहार, लेख राम पुत्र चुन्नी राम एवं मोहित पुत्र लेखराम निवासी नवलपुर उत्तर प्रदेश को जयपुर रैफर किया गया है

पिलानी शिक्षा नगरी ने बीते वर्षों में क्या खोया क्या पाया ?'

पिलानी (हुक्मनामा समाचार)। शिक्षा के क्षेत्र में पिलानी भारत के मानचित्र पर सर्वप्रथम उभर के आता है देश-विदेश में भारत की पहचान पिलानी को लेकर शिक्षा के बड़े आयामों की उपलब्धि होना अत्य आधुनिक शिक्षा पद्धति से युवा पीढ़ी को रुबरु करवाना पिलानी जन्मभूमि बिरला परिवार के द्वारा आमजन का शिक्षा के क्षेत्र में युवा पीढ़ी को सर्वाधिक लाभ दिलाने के लिए इन शिक्षण संस्थानों में आईएस, आईपीएस, व इंजीनियर, वैज्ञानिक, साइंटिस्ट, शिक्षक ,डॉक्टर, एडवोकेट , उधोगपति,सीए बनने तक की शिक्षा का ज्ञान पिलानी की इन विशाल काए संस्थानों में दिया जाता है जहां छात्र एवं छात्राओं को कच्ची मिट्टी से एक सुंदर आकर्षक मजबूत प्रभावशाली बर्तन के रूप में बनाया जाता है जो कि सोना चांदी की भांति अपने अनुभव पाकर चमकने लगता है और तो और एक ऐसा सुंदर सटीक वातावरण बनता है जिसकी संपूर्ण महक चंदन की भांति चारों ओर ब्रह्मांड में फैलने लगती है आज अगर हम पिलानी को भारत नहीं अपितु विश्व के मानचित्र पर भी खोजे तो पिलानी की एक पहचान अपने आप में निखार लेकर आती है हमने पिछ बिते 15 वर्षों में क्या खोया ,क्या पाया जैसा कि पीने का पानी नहीं रहना , शुद्ध हवा नहीं, खाने को अन्न नहीं सारा कुछ तो दूसरों पर निर्भर रहने को विवश होना पड़ रहा है पिलानी बंजर सा होता जा रहा है फिर भी प्रशासनिक अधिकारियों की मिली भगत से पहाड़ी बालाजी मंदिर धीरे-धीरे टूट कर धरातल की ओर आ गया ।नजदीक से सुंदर आकर्षक प्रभावशाली बाईपास मार्ग एन एच 9 का निर्माण होना कस्बे की सुंदरता को चार चांद लगता है पिलानी के मुख्य बाजार में व्यापार का सिमट जाना, दूषित हवा का चलना ,औषधालय क्लीनिक, अस्पतालो मैं सुविधाओं के अभाव में डॉक्टरों की मनमानी झोलाछाप डॉक्टरों का पन्नपना राज्य भारत सरकार की चिकित्सा सेवाओं के लाभ पर बड़ी लूट कसौटी होना ,बड़े-बड़े विज्ञापन देकर जनता के साथ बड़ा धोखा करना,डा विज्ञापन में विश्वास करता है तो समझो कि चिकित्सा में अभाव है।

नकली दवा नकली ग्लूकोस जनता के जीवन से होता खिलवाड़ प्रशासन आंखें मूंद के बैठा है नाम बड़े काम छोटे ,मुर्दा घरो में भी अत्यधिक शुल्क, जीएसटी चार्ज लेना कहां का न्याय होगा ।सेठ साहूकारों के नाम पर बनी प्राचीन कुआ,बाबडी, चिकित्सालय, धर्मशालाएं, स्कूलों का बेचान हो जाना ,वर्षों पुरानी धर्मार्थ कार्य हेतु बनाई गई प्याऊ, पशु पक्षियों को पीने के पानी के लिए खेल का बेचान हो जाना, या फिर ताला लग जाना, बिरला डेरी फार्म जहां सैकड़ो गायों को भोजन मिलता हो शुद्ध आहार स्कूलों में बच्चों को शुद्ध दूध मिलता हो डेरी फार्म का बंद या बेचान हो जाना, हवाई पट्टी का बंद हो जाना,बिरला म्यूजियम का बंद हो जाना, शिव गंगा,कैनाट, सरस्वती मंदिर, गोयनका शिक्षण संस्थान स्कूल का बंद हो जाना

राजकीय विद्यालय अकबरपुर विधायक नौक्षम चौधरी ने किया वृक्षारोपण

कामां (हुक्मनामा समाचार)। पंचायत समिति के अकबरपुर ग्राम स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में एक पेड़ मां के नाम व हरियालो राजस्थान अभियान के तहत देवोत्थान एकादशी के पावन पर्व पर कामां विधायक नौक्षम चौधरी द्वारा विद्यालय स्टाफ के साथ वृक्षारोपण कर प्रकृति संतुलन व राज्य सरकार की प्रकृति के प्रति महत्वाकां योजनाओं पर प्रकाश डाला गया।

विद्यालय के प्रधानाध्यापक नितिन कुमार दुबेश ने बताया कि राजकीय विद्यालय में वृक्षारोपण करते हुए कहा कि हम सब का कर्तव्य है कि हम प्रकृति के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करें। इस अवसर पर विद्यालय के अध्यापकों राकेश खंडेलवाल,संजय जैन बड़जात्या, सलीम खान,दीपक शर्मा,विक्रम मीणा,राहुल यादव ने विधायक सहित राजेश गुर्जर पूर्व सरपंच अकबरपुर,केसरी सिंह कामां प्रधान प्रतिनिधि बिलोन्द, निसार मुवीन खान पहाड़ी प्रधान, देवेंद्र चौधरी बोलखेड़ा, रामेश्वर गुर्जर कनवाड़ा,प्रभु पूर्व सरपंच कनवाड़ा,नन्दो गुर्जर बरौलीधाऊ,भरती गुर्जर डहरबरोली,रूबी खान,मटोल गुर्जर पल्ला,मानसिंह सरपंच सतवास,राजवीर दायमा एडवोकेट,हंसराम गुर्जर,सूबेदार मोहर सिंह का सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम का संचालन संजय जैन बड़जात्या ने करते हुए कहा कि प्रकृति की सुरक्षा के साथ सवंर्धन करने की हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर ग्रामवासी, छात्र छात्रा सहित अन्य अतिथि गण उपस्थित रहे।

लूट के मामलें में आरोपी को पांच साल की जेल...पांच हजार अर्थदण्ड़ की सजा

नदबई एसीजेएम ने सुनाया फैसला, साक्ष्य अभाव में तीन आरोपियों को किया बरी

नदबई (हुक्मनामा समाचार)। नदबई-खेडली मार्ग पर गांव वीकरु के समीप एक युवक से मारपीट कर नगदी सहित मोबाइल व बाइक लूट के मामलें में एसीजेएम न्यायालय में एसीजेएम विकासराम चौधरी ने फैसला सुनाते हुए एक आरोपी को पांच साल का कठोर कारावास व पांच हजार के अर्थदण्ड़ का फैसला सुनाया। जबकि, तीन आरोपियों को साक्ष्य अभाव में बरी कर दिया गया। अभियोजन अधिकारी प्रदीप कुमार शर्मा ने कठूमर थाना क्षेत्र के गांव मसारी निवासी अजय शर्मा पुत्र हरिओम शर्मा को दोषी मानते हुए पांच साल का कठोर कारावास व पांच हजार अर्थदण्ड़ की सजा के बारे में बताते हुए अन्य आरोपी विजयपाल उर्फ मोटा पुत्र चंद, कप्तान सिंह पुत्र भागचंद व सत्यपाल पुत्र चंद को बरी होने के बारे में बताया। गौरतलब है कि, 14 अप्रेल 2016 की रात नदबई क्षेत्र के गांव लालपुर निवासी कांतिलाल उर्फ अशोक पुत्र जगदीश प्रसाद, बाइक पर खेडली से अपने गांव लौट रहा।

इसी दौरान बाइक सवार तीन बदमाशों ने रास्ता रोकते हुए पीडित युवक से मारपीट की। बाद में पीडित की जेब में रखी नगदी, मोबाइल व बाइक लूटकर फरार हो गए। मामला दर्ज होने पर पुलिस ने जांच पडताल करते हुए आरोपी अजय शर्मा सहित विजयपाल उर्फ मोटा, कप्तान सिंह व सत्यपाल को दोषी मानते हुए न्यायालय में आरोप पत्र दिया। बाद में एसीजेएम न्यायालय में एसीजेएम विकासराम चौधरी ने आरोपी अजय शर्मा को दोषी मानते हुए पांच साल की सजा व पांच हजार के अर्थदण्ड़ का फैसला सुनाया। जबकि, साक्ष्य अभाव में तीन अन्य आरोपियों को बरी कर दिया गया।

इक ख्वाहिश फाउंडेशन की शानदार अनूठी पहल

खाटूश्याम जी के जन्मोत्सव पर किया रक्तदान

सीकर (हुक्मनामा समाचार)। बाबा खाटू श्याम जी का जन्मदिवस भक्ति भाव के साथ मनाया गया। इस मौके पर आयोजित शिविर में में लोगों ने रक्तदान भी किया। बाबा श्याम के जन्मोत्सव के उपलक्ष में इक ख्वाहिश फाउंडेशन एनजीओ सीकर एवं जल सेवा समिति खाटू श्याम जी के संयुक्त तत्वाधान में दूसरा रक्तदान सेवा शिविर का हुआ आयोजन। फाउंडेशन की निदेशक डॉ सुनीता चौधरी ने बताया कि छत्तीसगढ़ भवन खाटू श्याम जी में आयोजित शिविर का मुख्य अतिथि खाटुश्याम जी मंदिर कमेटी के प्रताप सिंह चौहान एंव डॉ लक्ष्मण सिंह ओला पूर्व निदेशक चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण सेवाएं राजस्थान द्वारा दीप प्रज्जवलित कर शुभारंभ किया। इस मोके पर संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि डॉ.ओला ने बताया कि रक्तदान एक नेक और जीवन रक्षक कार्य है हर किसी को ब्लड डोनेट करना चाहिए। दीपक अग्रवाल ने बताया कि दोनों संस्था हर साल एकादशी के दिन डोनेशन केंप लगाती हैं जिसमें श्यामप्रेमी बढ़ चढ़कर भाग लेते।आज देश भर से लोग आए और रक्तदान शिविर में अहम भूमिका निभाई । सिंगर पप्पू शर्मा ने केम्प की सराहना करते हुए रक्तदान शिविर को भव्य आयोजन बताते हुए कहा कि रक्तदान जीवनदान होता है इसलिए रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं होता ।पंकज गर्ग ने बताया रक्तदान शिविर में 143 यूनिट ब्लड संग्रह हुआ। इस मौके पर शिक्षाविद श्यामसुंदर डीसीआई चेयरमैन राजेश भारद्वाज, सुलतान सिंह, सूर्य रोशनी के डायरेक्टर एस एन बंसल, अंकुर गुप्ता,शीतल पाण्डे सौरव शर्मा,ओमप्रकाश काजला अरमान नीतू कंवर रोहित, गौरव, अमित पीके जवाहर परमेश्वर आदि मौजूद रहे ।

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम की बैठक हुई

रतनगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी (एसडीएम) मिथलेश कुमार की अध्यक्षता में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम के संबंध में विचार विमर्श हेतु उपखंड कार्यालय में बैठक हुई। निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण पदाधिकारी (एसडीएम) द्वारा मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम 2026 के सबंध में प्रक्रिया के बारे में विस्तृत जानकारी दी। एसआईआर के दौरान सभी राजनैतिक दलों से सहयोग अपेक्षित है। राजनैतिक दलों के बुथ लेवल अभिकर्ता एसआईआर के दौरान समुचित सहयोग करें ताकि एसआईआर से सम्बन्धित कार्य समय अनुसार सम्पादित किये जा सके। बैठक में विभिन्न राजनैतिक दलों के ब्लॉक अध्यक्ष अर्जुन सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष, महेश सैनी, अध्यक्ष, प्रवीण शर्मा, तरूण कुमार चाकलान, ब्लॉक अध्यक्ष (कांग्रेस), भानीराम मेघवाल इन्द्राज खीचड, अरविन्द चाकलान, राजेश कुमार ब्लॉक अध्यक्ष (बसपा), मदन जाखड़, सचिव (सीपीआईएम) एवं घड़सीराम, पूर्व सरपंच गोलसर उपस्थित थे।

श्याम बाबा की शोभायात्रा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

चूरू (हुक्मनामा समाचार)। स्थानीय श्याम सेवा समिति श्याम परिवार चूरू का 16 वां वार्षिकोत्सव रविवार को समारोह पूर्वक मनाया जायेगा। कार्यक्रम को लेकर शनिवार को प्रतिभा नगर स्थित बद्रीनाथ मंदिर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई। आयोजन समिति के कैलाश चंद्र नवहाल ने बताया कि मंदिर के पुजारी पंकज चोटिया ने भव्य पूजा-अर्चना करवाई। समाजसेवी जगदीश झिखनाडिया व उमा देवी ने बाबा श्याम की ज्योत प्रज्वलित कर शोभायात्रा को रवाना किया। शोभायात्रा में भक्त दो निशान, 51 श्याम ध्वजा को हाथों में लेकर बाबा श्याम के भजनों पर थिरकते नजर आये। शोभायात्रा में विभिन्न प्रकार की झांकियां आकर्षण का केन्द्र रही। इसी क्रम में प्रतिभा नगर स्थित श्याम मंदिर में रविवार को भव्य रात्रि जागरण व श्याम जन्मोत्सव मनाया जाएगा। मंदिर के पुजारी संतोष भुढ़ाढ़रा ने बताया कि श्याम मित्र मंडल के तत्वाधान में रात्रि को श्याम जन्मोत्सव मनाया जाएगा। जागरण में गायकार आशीष शर्मा अपनी मधुर वाणी से भजनों की अमृत वर्षा करेंगे।

विप्र सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वेश जोशी का झुंझुनूं में भव्य स्वागत

कुलोदय दुर्गा मंदिर परिसर में हुआ सम्मान समारोह, सामाजिक एकता व संगठन सशक्तीकरण पर दिया बल

झुंझुनूं (हुक्मनामा समाचार)। विप्र समाज के गौरव और एकता के प्रतीक विप्र सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सर्वेश जोशी के झुंझुनूं आगमन पर एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम झुंझुनूं के निकटवर्ती ग्राम कुलोदय स्थित दुर्गा मंदिर परिसर में संपन्न हुआ, जिसमें जिलेभर से समाजजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।समारोह में सर्वेश जोशी का समाज के अग्रजों और कार्यकर्ताओं द्वारा माल्यार्पण एवं शॉल ओढ़ाकर अभिनंदन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि विप्र सेना पूरे देश में ब्राह्मण समाज के सम्मान, शिक्षा, संगठन और सामाजिक उत्थान के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि एकजुट होकर समाज अपनी बौद्धिक क्षमता और सांस्कृतिक परंपरा के बल पर राष्ट्र निर्माण में बड़ी भूमिका निभा सकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विप्र सेना के प्रदेश उपाध्यक्ष महेश बसावतिया ने की। समारोह में विशेष रूप से उपस्थित रहे नगर परिषद के पूर्व कमिश्नर राजेंद्र जोशी, पुजारी महासंघ राजस्थान के जिला अध्यक्ष बिनोद पुजारी, उपाध्यक्ष रामचंद्र पाटोदा तथा एडवोकेट रवि शुक्ला आचार्य योगीराज शास्त्री पुजारी संत कुमार शर्मा राम अवतार शर्मा नागेश शर्मा कमल शर्मा सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने कहा कि विप्र समाज को संगठित होकर सामाजिक समरसता और शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। कार्यक्रम का संचालन संयोजक मंडल के सदस्यों ने किया तथा अंत में आभार प्रदर्शन किया गया।समारोह के दौरान समाज की युवा पीढ़ी में उत्साह और नई ऊर्जा का संचार देखा गया।

राज्यपाल से कुलगुरु प्रो. पवन कुमार शर्मा ने की शिष्टाचार भेंट

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे से शनिवार को राजभवन में जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय, जोधपुर के नव नियुक्त कुलगुरु प्रो. पवन कुमार शर्मा ने मुलाकात की कुलगुरु बनने के बाद राज्यपाल से उनकी यह पहली शिष्टाचार भेंट थी।

कल्याण धाम में तुलसी विवाह का सावा पूजन कर लिया भगवान का लग्न

सीकर (हुक्मनामा समाचार)। कल्याण धाम सीकर में धर्मगुरु सनातन रत्न महंत विष्णु प्रसाद शर्मा के सानिध्य में तुलसी विवाह का सावा पूजन कर भगवान का लग्न लिया गया इस दौरान सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए 2 नवम्बर को देवउठनी एकादशी पर तुलसी विवाह एवं चातुर्मास में चल रहे जाप सायंकाल 07ः 00 बजे कल्याण जी महाराज को सवा करोड़ जाप समर्पण किए जाएंगे तत्पश्चात धूम धाम में भगवान की बारात स्वरूप शोभायात्रा निकाली जाएगी ।मन्दिर व्यवस्थापक रवि प्रसाद शर्मा ने बताया कि 4 नवम्बर 2025 को सायंकाल 07ः00 बजे वैकुंठ श्रृंगार एवं महाआरती की जाएगी 5 नवम्बर को दोपहर 12;00 बजे हवन पूर्णाहुति 12ः15 बजे महाआरती , 12;30 बजे महाप्रसाद , सायं काल 06ः15 बजे ,दीपोत्सव सायं काल 07ः00 बजे महाआरती इत्यादि कार्यक्रम होंगे।

दिल्ली-जयपुर गरीब रथ के कोच के नीचे लगी आग

अलवर स्टेशन से पहले ट्रेन झटके के साथ रुकी

अलवर। अलवर के तिजारा फाटक के पास दिल्ली से जयपुर की ओर जा रही गरीब रथ एक्सप्रेस ट्रेन के एक कोच के नीचे करीब 11.45 बजे अचानक आग लग गई। कोच से धुआं उठता देख यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। ट्रेन झटके के साथ रुक गई। इसके बाद यात्री घबराकर नीचे उतर गए। सूचना मिलते ही ट्रेन कर्मचारी और इलेक्ट्रिशियन मौके पर पहुंचे। जांच में पाया गया कि कोच के ब्रेक चिपक गए, जिससे नीचे आग लग गई। ट्रेन में लगे फायर सिस्टम से आग पर तुरंत काबू पा लिया गया। कर्मचारियों ने करीब 45 मिनट की मशक्कत के बाद कोच के ब्रेक सही किए। इस दौरान ट्रेन करीब एक घंटे तक तिजारा फाटक के पास खड़ी रही। आग पर नियंत्रण के बाद यात्रियों को फिर से ट्रेन में बैठाया गया। इसके बाद ट्रेन को सुरक्षित रूप से रवाना किया गया। जो अलवर जंक्शन पहुंचने के बाद आगे जयपुर-अजमेर मार्ग के लिए निकल गई।

अलवर स्टेशन से 2 किलोमीटर पहले रुकी ट्रेन दिल्ली से आए यात्री महेंद्र ने बताया कि ट्रेन अलवर स्टेशन से लगभग दो किलोमीटर पहले झटके के साथ रुकी थी। यात्री नीचे उतरे तो कोच के नीचे से सफेद धुआं निकलता दिखाई दिया।

इलेक्ट्रिशियन बोले- किसी को कोई नुकसान नहीं हुआ ट्रेन के इलेक्ट्रिशियन सर्वेश चतुर्वेदी ने बताया कि घटना में किसी यात्री को कोई नुकसान नहीं हुआ। हालांकि, एहतियातन फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंची थी, लेकिन तब तक कर्मचारियों ने आग पर पूरी तरह काबू पा लिया था।

स्टेशन मास्टर राजेश मीणा का कहना है की अलवर से पहले खैरथल स्टेशन से चलने के बाद यात्रियों ने ट्रेन की चेन खिंच दी। इसके बाद पहिए के पास लगी लबड़ गर्म हो गई। इसकी वजह से धुंआ उठा। अलवर शहर के पास बने रेलवे के केबिन के पास ट्रेन रुक गई। इसके बाद आग पर काबू पाया। जीअरपी थाने के एएसआई सत्येंद्र कुमार ने बताया- ट्रेन के जी 7, जी 8 और जी 15 के कोच के पास आग लगी थी। इसके बाद यात्री ट्रेन से नीचे उतर गए। जो अलवर जंक्शन पर उतरने वाले थे। वो वहीं से उतर कर चले गए क्योंकि डर गए थे।

वीडीओ भर्ती परीक्षा आज

जींस पहनकर आ सकेंगे अभ्यर्थी

जयपुर। राजस्थान में 2 नवंबर को 850 पदों पर ग्राम विकास अधिकारी (वीडी ओ) भर्ती परीक्षा होगी। इसके लिए 5 लाख 40 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। ऐसे में वीडीओ के 1 पद के लिए लगभग 635 अभ्यर्थियों के बीच प्रतिस्पर्धा होगी। पहली बार राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने परीक्षा एक ही पारी में आयोजित कराने का फैसला किया है। इसके साथ सेंटर को भी ड्रेस कोड के लिए गाइडलाइन भेज दी है।

जिसके अनुसार अभ्यर्थी जींस की पैंट पहन कर आता है तो परीक्षा केंद्र अधीक्षक जांच के बाद उसे एंट्री दे सकेंगे। वहीं 6 जिलों के परीक्षार्थियों के एडमिट कार्ड के साथ एक विशेष लिंक दिया गया है। इस पर क्लिक करके अभ्यर्थी अपने केंद्र की जानकारी ले सकेंगे। गूगल लोकेशन या मुख्य दरवाजे की फोटो अपलोड नहीं हो पाई है। लेकिन इसमें बस स्टैंड और रेलवे स्टेशन से परीक्षा केंद्र तक कैसे पहुंचना है, इसकी दिशा और अन्य जरूरी जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड अध्यक्ष आलोक राज ने बताया- परीक्षा एक पारी में आयोजित करवाई जा रही है। इससे अभ्यर्थियों को नॉर्मलाइजेशन जैसे मुद्दे पर परेशान नहीं होना पड़ेगा। पहली बार परीक्षा सुबह 11 बजे से शुरू की जा रही है। ताकि दूर-दराज के इलाकों से आने वाले अभ्यर्थी समय पर परीक्षा केंद्र तक पहुंच सकें। उन्हें सुबह जल्दी आने की हड़बड़ी न हो।

आलोक राज ने बताया- अभ्यर्थियों की यह शिकायत रहती थी कि उन्हें परीक्षा केंद्र ढूंढने में काफी मुश्किल होती है। इस समस्या को दूर करने के लिए बोर्ड ने एक नई सुविधा शुरू की है। ऐसे में अभ्यर्थियों के एडमिट कार्ड के साथ एक विशेष लिंक दिया गया।

इस पर क्लिक करके अभ्यर्थी अपने केंद्र की जानकारी ले सकेंगे। यह सुविधा अभी पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर 6 बड़े जिलों में शुरू की गई है। फिलहाल इसमें गूगल लोकेशन या मुख्य दरवाजे की फोटो अपलोड नहीं हो पाई है।

ऑपरेशन सिंदूर भारत की आत्मनिर्भरता का सबूत-कर्नल सोफिया

जंग अब बंकरों या गोलियों से नहीं, बल्कि बाइट्स-बैंडविड्थ से भी लड़ी जाएगी

नई दिल्ली। भारतीय सेना की कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर से भारत की युद्ध रणनीति में बड़ा बदलाव आया है। यह ऑपरेशन भारत की 'मल्टी-डोमेन प्रिसीजन वॉरफेयर' का प्रमाण बन गया है। पाकिस्तान ने इस दौरान 'इन्फॉर्मेशन वॉरफेयर' भी छेड़ी थी, इसलिए युवाओं को डिजिटल साक्षरता बढ़ाने और फेक न्यूज से सावधान रहने की जरूरत है। कर्नल कुरैशी मानेकशॉ सेंटर में आयोजित चाणक्य डिफेंस डायलॉग : यंग लीडर्स फोरम में स्पीकर के तौर पर पहुंची थीं। जहां उन्होंने भारत की युद्ध रणनीति में युवाओं की भूमिका पर अपनी बात रखी।

उन्होंने युवाओं से कहा- आप भारत की युवा शक्ति हैं - आप फायरपावर में ही नहीं, बल्कि फायरवॉल्स में भी प्रशिक्षित हैं। अब युद्ध केवल बंकरों या गोलियों से नहीं, बल्कि बाइट्स और बैंडविड्थ से भी लड़ा जाता है।

भारत ने 7 मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में मौजूद 9 आतंकी ठिकानों को नष्ट किया। भारत ने 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के जवाब में इस ऑपरेशन को अंजाम दिया था।

सेना प्रमुख की अगुआई में भारतीय सेना अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में युवाओं को प्रशिक्षण दे रही है, और इसके लिए आईआईटी, डीआरडीओ तथा अन्य संस्थानों के साथ मिलकर काम किया जा रहा है। कर्नल ने युवाओं को एबीसी ऑफ किड्स का मंत्र दिया, यानी एजाइल एंड अलर्ट, बोल्ड एंड ब्रेव, कॉम्पिटेंट एंड कैरेक्टर, नॉलेज एंड इनोवेशन, डिसिप्लिन एंड डायनामिक, सिंसियर एंड कंट्रीब्यूटर। तीनों सेनाओं के तालमेल, आत्मनिर्भरता और नवाचार को भी इस ऑपरेशन की सफलता का कारण बताया। सेना,आईआईटी और डीआर डीओ के साथ मिलकर युवा अधिकारियों को एआई, साइबर और अन्य तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षण दे रही है। भारत की 65 प्रतिशत आबादी 35 साल से कम उम्र की है और यह स्ट्रेटेजिक रिजर्व है। जो देश की 'स्ट्रैटेजिक रिजर्व' यानी रणनीतिक शक्ति है।

पहले हमारे समय 7 प्रतिशत महिलाएं अधिकारी बनती, अब करीब 50 प्रतिशत

डिजिटल अरेस्ट से सावधान रहे-आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा

उदयपुर। उदयपुर में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा- देश में डिजिटल क्रांति से शहरों से लेकर गांवों तक हर व्यक्ति जुड़ा है, लेकिन हमें इसमें सावधानी बहुत रखनी है और खासकर बुजुर्गों को कि वे डिजिटल अरेस्ट और फ्रॉड में नहीं फंस जाएं। संजय मल्होत्रा ने कहा- जब हमने नौकरी जॉइन की थी तब हम कार्यक्रमों में जाते थे तो महिलाओं की संख्या बहुत कम रहती थी। मैंने कल ही कई नए अधिकारियों से बातचीत की तब उनको पूछा कि हमारे बैच में तो छह से सात प्रतिशत महिलाएं होती थी, आपके बैच में कितनी महिलाएं थी तो उन्होंने बताया कि लगभग 33 से 50 प्रतिशत महिलाएं।

मल्होत्रा ने आगे कहा- आज इस कार्यक्रम में भी 50 प्रतिशत महिलाएं शामिल हुई है, बहुत खुशी हो रही है। आपकी उदयपुर की संभागीय आयुक्त प्रज्ञा केवलरमानी महिला है, यहां बैंक की अधिकारी महिलाएं है। बहुत खुशी है कि महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही है। संजय मल्होत्रा ने उदयपुर में आरबीआई के आपकी पूंजी-आपका अधिकार अभियान में ये बातें कही। मैंने उदयपुर में भी काम किया आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा- झीलों की नगरी उदयपुर में भी मैंने अपने करियर के दौरान काम किया था। मुझे खुशी है कि आरबीआई में जाने के बाद राजस्थान से मेरा पहला दौरा उदयपुर से हो रहा है। उदयपुर के साथ जो प्रेम है, वो सिर्फ मेरा नहीं है, बल्कि मैं पूरे राजस्थान की नौकरशाही के व्यवहार पर कह सकता हूं। सभी जिलों में जब प्राथमिकता या पोस्टिंग की बात आती है, तो उदयपुर हमेशा ऊपर के नंबरों पर रहता है। मल्होत्रा जून 2009 में उदयपुर में जनजाति आयुक्त के पद पर और उसके बाद अगस्त 2009 में राजस्थान स्टेट माइंस एंड मिनरल्स लिमिटेड के एमडी रहे थे।

आज हर व्यक्ति के पास डिजिटल बैंक खाता आरबीआई के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा- जब हमने नौकरी शुरू की थी, तब हम इसी प्रकार के कैंपों में जाते थे और साक्षरता की बात करते थे। आज देश में हर व्यक्ति के पास बैंक खाता है और सबके पास डिजिटल बैंक खाता है। उन्होंने आगे कहा कि अब वित्तीय डिजिटल समावेश साक्षरता की बात हो रही है। आज पूरे राजस्थान में बैंक खाता धारक व्यक्तियों के पास डिजिटल बैंक अकाउंट है, या तो वे नेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग या एटीएम से जुड़े हुए हैं।

पुराने खातों की ई केवाईसी जरूर कराए मल्होत्रा ने कहा कि डिजिटल साक्षरता, वित्तीय साक्षरता से जुड़ रही है, लेकिन हमें बहुत सावधानी बरतनी चाहिए। जिस तरह से आजकल डिजिटल फ्रॉड और डिजिटल अरेस्ट हो रहे हैं, खासकर सीनियर सिटिजन के साथ, उसके प्रति बहुत सावधान रहने की आवश्यकता है।

साइबर और डिजिटल फ्रॉड से बचने के लिए पुराने खातों की ई-केवाईसी जरूर कराएं। ग्राहकों की सुविधा और उनका हित सर्वोपरि होना चाहिए। हमें अपने ग्राहकों तक पंचायत स्तर तक पहुंचना चाहिए।

101.47 करोड़ रुपए के असली वारिसों को बुलाया शिविर में उदयपुर जिले में कई सालों से 2,86,243 बैंक खातों में जमा 101.47 करोड़ रुपए को उनके असली वारिसों तक पहुंचाने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।भारतीय रिजर्व बैंक राजस्थान के उप महाप्रबंधक विकास अग्रवाल ने बताया कि इन रुपयों को बैंक की भाषा में अनक्लेम्ड डिपॉजिट या अदावाकृत जमा कहा जाता है। यह अनक्लेम्ड डिपॉजिट सही हाथों में पहुंच जाए, इसके लिए भारत सरकार के निर्देश पर आरबीआई की ओर से इस अभियान को शुरू किया गया है।

रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया के गवर्नर संजय मल्होत्रा का उदयपुर प्रवास पर विद्युत परिवार ने आज होटल मेरियट में स्वागत किया। कार्यक्रम में अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड के संभागीय मुख्य अभियंता आई आर मीणा, अधीक्षण अभियंता के आर मीणा, भारतीय मजदूर संघ की ओर से अमर सिंह सांखला एवं अन्य पदाधिकारी एवं अभियन्ता गण मौजूद रहे।

उल्लेखनीय है कि मल्होत्रा पूर्व में प्रमुख सचिव ऊर्जा, राजस्थान राज्य विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे है।

राजे के बिना हमारा काम नहीं चलता-मदन राठौड़

अंता। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने अंता विधानसभा उपचुनाव में जीत का दावा किया। उन्होंने कहा-सामने कौन है। हमें इसकी कोई चिंता नहीं है। हमारे संगठन की बूथ लेवल तक की व्यवस्था है। बता दें कि अंता में उपचुनाव के लिए 11 नवंबर को वोटिंग होगी। इसे लेकर सभी पार्टियां पूरा जोर लगा रही हैं। इसी कड़ी में बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ और झालावाड़-बारां सांसद दुष्यंत सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार की उपलब्धियों को गिनाया। साथ ही कांग्रेस नेताओं पर भी जमकर निशाना साधा। मदन राठौड़ ने किया जीत का किया दावा प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान मदन राठौड़ ने जीत का दावा करते हुए कहा पूर्व सीएम वसुंधरा राजे को लेकर मदन राठौड़ ने कहा-पूर्व मुख्यमंत्री नियमित मीटिंग ले रहीं हैं। उनके बिना तो हमारा काम चलता ही नहीं है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी यहां जल्दी आएंगे। सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए प्रदेशाध्यक्ष ने कहा- मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान सरकार का 18 महीने का कार्यकाल जनसेवा, सुशासन और विकास का स्वर्णिम अध्याय साबित हुआ है। भाजपा सरकार ने गरीब, किसान, महिला और युवा हर वर्ग के कल्याण के लिए अभूतपूर्व निर्णय लिए हैं। राठौड़ बोले-अचानक राज्यसभा भेज दिया, अचानक प्रदेशाध्यक्ष बना दिया अंता से मंत्री बनाने के सवाल पर राठौड़ ने कहा-भविष्य में किसके भाग्य में क्या लिखा है। मेरे भाग्य में भी क्या लिखा था कह नहीं सकता। अचानक राज्यसभा में भेज दिया।

सीएम बिना कल की चिंता किए जमकर ऑथोरिटी से राज करें, तभी राजस्थान का भला होगा-गहलोत

जयपुर। पूर्व सीएम अशोक गहलोत ने सीएम भजनलाल शर्मा को कल की चिंता किए बिना पूरी ऑथोरिटी से राज करने की सलाह दी है। गहलोत ने कहा- पहली बार एमएलए बने और मुख्यमंत्री बन गए तो उनको तो पूरी ऑथोरिटी के साथ राज करना चाहिए। कल की चिंता नहीं करनी चाहिए, तब वह कामयाब होंगे।

उन्होंने कहा- हमारे भजनलाल पंडित हैं। वे कल की चिंता करते हैं। हम उनको कहते हैं, आप कल की चिंता मत करो। जमकर राज करो और ऑथोरिटी से राज करो तो राजस्थान का भला होगा। आप सुशासन दे पाओगे। गुड गवर्नेंस दे पाओगे तो जनता का भला होगा कि नहीं होगा। गहलोत जयपुर आवास पर मीडिया से बातचीत कर रहे थे। स्लीपर बस हड़ताल पर अशोक गहलोत ने कहा- सरकार को चाहिए कि इन्हें बुलाकर बात करे, उनसे समझाइश करें। डेमोक्रेसी में यही होता है। हमारे समय भी यह प्रॉब्लम आई थी तो हमने बैठकर बातचीत की थी। हल निकाला और ऐसी स्ट्राइक करने की नौबत ही नहीं आई। यह तो उनकी ड्यूटी है, लेकिन इनके यह सब जिम्मेदारी निभाएं कौन समस्या यह है? गहलोत ने कहा- रेप हो रहे हैं। डकैती होना, हत्या होना यह तो आम बात हो गई है। मुख्यमंत्री को इतना बड़ा चांस मिला है। चारों ओर हाहाकार मचा हुआ है। लोग कहते हैं कि हमारी सुनवाई नहीं हो रही है। हम लोग शिकायत करने किसके पास जाएं? राजस्थान में मैंने लोगों को इतना दुखी होते कभी नहीं देखा, जितने पंडित भजनलाल के शासन में हो रहे हैं।

'सहकार सदस्यता अभियान' से राज्य में मजबूत हुआ सहकारिता का नेटवर्क

'सहकार से समृद्धि' की संकल्पना को साकार कर रही राज्य सरकार

- 7.34 लाख के निर्धारित लक्ष्य की तुलना में 8.90 लाख से अधिक नए सदस्य बनाये गए
- 1,706 ग्राम पंचायतों में पैक्स गठन के लिए सर्वे की कार्यवाही पूर्ण
- 1,342 सहकारी समितियों में गोदाम निर्माण के लिए हुआ भूमि का चिन्हीकरण

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान 'सहकार से समृद्धि' की संकल्पना को साकार करने में देश के अग्रणी राज्यों में शुमार है। राज्य में सहकारिता का नेटवर्क जमीनी स्तर तक मजबूत कर आमजन को अधिक से अधिक संख्या में लाभान्वित करने के निरन्तर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अक्टूबर माह में आयोजित किया गया 'सहकार सदस्यता अभियान' राज्य में सहकार आंदोलन को नई ऊंचाइयां देने की दिशा में अहम कड़ी साबित हुआ है। 'सहकार सदस्यता अभियान' की अवधि पूर्व में 2 से 15 अक्टूबर तक निर्धारित की गई थी, जिसे आशाजनक परिणामों के फलस्वरूप बाद में 22 अक्टूबर तक बढ़ाया गया। अभियान के अंतर्गत लगभग 8,500 पैक्स के स्तर पर शिविरों का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस दौरान प्रमुख रूप से 5 प्रकार की गतिविधियां आयोजित कर उनमें आशानुरूप परिणाम प्राप्त किये गए। युवाओं एवं महिलाओं को अधिक से अधिक संख्या में सहकारिता से जोड़ना अभियान के अंतर्गत सबसे प्रमुख गतिविधि थी। इस दिशा में बेहतरीन कार्य करते हुए अभियान की अवधि में सहकारी समितियों के 8.90 लाख से अधिक नए सदस्य बनाए गए। यह निर्धारित लक्ष्य 7.34 लाख की तुलना में लगभग 21.25 प्रतिशत अधिक है।

अभियान के अंतर्गत जयपुर संभाग में 1.25 लाख नये सदस्य बनाये जाने का लक्ष्य था, जिसकी तुलना में 2.03 लाख सदस्य बनाये गए। उदयपुर संभाग में 1.01 लाख सदस्यों के निर्धारित लक्ष्य की तुलना में 1.30 लाख नये सदस्य बनाये गए। अजमेर संभाग में 1.15 लाख सदस्यों के निर्धारित लक्ष्य के मुकाबले 1.22 लाख नये सदस्य बनाये गए। जबकि, बीकानेर संभाग में 99 हजार के लक्ष्य की तुलना में 1.19 लाख सदस्य बनाये गए। इसी प्रकार, कोटा संभाग में 53 हजार के लक्ष्य की तुलना में लगभग 68 हजार एवं भरतपुर संभाग में 74 हजार के लक्ष्य के मुकाबले लगभग 95 हजार नये सदस्य बनाये गए। जोधपुर संभाग में 1.53 लाख नये सदस्य बनाये गए।

अभियान अवधि के दौरान पैक्सविहीन ग्राम पंचायतों में नवीन पैक्स गठन की कार्यवाही के तहत 1,706 ग्राम पंचायतों में सर्वे की कार्यवाही पूर्ण की गई। इस दौरान 1,296 पैक्स हेतु जिला स्तरीय कमेटी की बैठक आयोजित की गई। जबकि, 1275 पैक्स के गठन हेतु प्रस्ताव विभाग को प्राप्त हुए। इस दौरान भूमिविहीन या अपर्याप्त भूमि वाली 1,342 सहकारी समितियों में गोदाम निर्माण हेतु भूमि का चिन्हीकरण किया गया तथा 1,215 सहकारी समितियों द्वारा भूमि आवंटन के लिए आवेदन किया गया।

'सहकार सदस्यता अभियान' के अंतर्गत पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लम्बित आवेदनों में से 38 हजार 850 कृषकों की आधार सीडिंग व 27 हजार 640 कृषकों की ई-केवाईसी का कार्य भी पूर्ण किया गया। साथ ही, इस दौरान 11 लाख से अधिक लोगों को प्रस्तावित नवीन सहकारी कानून के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी प्रदान गई।

'सहकार सदस्यता अभियान' के अंतर्गत बड़ी संख्या में युवाओं एवं महिलाओं के सहकारी समितियों से जुड़ने से राज्य में जमीनी स्तर पर पर सहकारिता का नेटवर्क और अधिक मजबूत हुआ है, जिससे अधिक लोगों तक सुचारू रूप से जनकल्याणकारी योजनाओं की पहुंच सुनिश्चित होगी। पैक्सविहीन ग्राम पंचायतों में नवीन पैक्स के गठन से जमीनी स्तर पर सहकारिता का व्यापक नेटवर्क होगा, जिसका किसानों व ग्रामीणों को प्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा। भूमिविहीन समितियों को भूमि आवंटन हो जाने से इन समितियों में गोदाम के निर्माण की राह प्रशस्त होगी, जिससे राज्य की भण्डारण क्षमता में आशातीत वृद्धि होगी। आधार सीडिंग और ई-केवाईसी का कार्य पूर्ण होने से किसानों को पीएम किसान सम्मान निधि योजना सुचारू रूप से लाभ मिल पाएगा। जबकि, प्रस्तावित नवीन को-ऑपरेटिव कोड के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी आमजन के लिए उपयोगी साबित होगी। अभियान के बाद भी निरन्तर फॉलो अप करते हुए इन कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है।

CMYK

मधु कुमावत बिहार के दौरे पर, प्रचंड बहुमत से सत्ता में आएगी बीजेपी

सीकर (हुक्मनामा समाचार)। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा प्रदेश नेतृत्व ने पूर्व प्रदेश मंत्री भाजपा मधु कुमावत को बिहार के मुंगेर विधानसभा क्षेत्र की जिम्मेदारी दी प्रदेश नेतृत्व से मिली जिम्मेदारी के तहत कुमावत बिहार के दौरे पर बिहार के मुंगेर विधानसभा क्षेत्र में घर घर जाकर महिलाओं को भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील कर रही। कुमावत ने बताया कि बिहार की जनता में भाजपा के प्रति शानदार रुझान चलते बिहार में भाजपा गठबंधन निश्चित रूप से सतासीन होगा। उन्होंने बताया कि केंद्र की मोदी सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के चलते बिहार के लोग भाजपा को प्रदेश की बागडोर देने को आतुर। कुमावत ने अपने बिहार दौरे का अनुभव शेयर करते हुए बताया कि महिलाएं चुनाव को लेकर कभी उत्साहित। मधु कुमावत के अलावा बिहार के अनेक विधानसभा क्षेत्र में राजस्थान की कई महिलाओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां दी। जो बेखूबी अपनी जिम्मेदारियो का निर्वहन कर पार्टी को मजबूती प्रदान करने के साथ भाजपा को जीतने के लिए की जान से जुटी है।

परीक्षा में अतिरिक्त बसों के संचालन के लिए दिया ज्ञापन

सीकर (हुक्मनामा समाचार)। एसएफआई जिला सचिव राकेश मुवाल ने बताया कि छात्र संगठन एसएफआई ने 2 नवंबर को पूरे प्रदेश में आयोजित होने वाली ग्राम विकास अधिकारी परीक्षा के लिए निजी बसों के हड़ताल के चलते रोड़वेज डिपो से अतिरिक्त बच्चों के संचालन हेतु जिला कलेक्टर को दिया ज्ञापन और मांग की कि जिन जिलों में जितने ज्यादा विद्यार्थियों का परीक्षा केंद्र आया है उसके अनुसार अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाए। जिससे जिन विद्यार्थियों का परीक्षा केंद्र दूर दराज इलाके में आया उनको परेशानी का सामना ना करना पड़े और वह आसानी से परीक्षा केंद्र तक पहुंच सके। इस मौके पर जिला कलेक्टर ने सीकर बस आगार के मुख्य प्रबंधक से दूरभाष पर वार्ता करके बताया कि विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त बसों का संचालन किया जाएगा। इस मौके पर जिला सचिव राकेश मुवाल, जिला उपाध्यक्ष संदीप नेहरा,समीर खत्री ,त्रिलोक चौधरी ,धर्मेंद्र नैण आदि उपस्थित रहे।

निकाय और पंचायत चुनावों में भी 10 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने की मांग की

खैरथल (हुक्मनामा समाचार)। खैरथल सनातन ब्राह्मण कल्याण फाउंडेशन की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शिवानी शर्मा के नेतृत्व में जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को नगर निकाय व पंचायत चुनावों में भी अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की तर्ज पर 10 प्रतिशत प्रतिनिधित्व दिए जाने की मांग की गई। शिवानी शर्मा ने बताया कि ईडब्ल्यूएस समुदाय को सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान तो है, लेकिन 1 अब तक गरीब सवर्णों को इसका वास्तविक लाभ नहीं मिल पाया है। ज्ञापन में कहा कि जिस तरह - एससी, एसटी और ओबीसी समुदायों को आरक्षण के अनुरूप चुनावों में प्रतिनिधित्व दिया जाता है, उसी तरह ईडब्ल्यूएस वर्ग को भी समान अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब केंद्र और राज्य सरकारों की नौकरियों व शिक्षण संस्थानों में ईडब्ल्यूएस वर्ग को आरक्षण प्राप्त है, तो चुनावी प्रतिनिधित्व से उन्हें वंचित रखना अनुचित है। यह व्यवस्था लागू होने से ईडब्ल्यूएस समुदाय भी राजनीति की मुख्यधारा में शामिल होकर अपने क्षेत्र के विकास में सक्रिय योगदान दे सकेगा। इस दौरान शिवानी शर्मा के साथ रेखा देवी, मनोज, सीता देवी, अरुणा, सोना देवी, विनीता सहित अन्य उपस्थित रहे।

दो वर्षीय बच्ची लावारिस हालत में सड़क किनारे मिलने पर फैली सनसनी

कठूमर (हुक्मनामा समाचार)। नवंबर कठूमर कस्बे के मसारी रोड पर शनिवार को दोपहर बाद सड़क किनारे झाड़ियों में एक दो वर्षीय छोटी बच्ची मिलने पर लोगों का तांता लग गया। सूचना पर कठूमर थाना पुलिस मौके पर पहुंची हैंड कांस्टेबल रघुवीर सिंह ने बताया कि सड़क किनारे झाड़ियां में लावारिस हालत में दो वर्षीय छोटी बच्ची मिली है। आसपास लोगों से संपर्क कर बच्ची के माता-पिता की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं। जानकारी नहीं मिलने पर बच्ची को चाइल्ड लाइन केयर होम भेजा जाएगा। इधर मिली जानकारी अनुसार सुरेंद्र सिंह चौधरी निवासी दुधेरी मसारी से कठूमर की तरफ आ रहा था कि रास्ते में सड़क किनारे झाड़ियां में एक दो वर्ष की बच्ची बैठी रो रही थी। उन्होंने शंका जाहिर की और अपनी मोटरसाइकिल रोक कर आसपास लोगों से जानकारी नहीं मिलने पर पुलिस को सूचना दी। लोगों के अनुसार आज खादू श्याम मंदिर में प्रांण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में आसपास के सैकड़ो लोगों का जहां आना हुआ वहीं कोई अज्ञात महिला एक दो वर्षीय बालिका जिसके तन पर मात्र एक चड्डी पहने हुए।

वार अगेंस्ट लार्वा मिशन में जुटे स्वास्थ्यकर्मी

राजस्थान एपिडेमिक एक्ट के तहत घर, भूखण्ड, निर्माणाधीन साइट में लार्वा मिलने पर भवन मालिक दिए जाएंगे नोटिस, कटेगा चालानः डॉ. नवनीत शर्मा

हनुमानगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। मौसम में बदलाव के साथ ही चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीमें सक्रिय होकर घरों एवं सार्वजनिक स्थानों पर मच्छरजनित लार्वा की जांच कर उन्हें नष्ट कर रही है। साथ ही फोगिंग, एंटीलार्वा गतिविधियां और जनजागरुकता गतिविधियों में भी तेजी लाई गई है। जिला एवं खण्ड स्तरीय अधिकारियों सहित समस्त स्वास्थ्यकर्मी भी फील्ड में उतरकर व्यापक सर्वे और आमजन को जागरुक कर रहे हैं। अधिकारियों ने आमजन से अपील की है कि घरों में पानी जमा न होने दें और बुखार की स्थिति में तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केन्द्र में जाकर जांच करवाएं। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों डॉ. नवनीत शर्मा ने बताया कि राज्य के कुछेक जिलों में मच्छरजनित बीमारियों का प्रकोप बढ़ रहा है। स्वास्थ्यकर्मियों की टीमें गत तीन माह से घर-घर में व्यापक सर्वे, एंटीलॉर्वल एक्टीविटी एवं जनजागरुकता के कार्यों में जुटी हुई है।

सभी बीसीएमओ, मेडिकल ऑफिसर्स, बीपीओ, ब्लॉक आशा सुपरवाइजर, प्राथमिक स्वास्थ्य सुपरवाइजर 5-5 घरों में लार्वा रोधी गतिविधियों का सत्यापन करेंगे। सर्वे का मुख्य उद्देश्य डेंगू के लार्वा की पहचान करना और उसे नष्ट करना है। टीम उन स्थानों पर विशेष ध्यान दे रही हैं, जहां पानी जमा होने की संभावना अधिक होती है, जैसे कि कूलर, गमले, टूटे बर्तन, टायर आदि। सर्वे के दौरान जहां भी मच्छर का लार्वा पाया जा रहा है, उसे तुरंत नष्ट किया जा रहा है। वहीं स्वास्थ्य कर्मी लोगों को डेंगू के लक्षणों व इससे बचाव के उपायों के बारे में भी जागरूक कर रहे हैं।

मनाक्सिया कोटेड मेटल्स का मुनाफा 491 प्रतिशत उछला

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। मनाक्सिया कोटेड मेटल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड एक अग्रणी कोटेड स्टील निर्माता और निर्यातक कंपनी है। यह कंपनी प्री-पेंटेड गैल्वनाइज्ड स्टील और प्लेन गैल्वनाइज्ड स्टील के कॉइल और शीट दोनों रूपों में विशेषज्ञता रखती है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही (क्यू 2) और पहली छमाही (एच 1) के लिए अपने अनऑडिटेड वित्तीय परिणाम घोषित किए हैं।मनाक्सिया कोटेड मेटल्स एंड इंडस्ट्रीज लिमिटेड के होल टाइम डायरेक्टर करण अग्रवाल ने कहा, हम एमसीएमआईएल के लिए एक और मजबूत तिमाही की रिपोर्ट देने के लिए, प्रसन्न हैं, जो ठोस परिचालन प्रदर्शन, लाभप्रदता में महत्वपूर्ण सुधार और हमारी रणनीतिक विकास पहलों के निरंतर क्रियान्वयन द्वारा चिह्नित है। वित्त वर्ष 2026 की दूसरी तिमाही (क्यू 2) में राजस्व साल-दर-साल 26.66 प्रतिशत बढ़कर 223.68 करोड़ तक पहुंचा, जिसे निर्यात मात्रा और विविध उत्पाद मिश्रण ने प्रेरित किया। हमारी ईबीआईटीडीए (ईबीआईटीडीए) दोगुनी से अधिक बढ़ी, साल-दर-साल 112.95 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 29.45 करोड़ तक पहुंची, और मार्जिन 534 बेसिस पॉइंट्स बढ़कर 13.17 प्रतिशत हो गया — जो मूल्य संवर्धन, लागत अनुकूलन और संचालन अनुशासन के प्रति हमारी निरंतर कोशिशों को दर्शाता है। इस मजबूत प्रदर्शन का परिणाम 13.96 करोड़ के शुद्ध लाभ (क्ष्रह) के रूप में सामने आया, जो साल-दर-साल 491 क्यू की शानदार वृद्धि है, और उच्च पीएटी मार्जिन 6.24 क्यू रहा।हमारी निर्यात बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जो अब कुल राजस्व का 85 क्यू से अधिक योगदान देती है, और यह हमारे वैश्विक ग्राहक संबंधों की मजबूती और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता को दर्शाता है। साथ ही, कंपनी का कर्ज कम करने और सतर्क वित्तीय प्रबंधन पर ध्यान देने का परिणाम यह हुआ कि ऋण-से-इक्विटी अनुपात (शेयरपूंजी अनुपात को ऋण) 1.19× तक सुधार गया, और कुल ऋण मार्च 2025 से 27ä तक घट गया।इन वित्तीय उपलब्धियों के साथ-साथ, हमने अपने प्रमुख पूंजीगत परियोजनाओं में भी महत्वपूर्ण प्रगति की है।

वेटरनरी लैब का शुभारंभ, पशु उपचार में आएगी गुणवत्ता

भुसावर (हुक्मनामा समाचार)। खंड पशु चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय भुसावर में आज पशु चिकित्सा प्रयोगशाला का शुभारंभ नोडल अधिकारी डॉ विजय पहाड़िया एवं लैब टेक्नीशियन वेद प्रकाश शर्मा द्वारा किया गया अब ब्लॉक स्तर पर ही पशुओं के विभिन्न सैंपल यथा खून ,गोबर ,मूत्र, दूध ,स्किन , आदि की जांच हो सकेगी जिससे पशुओं के रोगों की सही पहचान करके निशुल्क इलाज किया जायेगा। बीवीएचओ भुसावर पर नोडल क्षेत्र भुसावर के सभी पशु चिकित्सा कार्मिकों की मासिक बैठक का आयोजन किया गया।

एक दिवसीय गैर आवासीय साक्षरता कार्यक्रम आयोजित

रतनगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। सेठ नागरमल बाजोरिया राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में एक दिवसीय गैर आवासीय साक्षरता कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षण सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर ब्लॉक के समस्त पीईईओ, यूसीईईओ व साक्षरता प्रभारी शिक्षको तथा स्वयंसेवकों ने भाग लिया।कार्यक्रम का शुभारम्भ सीबीईओ संदीप व्यास के मुख्य आतिथ्य एवं बाजोरिया विद्यालय के प्रधानाचार्य कन्हैयालाल शर्मा के आतिथ्य में सम्पन्न हुआ । जिला साक्षरता कार्यालय से प्रोग्राम अधिकारी राजेन्द्र प्रसाद ने उल्लास एप एवं उसके प्रयोग के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

रतनगढ़ में रीको स्थित हैंडीक्राफ्ट फैक्ट्री में लगी आग : हुआ लाखों का नुकसान

रतनगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। रीको औद्योगिक क्षेत्र में स्थित हैंडीक्राफ्ट फैक्ट्री में आज शनिवार को अज्ञात कारणों से आग लग गई। आग की लपटें देखकर लोगों में अफरा-तफरी मच गई तथा दमकल को सूचना दी। रीको एवं नगरपालिका की दमकलों ने पानी डालकर करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। घटना में लाखों रुपए का नुकसान हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रीको के रोड़ संख्या तीन पर जांगिड़ इंडस्ट्रीज है, जहां पर लकड़ी पर पॉलिश का काम किया जाता है। शनिवार को फैक्ट्री में काम चल रहा था कि अचानक पॉलिस एरिया में आग की लपटें उठने लगी, जिससे कर्मचारियों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर मौके पर पहुंची दमकलों ने आग पर पानी डालकर काबू पाया।

जी ग्लोबल एफएमसीजी लिमिटेड का आईपीओ खुलेगा 4 नवंबर, 2025 को

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। जी ग्लोबल एफएमसीजी लिमिटेड (कंपनी, जी) मसाले, बीज, अनाज, दालें और आटा (मैदा) के उत्पादन और प्रसंस्करण में संलग्न है, और 4 नवंबर, 2025, मंगलवार को अपना इनिशिअल पब्लिक ऑफरिंग (आईपीओ) खोलने जा रही है, जिसका उद्देश्य 85 करोड़ (ऊपरी मूल्य बैंड पर) जुटाना है। इसके शेयरों को एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर सूचीबद्ध किया जाएगा। इस इश्यू का आकार 10 प्रति शेयर के अंकित मूल्य वाले 68,00,000 इक्विटी शेयरों का है, जिनका मूल्य बैंड 120 - 125 प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। आईपीओ से प्राप्त शुद्ध राशि का उपयोग फैक्ट्री परिसर पर पूंजीगत व्यय, संयंत्र और मशीनरी तथा कोल्ड स्टोरेज पर पूंजीगत व्यय, आंतरिक उपयोग के लिए सौर ऊर्जा पर पूंजीगत व्यय, कार्यशील पूंजी और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। एंकर पोर्शन 3 नवंबर, 2025 को खुलेगा और इश्यू 7 नवंबर, 2025 को बंद होगा। इस इश्यू के लिए बुक रनिंग लीड मैनेजर इंटरएक्टिव फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड है, और इस इश्यू के लिए रजिस्ट्रार एमयूएफजी इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड है।जी ग्लोबल एफएमसीजी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक जितेंद्र कक्कड़ ने कहा, यह आईपीओ कंपनी की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जो भारतीय एफएमसीजी क्षेत्र में अग्रणी खिलाड़ियों में से एक बनने की दिशा में हमारा कदम है। 'शेठजी' ब्रांड के तहत 22 राज्यों और 25 निर्यात बाजारों में संचालन करते हुए, हमने राजकोट के पास स्वचालित मसाला और मल्टीग्रेन यूनिट्स, 5,000 एमटी की कोल्ड स्टोरेज सुविधा, और ग्लूटेन-फ्री, हाई-फाइबर आटे एवं रेडी-टू-यूज़ मसाला मिक्स जैसे गरम मसाला, पाव भाजी मसाला और सांभर मसाला के लॉन्च के माध्यम से अपनी क्षमताओं को और सुदृढ़ किया है।

जयसिंहपुरा खोर में माली (सैनी) समाज का 15 वां सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न 23 जोड़े बने एक दूजे के हमसफ़र

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। माली (सैनी) समाज विकास सेवा समिति जयसिंहपुरा खोर के तत्वावधान में शनिवार दिनांक 1 नवंबर को देवउठानी एकादशी के पावन अवसर पर समाज का 15 वां सामूहिक विवाह सम्मेलन बड़े ही हर्षोल्लास एवं धार्मिक माहौल में आयोजित किया गया। सामूहिक विवाह सम्मेलन का आयोजन तेजाजी महाराज मंदिर प्रांगण जयसिंहपुरा खोर में संपन्न हुआ। सम्मेलन में कुल 23 जोड़ों का सामूहिक विवाह सम्पन्न कराया गया। समिति की ओर से नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया गया तथा उपस्थित अतिथियों एवं समाजबंधुओं का पुष्पमालाओं से अभिनंदन एवं स्वागत किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में समाज के गणमान्यजन, वरिष्ठ नागरिक, महिलाएँ एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर समाज एकता, सहयोग एवं सेवा भावना का सुंदर उदाहरण देखने को मिला।

अधेड़ ने 100 नंबर पर फोन कर दी आत्म हत्या की धमकी

जमवारामगढ़ (हुक्मनामा समाचार)। जमवारामगढ़ थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए समय पर पहुंच कर एक अधेड़ की जान बचा ली। जमवारामगढ़ थाना हैड कांस्टेबल गजराज सिंह ने बताया की शुक्रवार शाम को अभय कमांड को थाना क्षेत्र से एक अधेड़ ने फोन किया की वह आत्म हत्या करने जा रहा है। अभय कमांड ने तुरंत जमवारामगढ़ थाना पुलिस को कार्यवाही करने को कहा। अभय कमांड की सूचना पर जमवारामगढ़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची तो पता चला की उक्त व्यक्ति गच्छीपुरा नागोर हाल निवासी निंबी थाना जमवारामगढ़ निवासी गच्छीपुरा नागोर हाल निवासी निंबी थाना जमवारामगढ़ जो की निंबी में रामगोपाल यादव के कृषि फार्म पर मजदूरी करने करता है। ओर उसने शराब के नशे में 100 नंबर पर फोन कर आत्म हत्या करने की धमकी दी।

सिर्फ 10 महीनों में ही स्कोडा ऑटो इंडिया की सालाना बिक्री ने बनाया नया रिकॉर्ड

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। स्कोडा ऑटो इंडिया के लिए ऐतिहासिक रहा है — कंपनी ने भारत में अपने 25 साल पूरे किए हैं। इसी वर्ष के अक्टूबर महीने में ब्रांड ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की, देश में अपनी अब तक की सर्वाधिक वार्षिक बिक्री का आंकड़ा पार किया।जनवरी से अक्टूबर 2025 के बीच स्कोडा ऑटो इंडिया ने 61,607 वाहनों की बिक्री दर्ज की। यह उपलब्धि कंपनी के अब तक के सर्वश्रेष्ठ तिमाही और अर्धवार्षिक प्रदर्शन के बाद आई है। अक्टूबर 2025 में 8,252 से अधिक यूनिट्स की बिक्री के साथ स्कोडा ऑटो इंडिया ने अपनी अब तक की सबसे बड़ी मासिक बिक्री भी दर्ज की है।

जिले के 53 केंद्रों पर वीडीओ भर्ती परीक्षा आज

20 हजार से अधिक परीक्षार्थी पंजीकृत, सादा कलावा, जूते-मोजे पहन कर आ सकेंगे, जीन्स पहनकर आने वालों को मनाही

श्रीगंगानगर (हुक्मनामा समाचार)। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा ग्राम विकास अधिकारी सीधी भर्ती का आयोजन 2 नवम्बर 2025 को जिले के 53 केंद्रों पर किया जावेगा। जिले में 6 केंद्र सूरतगढ़ तथा 47 केंद्र जिला मुख्यालय पर बनाए गए हैं। पेपर से पूर्व जिला स्तर पर सभी उड़नदस्ता दलों, उप समन्वयकों, केंद्र अधीक्षकों, पर्यवेक्षकों, एसीएस की बैठक तथा सभी केंद्रों पर वीक्षकों की आमुखीकरण बैठक का आयोजन किया गया। परीक्षा की नोडल अधिकारी तथा एडीएम सतर्कता रीना ने बताया कि जिले में परीक्षा

को लेकर तैयारियां पूर्ण की जा चुकी हैं। 850 पदों के लिए करीब 5.50 लाख अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। जिला प्रशासन द्वारा परीक्षा आयोजन के लिए प्रशासन, पुलिस, शिक्षा, पंचायत राज, आयुर्वेद, कृषि, लेखा, पीएचईडी, श्रम, समाज कल्याण, अल्पसंख्यक आदि विभागों से करीबन 3000 अधिकारी कर्मचारी नियुक्त किए हैं। इसके अंतर्गत जिला स्तर पर गठित 9 उड़न दस्ता दल निरंतर केंद्रों की निगरानी रखेंगे। इसके अलावा 27 उपसमन्वयक तथा 101 पर्यवेक्षक भी निगरानी हेतु नियुक्त किए गए हैं। परीक्षा सहसमन्वयक भूपेश शर्मा ने बताया कि इस परीक्षा में भाषा, गणित, सामान्य ज्ञान, भूगोल, कृषि, राजस्थान का इतिहास और संस्कृति और बेसिक कंप्यूटर से जुड़े कुल 160 एमसीक्यू प्रश्न पूछे जाएंगे। 200 अंकों के इस पेपर हेतु कुल 3 घंटे जबकि 5 वें गोले हेतु 10 मिनट का समय देय होगा। अभ्यर्थियों को अपने ई-प्रवेश पत्र के साथ मूल पहचान पत्र व खुद की एक नवीन फोटो भी लानी होगी। 10 बजे के बाद प्रवेश अनुमत नहीं रहेगा। पेपर का समय सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक रहेगा।

मूंधड़ा फाऊंडेशन ने उठाया छात्राओं के शैक्षणिक विकास के साथ साथ शारीरिक व मानसिक विकास का बीड़ा

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। सी एम मूंधड़ा फाऊंडेशन चिकित्सा, शिक्षा एवं मानव सेवा के क्षेत्र में एक ऐसी मिसाल है जिसकी जितनी तारीफ़ की जाए कम है और मूंधड़ा परिवार और सेवा सिक्के के दो पहलू है। आज नापासर की बालिका स्कूल देखकर मेरा यह कहना कोई अतिश्योक्ति नहीं कि पूरे राजस्थान में इस तरह का शायद ही कोई सरकारी बालिका स्कूल हो जिसमें बच्चियों के लिए इतनी शैक्षणिक सुविधा हो। यह शब्द जिला परिषद सीओ सोहनलाल ने गीता देवी बागड़ी उच्च माध्यमिक विद्यालय में शिक्षा एवं खेल उपकरणों के शुभारंभ अवसर पर कहे। सी एम मूंधड़ा फाऊंडेशन के ट्रस्टी श्रीकिशन मूंधड़ा ने बताया कि गीता देवी बागड़ी उच्च माध्यमिक विद्यालय नापासर में अध्ययनरत बालिकाओं के शैक्षणिक व शारीरिक उन्नयन हेतु कक्षा 1 की छात्राओं के लिए अंग्रेजी अल्फाबेट, मेथ्स की काऊंटिंग तथा अ से अं तक की वर्णमाला की मेटिंग, खेल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चेस, केरम तथा शाला के मुख्य हॉल में कबड्डी, योगा, कुश्ती, कराटे मेटिंग आदि लगायी है। उपनिदेशक समाज कल्याण एल. डी. पंवार ने बताया कि मूंधड़ा परिवार द्वारा बालिका शिक्षा एवं खेल को बढावा देने के उद्देश्य से किये जा रहे प्रकल्प निश्चय ही बालिकाओं को राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय प्रतिस्पर्द्धाओं हेतु प्रेरित करेंगे।

बीकानेर जिला उद्योग संघ अध्यक्ष द्वारकाप्रसाद पचीसिया ने बताया कि मूंधड़ा फाऊंडेशन द्वारा किये गये इस प्रकल्प से बालिकाओं के शैक्षणिक विकास के साथ साथ शारीरिक विकास व आत्मरक्षा के गुणों का भी भलीभांति विकास संभव हो सकेगा ।नेशनल करियर काऊंसलर डॉ. चंद्रशेखर श्रीमाली ने बालिकाओं को अपने भविष्य निर्माण हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया। भामाशाह श्यामसुन्दर सोनी ने बताया कि बालिका शिक्षा से बड़ा कोई दान नहीं है और मूंधड़ा परिवार द्वारा किया गया यह दान निश्चय ही ऐतिहासिक पहल होगी।

इस अवसर पर प्रिंसिपल सुमन स्वामी, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय प्रधानाचार्य राजेन्द्र प्रसाद गोयल, दिनेश मूंधड़ा, डिम्पल मीरचंदानी, सांवर मल शर्मा, देवकिशन यादव, संतोष आसोपा सहित अनेक गणमान्य उपस्थित हुए ।

संगमानंद को मिलेगा मोहन आलोक साहित्य सम्मान

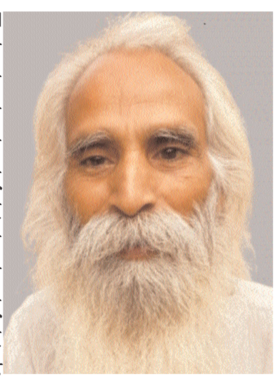

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। साहित्य, संस्कृति एवं सामाजिक सरोकारों के प्रति समर्पित प्रयास संस्थान अपने पुरस्कार, सम्मानों की शृंखला में चूरू अंचल के स्थानीय साहित्यकारों, साहित्य सेवियों के लिए अंचल में जन्मे प्रख्यात साहित्यकार मोहन आलोक की स्मृति में स्थापित 'मोहन आलोक साहित्य सम्मान' देता है। इसी कड़ी में वर्ष 2025 के लिए चूरू निवासी साहित्यकार, पत्रकार और विचारक संगमानंद को यह सम्मान मिलेगा। प्रयास संस्थान के सचिव कमल शर्मा ने बताया कि इसी माह चूरू में सम्मान स्वरूप शॉल, श्रीफल, साफा, प्रतीक चिह्न आदि प्रदान कर सम्मान्य साहित्यसेवी संगमानंद की सेवाओं को सम्मानित किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि इससे पहले साहित्यकार शंकर लाल झकनाड़िया, सुरेंद्र पारीक रोहित को भी यह सम्मान मिल चुका है।

एसआईआरः इलेक्टर मैपिंग कार्य में ढिलाई पर जिला निर्वाचन अधिकारी ने जताई सख्त नाराजगी

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। मतदाता सूचियों के गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (एसआईआर) के तहत बूथ लेवल अधिकारियों द्वारा इलेक्टर मैपिंग कार्य में ढिलाई बरते जाने को जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता वृष्णि ने गंभीरता से लिया। उन्होंने शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित बैठक में इलेक्टर मैपिंग से जुड़े कार्य में न्यूनतम प्रगति वाले बीएलओ के विरुद्ध कार्यवाही के निर्देश सम्बन्धित निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को दिए। उन्होंने सख्त हिदायत देते हुए कहा कि निर्वाचन से जुड़े कार्यों में लापरवाही किसी स्तर पर स्वीकार नहीं होगी। मैपिंग से जुड़े कार्य में गति नहीं आने पर संबंधित कार्मिक के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा उच स्तर पर इससे अवगत भी करवाया जाएगा। इस दौरान मैपिंग से जुड़े कार्य में बीकानेर पश्चिम, बीकानेर पूर्व एवं खाजूवाला के न्यूनतम प्रगति वाले बीएलओ मौजूद रहे। वहीं अन्य विधानसभा के बीएलओ वीडियो कांफ्रेंस से जुड़े। जिला कलेक्टर ने एक-एक बीएलओ से फीडबैक लिया। उन्होंने सम्बन्धित निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों को भी पूर्ण गंभीरता से मॉनिटरिंग के निर्देश दिए और कहा कि किसी विधानसभा क्षेत्र में इस कार्य में गति नहीं हुई तो संबंधित ईआरओ भी इसके लिए जिम्मेदार होगा। वृष्णि ने कहा कि जल्दी ही इसकी पुनः समीक्षा की जाएगी। इसके मद्देनजर आवश्यक सुधार के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि कार्य क्रियान्वयन में किसी प्रकार की व्यवहारिक परेशानी आए तो बीएलओ तत्काल संबंधित ईआरओ, मास्टर ट्रेनर अथवा सुपरवाइजर से संपर्क करे। उन्होंने बताया कि 40 साल से कम आयु के मतदाताओं की मैपिंग के मामले में कोलायत सबसे फिसड्डी है। वहीं नोखा और खाजूवाला नीचे से क्रमशः दूसरे और तीसरे नंबर पर है। वहीं 40 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं की मैपिंग में बीकानेर पूर्व, बीकानेर पश्चिम और खाजूवाला सबसे नीचे हैं। वहीं ओवरऑल मैपिंग में कोलायत, नोखा और बीकानेर पूर्व सबसे नीचे हैं। वृष्णि ने मैपिंग से जुड़ा सर्वश्रेष्ठ कार्य करने पर श्रीडूंगरगढ़ और लूणकरणसर विधानसभा की तारीफ की और अन्य क्षेत्र के बीएलओ को इसी तर्ज पर काम करने के निर्देश दिए।

एक हजार बिल्व पत्र से हुआ अमरेश्वर महादेव का सहस्त्रार्चन, दूध से किया अभिषेक

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। ज्योतिषाचार्य पं. बाबूलाल शास्त्री ज्योतिष बोध संस्थान के तत्वावधान में छोटी काशी बीकानेर में 21 कुंडात्मक रुद्रचंडी महायज्ञ एवं सवा करोड़ शिव पंचाक्षरी मंत्र का अनुष्ठान तीसरे दिन भी जारी रहा। पं. राजेन्द्र किराडू के आचार्यत्व में हर्षोल्लाव तालाब अमरेश्वर महादेव मंदिर में 30 अक्टूबर 2025 से प्रारंभ हुआ यह अनुष्ठान 3 नवम्बर 2025 तक चलेगा। कार्यक्रम में 131 वैदिक ब्राह्मण एवं 25 यजमान दम्पती मंत्रजाप एवं महायज्ञ में आहुतियां दे रहे हैं। पं. राजेन्द्र किराडू ने बताया कि प्रातः काल मंडप पूजन में सर्वप्रथम गणेश पूजन, षोडशमातृका, योगिनी वास्तु, क्षेत्रपाल भैरव,

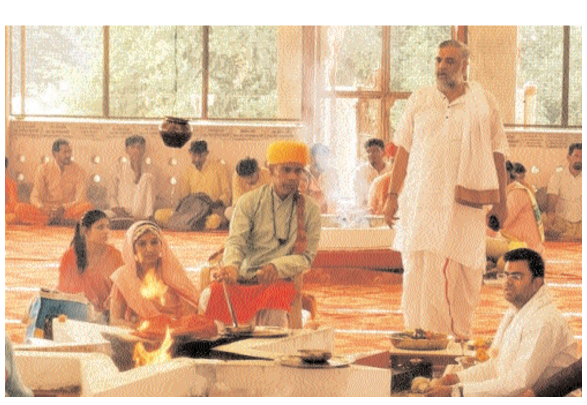

सूर्यादि नवग्रह, सर्वेतोभद्र मंडल एवं प्रधान शिव व शक्ति का पूजन, ऋग्वेद द्वार, यजुर्वेद द्वार, सामवेद द्वार, अथर्ववेद द्वार पूजन, तोरण देवता पूजन के साथ सामूहिक रूप से रुद्राभिषेक एवं शिव महिम्मन आदि स्तोत्र का पाठ किया जा रहा है। शनिवार को अमरेश्वर महादेव का सहस्त्रार्चन में एक हजार बिल्व पत्र व दुग्धाभिषेक भी किया गया। कार्यक्रम में शिवबाड़ी शिवमठ के अधिष्ठाता संवित् विमर्शानंदगिरि महाराज का आतिथ्य रहाश्री विमर्शानंद गिरि महाराज ने कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि कलिकाल में ब्राह्मणों का यह दायित्व भी बनता है कि वे जन-जन को धर्म के मार्ग पर चलने की सीख दें। जप-तप और यज्ञ के माध्यम से ही धर्म-संस्कारों को जीवित रखा जा सकता है। पं. राजेन्द्र किराडू ने रुद्रचंडी महायज्ञ और शिव पंचाक्षरी मंत्र की महत्ता बताई। शिव पुराण के अनुसार शिव पंचाक्षरी मंत्र का जाप करने से धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति होती है। शिव का अर्थ है कल्याण। अतः एक बार भी शिव का नाम लेने से कल्याण होता है और इस अनुष्ठान में सवा करोड़ शिव पंचाक्षरी मंत्र का जाप होगा। शिव के जप से शारीरिक, मानसिक और आर्थिक रूप से भी मनुष्य का कल्याण होता है।

युवाओं को नशे से बचाना अब हमारी जिम्मेदारी

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। ह्यूमन राइट्स इंटरनेशनल फेडरेशन द्वारा नशा मुक्त शहर अभियान के तहत जयपुर रोड स्थित कच्ची बस्ती में जाकर नशा बंद करवाने का प्रयास किया गया। संस्थान नेशनल चीफ एडमिनिस्ट्रेटर डॉ. अर्पिता गुप्ता ने बताया नशा मुक्त शहर अभियान के तहत जहां प्रथम चरण में विभिन्न प्रतियोगिताओं द्वारा जागरूकता कार्यक्रम रखे गए थे वही आज कच्ची बस्ती में जाकर लोगों के पास उपलब्ध नशे की सामग्री को जलाया गया। नशे के दुष्प्रभाव समझे गए। एनडीपीएस एक्ट1985 के तहत नशीले पदार्थों की खरीद बिक्री कब्जा परिवहन व सेवन अपराध है बताया गया । जिसमे दोषी को सख्त सजा 10 से 20 वर्ष तक की कैद वभारी जुर्माना देना भी पड़ता है। मानस 1933 हेल्पलाइन पर गोपनीय सूचना देकर नशे के खिलाफ मिलकर हम सभी को जागरूक बनाना होगा। सचिव प्रिया भार्गव ने नशा रोकने के घरेलू उपाय समझाएं। स्नेहा शर्मा व शगुन द्वारा बस्ती के उपस्थित सभी जनों को नशा न करने की शपथ दिलाई साथ ही महिलाओं व बच्चों को नए वस्त्र वितरित किए गए।

राठौड़ ट्रेवल्स की बस में पुलिस को 4 देशी पिस्टल व 33 जिन्दा कारतूस मिले

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। राठौड़ ट्रेवल्स की बस में पुलिस को पिस्टल व जिन्दा कारतूस मिले है। जिसके बाद पुलिस ने तीन जनों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। बीछवाल थाना गोविन्द सिंह की अगुवाई में की गई इस कार्रवाई में पुलिस टीम को चार पिस्टल व 33 जिन्दा कारतूस बरामद हुए है। थानाधिकारी ने बताया कि गंगानगर बाइपास पर ट्रांसपोर्ट नगर के पास इंदौर से बीकानेर चलने वाली राठौड़ ट्रेवल्स की स्लिपर बस एआर 11 बी 5777 की तलाशी में बस की सीटों के नीचे छिपाएं हुए अवैध देशी पिस्टल व जिन्दा कारतूस बरामद किये गये। पुलिस नाकाबंदी की भनक लगने से आरोपी नोखा में ही बस छोड़कर फरार हो गये। बस से हथियार व कारतूस बरामदगी के साथ मुल्जिमानों के सामान में मिले दस्तावेजों के आधार पर कोलायत तहसील के पंचपीठ की ढाणी निवासी मोनाराम, ओमप्रकाश एवं मोहनराम के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। इस कार्रवाई में थानाधिकारी के साथ उपनिरीक्षक श्रीमती मंजीत कौर,कानि रामनिवास,भगवानाराम,लीलूराम शामिल रहे। अनुसंधान नाल थानाधिकारी विकास विश्नोई कर रहे है।

केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की पहल पर होगा समारोहः पांच दिसंबर 2025 से 26 अक्टूबर 2027 तक होंगे विभिन्न आयोजन

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। गंगनहर के शिलान्यास से लेकर इसके निर्माण कार्य के 100 वर्ष पूर्ण होने पर बीकानेर संभाग में %गंगनहर- सुशासन के 100 वर्ष% राज्य स्तरीय समारोह मनाया जाएगा। केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल की पहल पर आयोजित होने वाले इस समारोह में 5 दिसंबर 2025 से लेकर 26 अक्टूबर 2027 तक विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मेघवाल ने शनिवार को संभागीय आयुक्त कार्यालय में इससे संबंधित पहली बैठक ली तथा सभी अधिकारियों को इस महोत्सव के सफल आयोजन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने बताया कि 5 दिसंबर 1925 को बीकानेर के तात्कालिक महाराजा गंगासिंह ने फिरोजपुर पंजाब में गंगनहर का शिलान्यास किया तथा 26 अक्टूबर 1927 को गंगनहर का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ। इसके उद्घाटन समारोह में महाराजा

गंगासिंह के निमंत्रण पर पंडित मदन मोहन मालवीय, लॉर्ड इरविन तथा अन्य तात्कालिक महाराजा, श्रीगंगानगर के शिवपुर हैड आए। इस दौरान भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्रीय मंत्री मेघवाल ने कहा कि गंगनहर ने श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ बीकानेर और चूरू आदि क्षेत्रों को नई पहचान दी। गंगनहर के कारण आज राजस्थान हरित पट्टी और अन्न भंडार के रूप में विकसित हुआ है। यहां कृषि और औद्योगिक विकास के साथ सर्वांगीण विकास की राह खुली है। मेघवाल ने बताया कि इस उपलब्धि के 100 वर्ष पूर्ण होने पर संभाग भर में भव्य कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसकी शुरुआत 5 दिसंबर 2025 को फिरोजपुर से राय स्तरीय शताब्दी समारोह के साथ होगी। इस दौरान एक स्मारिका प्रकाशित की जाएगी। इसमें इस नहर के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले व्यक्तियों तथा नहर आने से इस क्षेत्र में हुए चहुंमुखी विकास का उल्लेख किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह जानकारी वर्तमान पीढ़ी के लिए महत्वपूर्ण साबित होगी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि 5 दिसंबर 2025 से 26 अक्टूबर 2027 तक चलने वाले इस राय स्तरीय शताब्दी समारोह में प्रत्येक मंडी और हर कस्बे में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान नहर के निर्माण से क्षेत्र में होने वाले लाभ के बारे में बताया जाएगा। साथ ही आगामी 100 वर्ष में संभाग के विकास का रोडमैप तैयार किया जाएगा। इसके लिए आमजन से सुझाव भी प्राप्त किए जाएंगे। इस राय स्तरीय समारोह के दौरान बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर में बड़े कार्यक्रम होंगे।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि वर्ष 1927 से वर्ष 2027 तक के 100 वर्षों में जन्मे 100 विशिष्ट व्यक्तियों का सम्मान हनुमानगढ़ में किया जाएगा। यह वे लोग होंगे, जिन्होंने संभाग में रहकर कार्य किया और विशेष उपलब्धि हासिल की। वहीं बीकानेर में बीकानेर-जयपुर रोड स्थित धरती धोरां री में एक सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा। जिसमें ऐसे 100 लोगों को सम्मानित किया जाएगा, जिनका जन्म बीकानेर संभाग में हुआ, लेकिन उन्होंने देश और दुनिया के विविध क्षेत्रों को अपनी कर्मभूमि बनाकर संभाग का नाम रोशन किया। बैठक के दौरान ऐसे कई नाम पर चर्चा की गई। मेघवाल ने बताया कि चूरू में आयोजित कार्यक्रम में संभाग के ऐसे सौ किसानों का सम्मान किया जाएगा, जिन्होंने कृषि की नवीन तकनीकों को अपनाया और कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया। उन्होंने बताया कि इस समारोह का समापन कार्यक्रम 26 अक्टूबर 2027 को श्रीगंगानगर जिले के शिवपुर हैड में होगा। जिसे राजस्थान के सुशासन की शताब्दी गाथा महोत्सव के रूप में मनाया जाएगा। मेघवाल ने बताया कि राय स्तरीय शताब्दी समारोह के लिए जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राय स्तरीय कमेटी गठित की गई है। वहीं संभाग स्तर पर संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में गठित कमेटी में बीकानेर संभाग के चारों जिलों के जिला कलेक्टर तथा पुलिस अधीक्षक सहित जल संसाधन के मुख्य अभियंता को शामिल किया गया है। इसके साथ ही इन क्षेत्रों में के तीन विशेषज्ञों की समिति का गठन भी किया जाएगा, जो इस आयोजन का सुचारू रूप से क्रियान्वयन करने में सहायक होंगे।

बैठक में संभागीय आयुक्त विश्राम मीणा, पुलिस महानिरीक्षक हेमंत शर्मा, जिला कलक्टर नम्रता वृष्णि, नगर निगम आयुक्त मयंक मनीष, बीकानेर विकास प्राधिकरण आयुक्त अपर्णा गुप्ता, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहनलाल, अतिरिक्त कलेक्टर (प्रशासन) सुरेश यादव, अतिरिक्त कलेक्टर (नगर) रमेश देव सहित जल संसाधन एवं अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

वहीं संभाग के अन्य जिलों के जिला कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जुड़े।

न्यूज विंडो

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने अक्टूबर 2025 में 42,892 गाड़ियां बेचीं

जयपुर (हुक्मनामा समाचार)। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने अक्टूबर 2025 के अपने बिक्री परिणामों की घोषणा करते हुए बताया कि कंपनी ने कुल 42,892 गाड़ियाँ बेचीं, जिनमें से 40,257 गाड़ियाँ घरेलू बाजार में और 2,635 गाड़ियाँ निर्यात के लिए भेजी गईं। कंपनी ने साल-दर-साल आधार पर 39त्न और माह-दर-माह आधार पर 38त्न की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। टीकेएम के वाइस प्रेसिडेंट, सेल्स-सर्विस-यूज्ड कार बिजनेस, वरिंदर वाधवा ने कहा कि यह वृद्धि हमारे संचालन में तालमेल, ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण और मजबूत उत्पाद पोर्टफोलियो का परिणाम है। हाल ही में लॉन्च की गई अर्बन क्रूजर हायराइडर एयरो एडिशन और 2025 फॉर्च्यूनर लीडर एडिशन को ग्राहकों से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली है। इसके अलावा, ड्रम ताओ के साथ सहयोग ने भी ग्राहकों के जुड़ाव और उत्साह को और प्रबल किया है। त्योहारी सीजन के दौरान अनुकूल आर्थिक माहौल और सरकार की दूरदर्शी जीएसटी सुधारों ने बाजार के आत्मविश्वास को बढ़ाया है, जिससे ग्राहक पूछताछ और ऑर्डर में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है तथा कंपनी के समग्र प्रदर्शन को गति मिली है।

राजमार्ग पर दिनदहाडे महिला की चेन तोड, बाइक सवार बदमाश फरार

नदबई (हुक्मनामा समाचार)। राष्ट्रीय राजमार्ग पर गांव अरोंदा के समीप अज्ञात बाइक सवार दो बदमाश एक महिला की सोने की चेन तोड़ कर फरार हो गए। पीडित महिला की सूचना पर लखनपुर थाना पुलिस ने मौके पर जांच पडताल करते हुए नाकाबंदी की। लेकिन, बाइक सवार बदमाशों का सुराग नही लग सका। विभागीय सूत्रों की मानें तो उच्चैन थाना क्षेत्र के गांव जयचौली निवासी हिमालय मीणा अपनी पत्नी दुलारी को बाइक से अलवर जिले के जटमासी में शादी समारोह में जा रहा। इसी दौरान अरोंदा के समीप बाइक सवार दो बदमाशों ने बाइक सवार महिला के गले से सोने की चेन तोड़ ली। पीडित महिला ने शोर मचाते हुए बदमाशों को पकडने का प्रयास किया। लेकिन, बाइक सवार दोनों बदमाश मौके से फरार हो गए। इस संदर्भ में समाचार लिखे जाने तक पुलिस में मामला दर्ज नही हुआ।

संत संतोषानंद महाराज ने मंत्रों से विधार्थियों का किया उत्साह वर्धन

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। 69 वीं राष्ट्रीय विद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता के अंतर्गत ताइक्कांडो (19 वर्षीय छात्र छात्रा) का चयन परीक्षण व पूर्व प्रशिक्षण शिविर महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय मुरलीधर व्यास नगर बीकानेर में 1 नवम्बर से 12 नवम्बर तक आयोजित किया जा रहा है। उक्त प्रशिक्षण का में माध्यमिक शिक्षा निदेशालय (खेलकूद अनुभाग) से हेमाराम गाट एवं सेवा भारती संस्थान बीकानेर से संतोषानंद महाराज ने विधर्थियो, प्रशिक्षकों व शिक्षकों का उत्साहवर्धन किया। संतोषानंद महाराज ने मंत्रोच्चार व श्लोकों के माध्यम से समस्त कार्यक्रम में सर्वमंगल सर्वकल्याण की कामना की। श्री हेमाराम जी ने खिलाड़ियों को खेल भावना सर्वोपरी रखते हुए खेल में अनुशासन का महत्व बताया। संयोजक विद्यालय के संस्थाप्रधान कमलेश रॉयल ने ताइक्कांडो खेल से शारीरिक व मानसिक क्षमताओं में वृद्धि, जीवन कौशल व आत्मसयंम का महत्व बताया।

कर्मचारी नेता जीनगर के सेवानिवृत्त समारोह में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। बीकानेर के कर्मचारी नेता व संघनिष्ठ कार्यकर्ता राजकुमार जीनगर द्वारा 41 वर्ष की गौरवमयी राजकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने के उपरांत आयोजित सेवानिवृत्ति समारोह के दौरान शहर के विभिन्न गणमान्य लोग उपस्थित रहे। जिसमे देहात अध्यक्ष श्याम पंचारिया, पूर्व जिला अध्यक्ष विजय कुमार आचार्य, पूर्व जिला अध्यक्ष एवं नगर परिषद सभापति अखिलेश प्रताप सिंह, शहर जिला महामंत्री कौशल शर्मा, जिला प्रवक्ता जोगेंद्र शर्मा, जिला मंत्री किशन चौधरी, देहात जिला प्रवक्ता महेन्द्र ढाका, पूर्व बीजेपी महामंत्री अनिल शुक्ला, पूर्व जिला मंत्री अनिल पाहुजा, पूर्व पार्षद हसन अली टाक,अनिल आचार्य, सैय्यद अख्तर, एकीकृत महासंघ प्रदेश महामंत्री जय गोपाल जोशी, महासंघ जिलाअध्यक्ष आनन्द पणिया, प्रदेश संगठन मंत्री किशन सिंह चौहान, लक्ष्मण पुरोहित, विजय शंकर गहलोत एवं शाकिर हुसैन चौपदार सहित राजनीतिक व प्रशासनिक और शहर की नामी-गिरामी हस्तियां पवनपुरी स्थित राम लक्ष्मण भवन में शिकरत की।

बीकानेर पुलिस ने किया 13 करोड़ से अधिक के मादक पदार्थों का नष्टीकरण

बीकानेर (हुक्मनामा समाचार)। बीकानेर पुलिस द्वारा शनिवार को ड्रग्स डिस्पोजल कमेटी की उपस्थिति में अवैध मादक पदार्थों के नष्टीकरण की बड़ी कार्रवाई की गई। इस कार्यवाही के दौरान 74 अभियोगों में जब्त किए गए मादक पदार्थों को नियमानुसार नष्ट किया गया। कार्यवाही की अध्यक्षता जिला पुलिस अधीक्षक कावेंद्र सिंह सागर ने की। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) सौरभ तिवाड़ी, पुलिस निरीक्षक (अपराध सहायक) सुभाष बिजारणियां, उप निरीक्षक जगदीश, सहायक उप निरीक्षक उम्मेद सिंह, हेड कॉन्स्टेबल सुगनचंद, लक्ष्मण सिंह तथा कॉन्स्टेबल श्रवण कुमार व सुनील कुमार उपस्थित रहे। ड्रग्स डिस्पोजल कमेटी ने जिले में दर्ज अभियोगों के तहत जब्त अवैध मादक पदार्थों को वैज्ञानिक और विधिक प्रक्रिया के तहत नष्ट किया।